शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक को प्रगतिशील होने के लिए दंडित न करे केंद्र सरकार: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 02 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-302

प्यू रिसर्च सेंटर के शोध से जनसंख्या असंतुलन उजागर

2050 तक मुस्लिम बहुल देश बन जाएगा भारत

⇨ *जनसंख्या कानून नहीं होने से अल्पसंख्यक बन गए बहुसंख्यक*

⇨ *पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से खत्म हो जाएंगे हिंदू*

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी शोध संस्था प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा द फ्यूचर ऑफ वर्ल्ड रीजन्स शीर्षक से किए गए शोध में सामने आया है कि वर्ष 2050 तक भारत मुस्लिम प्रधान देश बन सकता है। अध्ययन में सामने आया है कि अगर इसी तरह से मुस्लिम आबादी बढ़ती रही तो भारत मुस्लिम आबादी के मामले में इंडोनेशिया को पीछे छोड़ देगा। भारत में जनसंख्या नियंत्रण का कोई कानून नहीं लागू किया गया, जिसका नतीजा है कि देश में मुस्लिम अब अल्पसंख्यक से बहुसंख्यक हो गए हैं।

प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में मुस्लिमों की आबादी तेजी से बढ़ेगी। जबकि, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे मुस्लिम देशों में हिंदुओं की जनसंख्या में और अधिक गिरावट आएगी। हिंदुओं के इस्लामिक धर्मांतरण, पलायन और गिरते प्रजनन दर हिंदुओं की जनसंख्या में गिरावट का सबसे बड़ा कारण बन रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2010 में पाकिस्तान में हिंदुओं की संख्या 1.6% थी, जो 2050 तक और अधिक गिरकर 1.3 प्रतिशत से भी कम हो जाएगी। ऐसा ही हाल बांग्लादेश में भी होने वाला है, जहां पर 2010 में हिंदुओं की आबादी करीब 8.5 फीसदी थी जो 2050 तक घटकर केवल 7 फीसदी रह जाएगी। अफगानिस्तान में हालात और भी अधिक

▶10पर

सनातन आस्था को लेकर हुआ महत्वपूर्ण फैसला

तिरुपति मंदिर में सिर्फ हिंदू काम करेंगे

⇨ *बीआर नायडू टीटीडी के नए अध्यक्ष नियुक्त किए गए*

⇨ *दूसरे विभागों में भेजे जाएंगे गैर हिंदू कर्मचारी: टीटीडी*

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष बीआर नायडू ने कहा है कि भगवान वेंकटेश्वर के निवास तिरुपति मंदिर में काम करने वाले सभी लोग हिंदू होने चाहिए। उन्होंने कहा कि वे आंध्र प्रदेश की सरकार से बात करेंगे कि दूसरे धर्म के कर्मचारियों का क्या किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मचारियों को दूसरे विभागों में भेजा जा सकता है या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) दी जा सकती है।

बीआर नायडू ने कहा, तिरुमाला में काम करने वाला हर व्यक्ति हिंदू होना चाहिए। यह मेरा पहला प्रयास होगा। इसमें कई मुद्दे हैं। हमें इस पर विचार करना होगा। भगवान वेंकटेश्वर के अनन्य भक्त नायडू ने कहा कि वह टीटीडी बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त किए जाने को सौभाग्य मानते हैं। इसके लिए उन्होंने आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू को धन्यवाद दिया।

बीआर नायडू ने आरोप लगाया कि वाईएसआर कांग्रेस की पिछली सरकार के दौरान तिरुमाला में कई अनियमितताएं हुईं। उन्होंने कहा कि अब मंदिर की पवित्रता की रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे कर्तव्य पूरी ईमानदारी

▶10पर

राष्ट्रीय एकता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी की उद्घोषणा

देश में रहेगा एक संविधान, एक नागरिक कानून और एक चुनाव

⇨ जम्मू कश्मीर में पहली बार संविधान के तहत ली गई शपथ

⇨ एक चुनाव एवं एक नागरिक कानून पर तेजी हो रहा है काम

⇨ विकास और विश्वास श्रेष्ठ भारत के निर्माण को गति देता है

⇨ हमारी हर योजना, नीति और नीयत में एकता की शक्ति है

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

गुजरात के केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह उद्घोषणा की कि एक देश, एक संविधान का संकल्प पूरा करने के बाद अब सरकार देश में एक देश, एक चुनाव और एक देश, एक समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में काम कर रही है। इस वर्ष के राष्ट्रीय एकता दिवस आयोजन की बैकग्राउंड थीम छत्रपति शिवाजी महाराज का रायगढ़ किला है।

प्रधानमंत्री ने संबोधन में अपनी सरकार के एकता की दिशा में किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आज बहुत से विषयों को पूरे राष्ट्र में एक समान लागू किया है। इसमें स्वास्थ्य सुविधा, पहचान पत्र, राशन, बिजली ग्रिड जैसे विषय शामिल हैं। आज पूरे देश में एक संविधान समान रूप से लागू है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने अनुच्छेद-370 हटने के बाद इस बार पहली बार पदभार ग्रहण करते समय संविधान की शपथ ली है।

प्रधानमंत्री के भाषण में देश से नक्सलवाद का खात्मा, पूर्वोत्तर में अलगाववादियों को मुख्यधारा में शामिल करना और आतंक को करारा जवाब देने जैसे विषय भी शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने एकता दिवस पर एकता शपथ दिलाई और एकता दिवस परेड का अवलोकन किया। इस परेड में नौ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की पुलिस, चार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, एनसीसी और एक मार्चिंग बैंड की 16 मार्चिंग टुकड़ियां शामिल हुईं। विशेष आकर्षणों में एनएसजी की हेल मार्च टुकड़ी, बीएसएफ और

▶10पर

गृह मंत्रालय से उजागर हुई परेशान करने वाली जानकारी

विदेश गए यूपी के 2946 लोग लापता

लखनऊ, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

विजिटर वीजा पर विदेश गए उत्तर प्रदेश के 2946 लोग गायब हैं। विदेशों में गायब यूपी के 2946 लोगों में 527 महिलाएं शामिल हैं। गायब हुए लोगों में से 106 लोग लखनऊ के हैं। गृह मंत्रालय के सक्रिय होने के बाद मुकदमे दर्ज किए गए हैं। गृह मंत्रालय का कहना है कि उत्तर प्रदेश के 2946 लोग विजिटर वीजा पर विदेश जाने के बाद वापस ही नहीं आए। गृह मंत्रालय ने इस मामले में कार्रवाई आगे बढ़ाने का निर्देश जारी किया है। लखनऊ, गोरखपुर, देवरिया और अमेठी में विदेश भेजने वाले एजेंटों पर मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। कंबोडिया, वियतनाम, म्यांमार में लोगों से जबरन साइबर फ्रॉड कराने के मामले सामने आने के बाद जब गहराई से छानबीन की गई तब यह सनसनीखेज जानकारी गृह मंत्रालय के संज्ञान में आई।

एडीजी साइबर क्राइम बीके सिंह ने बताया कि यूपी में विदेश भेजने वाले 75 अधिकृत एजेंट हैं, जबकि 431 एजेंट अनधिकृत तरीके से यह काम कर रहे हैं। सभी जिलों के पुलिस कप्तान और कमिश्नरों को अधिकृत और अनधिकृत एजेंटों की लिस्ट भेज कर आवश्यक कार्रवाई के लिए लिखा है। 2946 लोगों में 527 महिलाएं और 2419 पुरुष हैं। मुख्यालय हर जिले में इनका सत्यापन करा रहा है, जिसमें से 800 का सत्यापन हो चुका है ।

गृह मंत्रालय से मिले ब्यौरे के मुताबिक विदेश जाकर लापता होने वालों में सबसे ज्यादा 740 लोग गोरखपुर के हैं। वहीं देवरिया के 369, नोएडा के 251, लखनऊ के 106, गाजियाबाद के 200, कानपुर के 58, बाराबंकी के 11, वाराणसी के 32, आजमगढ़ के 80 लोग विदेशों में गायब हैं। हालांकि बीते दिनों 51 लोग वापस आए लेकिन यूपी से थाईलैंड गए करीब 2 हजार लोग वापस नहीं लौटे हैं। इसी तरह करीब 400 लोग वियतनाम, 230 कंबोडिया, 82 म्यांमार से वापस नहीं आए हैं। गृह मंत्रालय ने इस मामले की गहराई जांच पड़ताल का आदेश दिया है, ताकि यह पता चल सके कि गायब हुए लोग किस हाल में हैं और क्या कर रहे हैं।

लापता लोगों में 527 महिलाएं, लखनऊ के 106 लोग शामिल

गृह मंत्रालय ने दिए जांच के आदेश, चार ट्रैवेल एजेंटों पर केस

भारतवर्ष ने हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धि

कच्चे तेल का सबसे बड़ा सप्लायर बना भारत

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय रिफाइनरियों से यूरोपीय देशों को रिफाइंड कच्चे तेल के निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। भारत ने यूरोप को प्रतिदिन 3.60 लाख बैरल रिफाइंड क्रूड का निर्यात किया है। अनुमान है कि अगले साल अप्रैल तक यह

यूरोप को प्रतिदिन 20 लाख बैरल क्रूड ऑयल का निर्यात

आंकड़ा बढ़कर 20 लाख बैरल के पार हो सकता है। भारत सऊदी अरब को पीछे छोड़ते हुए यूरोप का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के समय यूरोप को भारत प्रतिदिन 1.54 लाख बैरल ईंधन का निर्यात करता था।युद्ध शुरू होने पर यह बढ़कर दो

▶10पर

रिजिजू ने एलएसी पर सैनिकों के साथ मनाई दिवाली

हर भारतीय सीमा विकास पर गर्व करेगा

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के सैनिकों से बात की। इस दौरान उन्होंने चीन से सैनिकों से कुछ सवाल भी पूछे। साथ ही भारतीय सैनिकों के साथ दिवाली मनाई। केंद्रीय मंत्री का चीनी

⇨ चीनी सैनिकों से मिले केंद्रीय मंत्री, बात भी की

⇨ डेमचोक में दोनों सेनाओं की गश्त फिर शुरू हुई

सैनिकों से बात करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

खराब मौसम के कारण तवांग नहीं जा सके रक्षा मंत्री

इटानगर, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से अरुणाचल प्रदेश के तवांग में सरदार वल्लभभाई पटेल की देश का वल्लभ प्रतिमा और मेजर रालेंग्राओ बॉब खथिंग वीरता संग्रहालय को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्हें तवांग जाना था, लेकिन खराब मौसम के कारण नहीं जा सके।

रक्षा मंत्री ने अपने

▶10पर

उधर, लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में भारत-चीन की सेनाओं की गश्त फिर से शुरू हो गई। गुरुवार को भारत-चीन की सेनाओं के बीच दिवाली पर मिठाइयों

▶10पर

अंतरिक्ष की दुनिया में भारतवर्ष की धमक

लेह में भारत का पहला एनालॉग स्पेस मिशन शुरू

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने लद्दाख के लेह में पहले एनालॉग स्पेस मिशन की शुरुआत कर दी है। बताया गया है कि यह मिशन ह्यूमन स्पेस फ्लाइट सेंटर, एएकेए स्पेस स्टूडियो, यूनिवर्सिटी ऑफ लद्दाख, आईआईटी बॉम्बे के सहयोगात्मक प्रयास और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के समर्थन से शुरू हुआ है। इस मिशन के तहत इसरो लेह में ऐसा स्थान तैयार करेगा, जो कि दूसरे ग्रह की स्थितियों जैसी होगी। इसके जरिए इसरो पृथ्वी से दूर जगहों पर बेस स्टेशन में आने वाली चुनौतियों से निपटने की तैयारियां परखेगा।

इसरो ने लेह में जो पहला एनालॉग मिशन

▶10पर

आपा के दंगाई नेता अमानतुल्ला का नया कारनामा

दंगा पीड़ितों के नाम पर चला रहा चंदा का धंधा

अवैध बैंक अकाउंट के जरिए कर रहा था हेराफेरी

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली दंगे के आरोपी आम आदमी पार्टी (आपा) के विधायक एवं दिल्ली सरकार का पूर्व मंत्री अमानतुल्लाह खान ने दिल्ली दंगा पीड़ितों के लिए धन जुटाने के नाम पर एक अवैध बैंक खाता खोल कर धन की हेराफेरी कर रहा था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अमानतुल्ला खान और उसकी पत्नी मरियम

के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है। अमानतुल्ला ने दिल्ली वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष रहते हुए यह गैरकानूनी जाल बट्टा फैलाया था।

दिल्ली के दंगा पीड़ितों को मदद देने के नाम पर चला रहे चंदा-धंधा में आए धन को अमानतुल्ला खान अवैध बैंक खाते में डालकर हेराफेरी कर रहा था। इसके अलावा अमानतुल्ला खान पर दिल्ली वक्फ बोर्ड में ग्रुप सी और ग्रुप डी के कर्मचारियों की अवैध नियुक्ति, वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों के किराएदारी के आवंटन में पद का दुरुपयोग, आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक सम्पत्ति रखने सहित कई गंभीर आरोप हैं।

ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए एक्ट) की विशेष अदालत के समक्ष अमानतुल्ला खान और उसकी दूसरी पत्नी मरियम सिद्दीकी के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत दाखिल की। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला 2016-21 के बीच दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में अमानतुल्लाह के कार्यकाल के दौरान की गई वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है।

ईडी ने कहा, दिल्ली दंगा पीड़ितों के नाम पर धन जुटाने के लिए खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड राहत समिति के नाम से एक अनधिकृत बैंक खाता खोला और जनता से प्राप्त धन निकाल कर अवैध खाते में जमा कर दिया। वहां से उस फंड में गड़बड़ी की गई।

▶10पर

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा

दुनियाभर में हिंदुओं के अधिकार की रक्षा होगी

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की कड़ी निंदा

वाशिंगटन, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और दोबारा राष्ट्रपति बनने के दरवाजे पर खड़े डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की कड़े शब्दों में निंदा की और कहा कि उनके राष्ट्रपति बनने के बाद वे बांग्लादेश समेत अन्य देशों में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ कारगर कदम उठाएंगे। अमेरिका के पूर्व

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दिवाली पर दिए गए संदेश की चौतरफा तारीफ हो रही है। ट्रंप ने वादा किया कि पूरी दुनिया में हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा होगी। ट्रंप ने कहा, मेरे राष्ट्रपति बनने के बाद हम भारत और मेरे अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी महान साझेदारी को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि हम कट्टरपंथी वामपंथियों के धर्म-विरोधी एजेंडे के खिलाफ हिंदू अमेरिकियों की भी रक्षा करेंगे। हम आपकी स्वतंत्रता के लिए लड़ेंगे।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिवाली के मौके पर हिंदू समुदाय के लोगों को अपनी शुभकामनाएं दीं और बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा की। ट्रंप ने फिर से राष्ट्रपति चुने जाने पर भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने की कसम खाई। उन्होंने पीएम मोदी को अच्छा दोस्त बताया। ट्रंप ने पहली बार बांग्लादेश के मुद्दे पर बात की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा करता हूं, जिन पर

▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

अपने भीतर के दीप को जलाएं: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने महावीर निर्वाण कल्याणक एवं दीपावली के पावन पर्व पर कहा कि महात्मा बुद्ध ने कहा है आत्म दीपो भव:। अर्थात प्रकृति के नियमानुसार अपने ज्ञान को स्वयं प्रकट करो।

सच्चा ज्ञान प्राप्त करने की वह शाखा जिसके द्वारा हम स्वयं एवं अपने चारों ओर की प्रकृति से सीखने सिखाने की यह प्रक्रिया है। यानि आत्म दीप बनो। भीतर का अंधेरा भीतर के दीप से ही बूझेगा। अपने आत्म दीप और अपने आत्मज्ञान को प्रकट करो। भीतर में जो ज्ञान का प्रकाश है उसे आलोकित करने का प्रयास करो। महावीर कथा का विवेचन करते हुए कहा कि साढ़े बारह वर्षों तक

देवो द्वारा, मानवों और दानवों द्वारा, पशु जानवरों द्वारा प्रभु महावीर ने अनेक कठोर उपसर्गों को समता भाव से सहन किया। इसी महावीर की उत्कृष्ट साधना ने विश्व की चेतना को मंगलकारी कल्याणकारी बनाया। हमारी यह जीव आत्मा जो असंयम की प्रवृति में आई है, उसी के कारण संसार में निरंतर भ्रमण कर रही है। यह आत्मा जब असंयम से संयम प्रवृति में आ जाती है तो आत्मकल्याण कर लेती है। जब इस आत्मा पर कषाय रूपी रंग चढ़ जाते है तो यह आत्मा कर्मों का बंध कर लेती है। कषायों को कम करने का प्रयास करोगे तो हमारे कर्म धीरे धीरे हल्के होते जाएँगे। हमारी आत्मा कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होगी। भगवान महावीर का आत्म धर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था। दुनिया की सभी आत्मा एक-सी हैं इसलिए हम दूसरों के प्रति वही विचार एवं व्यवहार रखें जो हमें स्वयं को पसंद हो। यही महावीर का जीयो और जीने दो का सिद्धांत है। इतने वर्षों के बाद भी भगवान महावीर का नाम स्मरण उसी श्रद्धा और भक्ति से लिया जाता है, इसका मूल कारण यह है कि महावीर ने इस जगत को न केवल मुक्ति का संदेश दिया, अपितु मुक्ति की सरल और सच्ची राह भी बताई। भगवान महावीर ने आत्मिक और शाश्वत सुख की प्राप्ति हेतु पाँच सिद्धांत हमें बताए हैं, जिसमें सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य शामिल है।

पूर्व में रूपेशमुनि ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन एवं गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। अमलनेर महाराष्ट्र से पधारे राजमल संचेती ने अपने विचार रखे। युवाध्यक्ष धीरज नाहर ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

खुशी, रोशनी और एकजुटता की शाम के साथ दिवाली का मनाया जश्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर ने एक जीवंत दिवाली पार्टी के साथ रोशनी के त्योहार का जश्न मनाया। जिसका आयोजन अध्यक्ष वीरा भारती छाजेड तलेसरा ने अपने निवास पर किया। यह कार्यक्रम हंसी, सौहार्द और उत्सव की भावना से भरी एक खूबसूरत शाम थी, जो दिवाली के सार और महावीर इंटरनेशनल परिवार के भीतर एकता को दर्शाती थी। शाम की शुरुआत गर्मजोशी से भरे अभिवादन और मुस्कुराहट के साथ हुई। समारोह में पारंपरिक दीप जलाना, अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक और साथ में पटाखे जलाना शामिल था। बच्चों और वयस्कों ने समान रूप से शानदार प्रदर्शनों का आनंद लिया, जिसने समारोह में एक सुखद चमक ला दी।

महावीर इंटरनेशनल परिवार ने एक साथ मिलकर गाना गाया और जश्न मनाया, जिससे उत्सव के सभा एक व्यक्तिगत स्पर्श जुड़ गया। हर्षोल्लास से भरे गीत और हार्दिक शुभकामनाओं ने सभी के चेहरों पर मुस्कान ला दी, जिससे यादगार पल बन गए। सदस्यों ने त्योहार की मिठाइयाँ बाँटीं, कहानियाँ साझा कीं और जीवंत बातचीत का आनंद लिया। पारंपरिक दिवाली के व्यंजनों ने शाम को और भी मधुर बना दिया, जो त्योहार के साथ आने वाली समृद्धि और खुशी का प्रतीक है। अध्यक्ष वीरा भारती छाजेड़ तलेसरा ने उपस्थित सभी लोगों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा सभी के साथ दिवाली मनाना मेरे दिल को बहुत खुशी देता है। ऐसे पल हमें महावीर इंटरनेशनल परिवार के भीतर हमारे मजबूत बंधनों की याद दिलाते हैं।

खुशियों की दिवाली के तहत मानव सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर द्वारा प्रस्तुत खुशियों की दिवाली बांटे खुशियों का गिफ्ट बॉक्स के तहत गुरुवार को दो मानव सेवा कार्य संपादित किया गया।

प्रथम मानव सेवा कार्य लग्गेरी स्थित नेले फाउंडेशन में किया गया। यह सेवाश्रम लगभग 25 वर्षों से संचालित किया जा रहा है। इसमें कुल 120 अनाथ बच्चे प्रवासित हैं। जिनकी देखभाल एवं शिक्षा अच्छे से चल रही है। द्वितीय मानव सेवा राजाजीनगर स्थित आर्य सेवाश्रम ट्रस्ट में संपादित किया गया। यहां पर 57 अनाथ बच्चे प्रवासित है और यह संस्था लगभग 12 वर्षों से

गतिमान है। दोनों आश्रम से जानकारी लेते हुए परिषद परिवार ने दिवाली की शुभकामनाएं संप्रेषित करते हुए गिफ्ट बॉक्स एवं दैनिक जरूरत में आने वाली सामग्री प्रदान की। सभी बच्चे बच्चियों ने दिवाली की शुभकामनाएं संप्रेषित की और परिषद सदस्यों के प्रति उज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, जयंतीलाल गांधी, संजय मांडोत, हरीश पोरवाड़, रवि चौधरी, चेतन मांडोत, चेतन गांधी और किशोर मंडल से दर्शन पोरवाड़, अमित धारीवाल आदि लोग उपस्थित थे।

सम्यक दर्शन, ज्ञान, चारित्र का संगम ही मोक्ष मार्ग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित गुरुवर पूज्य मलयप्रभ सागर जी ने परमात्मा महावीर निर्वाण कल्याणक के अवसर पर उत्तराध्ययन सूत्र के छत्तीस अध्ययनों के वांचन विवेचना के दौरान कहा कि 23वें अध्याय में परमात्मा पार्श्वनाथ के गणधर केशी और परमात्मा महावीर के गणधर गौतम स्वामी जी के बीच संवाद का वर्णन है और इसी के अन्तर्गत दोनों परमात्मा के साधुओं के बीच के अन्तर का विवेचन भी है। आदिनाथ के साधु ऋजु जड होते हैं, बीच के 22 तीर्थंकरों के साधु

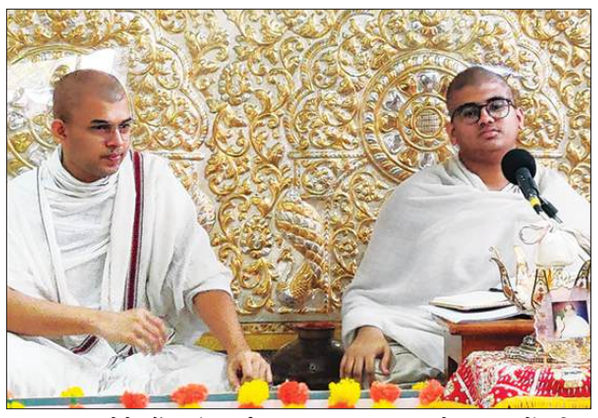

ऋजु प्राज्ञ होते हैं एवं तीर्थंकर महावीर के साधु वक्र जड़ होते हैं। मन की तृष्णा ही सबसे बड़ी लता है जो हमें जकड़ कर रखती है। गौतम स्वामी और केशी गणधर के बीच संवाद के पश्चात केशी गणधर महावीर के शासन में प्रविष्ट होते हैं और पंच महाव्रत स्वीकार करते हैं। 24वें अध्ययन प्रवचन माता के विवेचन में कहा कि साधुओं के विकास के लिए अष्ट प्रवचन माता यानि महावीर की वाणी होती है। ईर्या समिति, भाषा समिति, एषणा समिति, आदान भण्डमत्त समिति, परिष्ठापनिका समिति, मनो गुप्ति, वचन गुप्ति और काया गुप्ति ऐसी आठ प्रवचन माता का विवेचन किया गया है। 25वां यज्ञीय अध्ययन जिसमें वाराणसी नगरी के जयघोष और विजयघोष नामक ब्राह्मणों का विवेचन है। जो ब्रह्म की उपासना करें वही ब्राह्मण है। कहा गया है कि मच्छर को मारने के लिए मेंढक, मेंढक को मारने के लिए सांप, सांप को मारने के लिए मोर, मोर को मारने के लिए बाघ, बाघ का शिकार करने के लिए मनुष्य और मनुष्य के पीछे काल लगा रहता है, यही संसार का चक्र है। जब तक आत्मा का पुण्य प्रबल है तब तक यश, कीर्ति बढ़ती है जिस समय पुण्य क्षीण होगा तब यह सभी भी क्षीण हो जाएगा। इसके पश्चात दोनों ने संयम ग्रहण किया और आत्मा का उद्धार किया।

26वां समाचारी अध्ययन जिसमें साधुओं की मुख्य दिवस और रात्रि की दस समाचारी और पूरे दिन के आचरण का वर्णन है। 27वां खलुंकीय अध्ययन और 28वां मोक्षमार्ग गति अध्ययन है, जिसमें बताया है कि मोक्ष मार्ग का रास्ता, सम्यक दर्शन, ज्ञान और चारित्र तीनों का संगम होता है, वही मोक्ष मार्ग है। इसके साथ षड्द्रव्यों का विवेचन है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अलसूर जोगुपाल्या कन्नड़ अभिमानी मित्र संघ एवं प्रवासी राजस्थानी समाज ने मिलकर जोगीपाल्या में कर्नाटक राज्योत्सव प्रसंग पर ध्वजारोहण कर राज्य का स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर माता भुवनेश्वरी की आरती की गई और जयकारे किए गए। ध्वजारोहण प्रसंग पर अलसूर जैन संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया, दीपक सेठिया, महावीर छाजेड़, सोमसेखर, चंद्रू, राजेश, रघु, सूरी राजपुरोहित, देव सेठिया आदि लोग उपस्थित थे।

जैन संस्कार विधि से दीपावली पूजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेयुप विजयनगर द्वारा आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक डेंटल केयर में दीपावली पूजन किया गया। अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत, जैन संस्कार विधि राष्ट्रीय सहप्रभारी विकास बांठिया की उपस्थिति में जैन संस्कार विधि से दीपावली पूजन किया गया। संस्कारक राकेश दुधोडिया एवं संस्कारकों की टीम ने विधि विधान से जैन संस्कार विधि से दीपावाली पूजन को निष्पादित करवाया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने स्वागत करते हुए दीप-ावली, कन्नड़ राज्योत्सव की

शुभकामना प्रेषित की। अभातेयूप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने भगवान महावीर के 2550वें निर्वाणोत्सव एवं दीपावली की बधाई देते हुए विजयनगर एटीडीसी टीम को नवाचार हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर तेयुप विजयनगर के निवर्तमान अध्यक्ष एवं एटीडीसी के प्रभारी राकेश पोखरणा, तेयुप पूर्व अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने शुभकामनाएं प्रेषित की। तेयुप पूर्व अध्यक्ष अमित दक, विजयनगर की संस्कारक टीम, मंत्री संजय भटेवरा, प्रवीण गन्ना, जैन संस्कार विधि विजयनगर के संयोजक धीरज भादानी, सह संयोजक बसंत डागा, आशीष सिंघी का श्रम रहा। आभार ज्ञापन जैन संस्कार विधि संयोजक धीरज भदानी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ से हुआ।

जप अनुष्ठान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल का जप अनुष्ठान स्थानीय भवन में आयोजित किया गया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। अनुष्ठान का शुभारंभ महावीर अष्टकम द्वारा तत्पश्चात चारों दिशाओं में लोग्गस ध्यान करते हुए महावीर जप (महावीर स्वामी केवल ज्ञानी, गौतम स्वामी चवनाणी), मंगल भावना का जप, महावीर स्वामी की माला व अंत में जय महावीर भगवान गीतिका का संगान कर किया गया। आभार ज्ञापन मंत्री नम्रता पितलिया ने व्यक्त किया। महिलाओं ने बड़ी उत्साह और आनंद के साथ इस अनुष्ठान में अपनी सहभागिता दर्ज कराकर कर्म निर्जरा की।

जैन संस्कार विधि से दीपावली पूजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एंड डेंटल केयर श्रीरामपुरम में चरम तीर्थंकर श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2551वें निर्वाणोत्सव के पावन पर्व दीपावली के शुभ अवसर पर जैन संस्कार विधि से दीपावली पूजन किया गया। पंच परमेष्ठी नमस्कार महामंत्र का सामूहिक उच्चारण करते हुए जैन संस्कार विधि का शुभारंभ किया गया। जैन संस्कारक सतीश पोरवाड़, रणित कोठारी एवं राजेश देरासरिया ने विभिन्न मंगल मंत्रोचार का उच्चारण करते हुए तेयुप अध्यक्ष द्वारा कलम, कंप्यूटर एवं बही खातों में स्वस्तिक का वर्धापन करवाया। उपस्थित तेयुप परिवार द्वारा सामूहिक रूप से जप, भगवान महावीर स्तुति की गई। मंगलपाठ से विधि को सम्पन्न किया गया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया ने दीपावली की शुभकामनाएं संप्रेषित की। इस अवसर पर तेयुप राजाजीनगर संस्थापक अध्यक्ष एवं एटीडीसी प्रभारी सुनील बाफना, प्रबुद्ध विचारक चंद्रेश मांडोत, अरविंद गन्ना, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, मंत्री जयंतीलाल गांधी एवं एटीडीसी स्टाफ की उपस्थिति रही।

कर्नाटक राज्योत्सव पर पुरस्कार विजेताओं को किया गया सम्मानित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन द्वारा शुक्रवार को नेहरू मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में कर्नाटक राज्योत्सव धूमधाम से मनाया गया और राज्य ध्वज को नमन किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने 57 उपलब्धि हासिल करने वालों और 24 प्रतिष्ठित संगठनों को 2024 जिला स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में दक्षिण कन्नड़ सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन के मेयर मनोज कोडिकल, विधायक वेदव्यास कामथ, एमएलसी इवान डिसूजा और कर्नाटक साहित्य परिषद के दक्षिण कन्नड़ अध्यक्ष डॉ. एमपी श्रीनाथ प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित जैन अल्पसंख्यक आर्थिक विकास महामंडल के प्रथम नवनिर्वाचित अध्यक्ष ललित गांधी (राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त) के हुब्बल्ली आगमन पर जैन युवा संघठन के अध्यक्ष इन्दरकुमार जैन, ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय युवा मंत्री सुभाषचंद्रा डंक, मारवाड़ी युवा मंच हुब्बल्ली शाखा के पूर्व कोषाध्यक्ष अंकुश संकलेचा और अक्षत जैन ने उनको सम्मानित किया। इस दौरान जैन और डंक ने जैन समाज के अनेक मुद्दों पर गांधी से चर्चा की और समाधान जाना। डंक ने बताया कि ललित गांधी पिछले कई वर्षों से जैन समाज के हित में अनवरत कार्य करते आ रहे हैं। साथ ही जैन धर्म के तीर्थ स्थलों के विकाश के लिए भी कार्यरत है।

कर्नाटक को प्रगतिशील होने के लिए दंडित न करे केंद्र सरकार: सीएम

69वें राज्य स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को करों के हस्तांतरण में न्याय की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी को भी दुधारू गाय का पूरा दूध नहीं निकालना चाहिए, अन्यथा बछड़ा कुपोषित हो जाएगा। कांतीरवा स्टेडियम में 69वें राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि कर्नाटक के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य केंद्र को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक राजस्व दे रहा है और यह महाराष्ट्र के बाद केंद्रीय कर राजस्व में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा भले ही हम चार लाख करोड़ रुपये से अधिक देते हैं, लेकिन हमें केवल 55,000 करोड़ रुपये से 60,000 करोड़ रुपये ही मिल रहे हैं। कन्नड़ लोगों को यह पता होना चाहिए। हमें अपने योगदान का केवल 14 से 15 प्रतिशत ही मिल रहा है। उन्होंने कहा कि संघीय व्यवस्था के तहत, केवल इसलिए कोई अन्याय नहीं होना चाहिए क्योंकि कर्नाटक एक प्रगतिशील राज्य है। सिद्धरामैया ने कहा सिर्फ इसलिए कि एक दुधारू गाय दूध दे रही है, हमें उसका पूरा दूध नहीं निकालना चाहिए। हमें बछड़े के लिए भी थोड़ा दूध छोड़ना चाहिए, नहीं तो वह कुपोषित हो जाएगा। यह बात किसी को भी कभी नहीं भूलनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कन्नड़ भाषा पर गर्व करने और इसे यथासंभव दैनिक उपयोग में लाने पर जोर दिया। कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया ने केंद्र से कहा कि कर्नाटक को प्रगतिशील होने के लिए दंडित न किया जाए। सिद्धरामैया ने कहा कि कर्नाटक में 200 से अधिक भाषाएं बोलने वाले लोग हैं। यहां के लोग चाहे जो भी भाषा बोलते हों या फिर वे किसी भी जाति या धर्म से हों, वे सभी कन्नड़ हैं। जो लोग हवा, पानी और भोजन का सेवन करते हैं, वे कन्नड़ हैं। उन्होंने कहा कि कन्नड़ एक बहुत पुरानी भाषा है जिसका इतिहास 7,000 साल पुराना है। इसलिए केंद्र ने भी इसे शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दी है। सिद्धरामैया ने लोगों से अपील की कि उन्हें कन्नड़ भाषा का त्याग कभी नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा मैं उदार होने का विरोध नहीं करता। मैं वास्तव में उदार होने का समर्थन करता हूं, लेकिन अपनी भाषा का त्याग करके नहीं। उन्होंने कहा हमारी भाषा के प्रति हमारा लगाव बहुत अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन हमें अपनी भाषा के प्रति अपने गौरव को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। हम सभी को कन्नड़ प्रेमी होना चाहिए। सिद्धरामैया ने कहा कि कन्नड़ को आगे बढ़ाने के लिए यहां रहने वाले लोगों को कन्नड़ बनना होगा। उन्होंने लोगों से कहा मैं कभी नहीं कहूंगा कि कोई दूसरी भाषा न सीखें। अपनी भाषाई संपदा को बढ़ाते रहें, लेकिन कन्नड़ में बोलना कभी न भूलें। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि 1 नवंबर न केवल राज्य गठन दिवस है, बल्कि तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय डी. देवराज उर्स द्वारा मैसूरु राज्य को कर्नाटक नाम दिए जाने की वर्षगांठ भी है। सीएम ने कहा कि सोशल मीडिया पर कन्नड़ और कन्नडिगाओं का अपमान करने का चलन बढ़ रहा है। ये देशद्रोह है। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस तरह का तंज कसने वालों के खिलाफ राज्य सरकार तुरंत कार्रवाई करेगी। कन्नड़िगा उदार हैं। लेकिन हमें इतना भी उदार नहीं होना चाहिए कि अपनी भाषा की बलि चढ़ा दें। भाषा का अनादर न क। लेकिन आपको प्रशंसा की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर हमें भाषा को ऊंचे स्तर पर ले जाना है तो सबसे पहले हमें कन्नडिगा बनना होगा। उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक के नाम और सांस के 50 साल पूरे हो गए हैं। कावेरी और तुंगभद्रा हमारे तीर्थ हैं। आज हम कन्नड़ का सबसे बड़ा त्योहार मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य कन्नड़ को जीवन की भाषा बनाना है। मातृभूमि और भूमि को धन्यवाद देना सभी का कर्तव्य है। अनुरोध किया गया है कि बेंगलूरु शहर जिले के सभी स्कूलों, कॉलेजों और निजी शैक्षणिक संस्थानों को इस वर्ष से अनिवार्य रूप से कन्नड़ ध्वज फहराना चाहिए।

कन्नड़वासी विदेश जाकर राज्य का गौरव बढ़ा रहे

जल्द ही इस पर रिपोर्ट मिल जायेगी। देश के किसी भी राज्य का अपना अलग झंडा और राष्ट्रगान नहीं है। लेकिन हमारे बुजुर्गों ने हमारे लिए इन दोनों का योगदान दिया है। लोग जीवन का आनंद लेने के लिए विभिन्न राज्यों से यहां आ रहे हैं। कन्नड़वासी विदेश जाकर राज्य का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कन्नड़ का विकास बिजली की गति से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर 'हेसरायथु कर्नाटक, उसीरागली कन्नड़' (राज्य को कर्नाटक नाम मिला, अब कन्नड़ को सांस बनना चाहिए) थीम पर आधारित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं जुलूस में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कन्नड़ देवी पुस्तक का विमोचन किया। स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा, विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी, विधायक एनए हैरिस, रिजवान हर्षद, सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश और अन्य उपस्थित थे।

यतनाल ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

वक्फ संपत्तियों का राष्ट्रीयकरण करने की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर देश में वक्फ संपत्तियों का राष्ट्रीयकरण करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह मांग असमान और कठोर वक्फ कानून और इसके बड़े पैमाने पर दुरुपयोग के कारण की गई है। अपने पत्र में विधायक और वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा मैं कर्नाटक में हाल ही में हुई घटनाओं के बारे में बताने के लिए लिख रहा हूं, जिसमें वक्फ बोर्ड किसानों, मठों, मंदिरों और भूस्वामियों की जमीनों पर दावा कर रहा है। यह हमारे संविधान में निहित समानता के सिद्धांतों के खिलाफ है।

आरटीसी में नोटिस देने और नाम बदलने की यह प्रक्रिया तब तेज हुई, जब केंद्र सरकार ने कठोर वक्फ अधिनियम की समीक्षा के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया। विधायक यतनाल ने कहा अगर वक्फ का उद्देश्य कल्याण और समाज सेवा है, तो इसे बिना किसी पक्षपात और धार्मिक भेदभाव के किया जाना चाहिए, क्योंकि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। वक्फ की संपत्तियों का राष्ट्रीयकरण करने से भारत में भूमि का समान वितरण होगा और निहित स्वार्थों के लिए भूमि के संकेन्द्रण से बचा जा सकेगा। वर्तमान में रक्षा और रेलवे के बाद वक्फ भारत में तीसरा सबसे बड़ा भूमि मालिक है। विधायक यतनाल ने मांग की कि वर्तमान वक्फ अधिनियम जिसके तहत वक्फ बोर्ड काम करते हैं, ने निजी भूमि, खेतों, ऐतिहासिक संस्थानों और यहां तक कि स्वतंत्रता से पहले की संपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण सहित व्यापक मुद्दों को जन्म दिया है। चिंताओं के मद्देनजर, मैं आपके सम्मानित कार्यालय से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि निष्पक्ष प्रशासन सुनिश्चित करने और आगे के अन्याय को रोकने के लिए वक्फ संपत्तियों के राष्ट्रीयकरण पर विचार करें। विधायक यतनाल ने सुझाव दिया वक्फ संपत्तियों के राष्ट्रीयकरण से न केवल बड़ी साजिश रचने में मदद मिलेगी, बल्कि सही संपत्ति मालिकों के हितों की भी रक्षा होगी। यह किसी भी संस्था या बोर्ड को निजी और सार्वजनिक भूमि पर अनियंत्रित शक्ति का इस्तेमाल करने से रोकेगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि हमारे कानून समानता के मौलिक अधिकार को बनाए रखते हैं। इस कदम से संबंधित संपत्तियों का उपयोग समाज के लाभ के लिए किया जा सकेगा, जो राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा मैं आपसे इस मामले पर ध्यान देने का आग्रह करता हूं और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए वक्फ संपत्तियों को नियंत्रित करने वाली नीतियों की समीक्षा करने और उनमें सुधार करने में आपका नेतृत्व चाहता हूं। इन संपत्तियों का राष्ट्रीयकरण करना, या कम से कम उन्हें नियंत्रित करने वाले कानूनों का पुनर्गठन करना, हमारे समाज में न्याय, समानता और जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। संविधान में कहीं भी वक्फ का उल्लेख नहीं है। हालांकि, अगर अनुच्छेद 25 और 26 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए अधिनियम बनाया जाता है, तो इसे अनुच्छेद 14-15 के अनुरूप होना चाहिए। मैं आपसे वक्फ की संपत्तियों का राष्ट्रीयकरण करने का अनुरोध करता हूं ताकि इसका उपयोग अस्पताल, अनुसंधान केंद्र, स्कूल, कॉलेज, स्टेडियम बनाने जैसे उत्पादक उद्देश्यों के लिए किया जा सके।

कर्नाटक को कर वितरण में अन्याय का सामना करना पड़ा: मंत्री दिनेश गुंडू राव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला प्रभारी मंत्री और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने 69वें कर्नाटक राज्योत्सव समारोह के दौरान कर हस्तांतरण का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि केंद्र ने कर हस्तांतरण में कर्नाटक को कम धनराशि आवंटित करके अन्याय किया है। शुक्रवार को मेंगलूरु के नेहरू मैदान में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कर्नाटक राज्योत्सव समारोह में राज्योत्सव संबोधन देते हुए उन्होंने कहा कर वितरण में कर्नाटक लगातार अन्याय का सामना कर रहा है और राज्य सरकार पहले ही इस मुद्दे को उठा चुकी है। उन्होंने कहा आजादी के बाद से कर्नाटक ने लगातार जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में काम किया है और इसमें सफल भी रहा है। हालांकिकेंद्र सरकार ने उत्तरी राज्यों के लिए लोकसभा प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ा दी है, जहां हिंदी मुख्य रूप से बोली जाती है, ये राज्य शिक्षा में पिछड़े हैं और जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण को पर्याप्त रूप से लागू नहीं किया है। साथ ही, उन्होंने कम आबादी वाले दक्षिणी राज्यों के लिए प्रतिनिधियों की संख्या कम कर दी है। इससे कर्नाटक सहित दक्षिण भारत के लोगों का केंद्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कम हो गया है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में कलबुर्गी में कैबिनेट की बैठक भी हुई थी, जिसमें क्षेत्र के लिए प्रमुख मुद्दों, नई परियोजनाओं और विकास योजनाओं पर चर्चा की गई थी। राज्य ने पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं, किसानों, खेत मजदूरों और वंचितों के कल्याण पर जोर दिया है। हालांकि गारंटी योजनाएं राज्य के अधिकांश लोगों तक पहुंच गई हैं, लेकिन सरकार ने पाया है कि तकनीकी गड़बड़ियों के कारण कुछ पात्र लाभार्थियों को इसका लाभ मिलने में देरी हो रही है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ये योजनाएं आम लोगों तक समय पर पहुंचे और उनके दैनिक जीवन में सहायता करें, सरकार ने राज्य, जिला और तालुका स्तर पर गारंटी योजना कार्यान्वयन प्राधिकरण की स्थापना की है। ये प्राधिकरण योजनाओं के उचित कार्यान्वयन की देखरेख करेंगे। उन्होंने कहा कन्नड़ एक समृद्ध भाषा है। माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों और युवाओं में भाषा के प्रति प्रेम और चिंता विकसित हो। उन्होंने कहा कि कन्नड़ भाषा का विकास तभी संभव है जब बड़ी संख्या में लोग बातचीत करना और भाषा का उपयोग करना शुरू करें। मंत्री ने कहा कि राज्य के लोग सह-अस्तित्व और सहिष्णुता के लिए जाने जाते हैं, और उन्हें भूमि की विरासत, इतिहास और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। जाति और धर्म के मतभेदों को दूर करके, जिले के लोगों को भाईचारे की भावना से काम करना चाहिए, जिससे राज्य और जिले में सद्भाव बनाए रखने में मदद मिलेगी। जिले को विकास के पथ पर ले जाने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए।

जमीर को मंत्री पद से बर्खास्त करने की मांग

लोगों और किसानों के अधिकारों पर अंकुश लगाने का प्रयास निंदनीय: डॉ. अश्वथनारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथनारायण ने कहा कि किसानों और नागरिकों की जमीनें वक्फ को सौंपी जा रही हैं। नोटिस देकर लोगों और किसानों के अधिकारों को कम करने का प्रयास और इस संबंध में कांग्रेस सरकार का प्रयास निंदनीय है। यहां मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्ति का गजट प्रकाशन भी रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि जमीर को मंत्री पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए। जमीर ने अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है। इसके खिलाफ 4 नवंबर को प्रदेश में संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि सिर्फ नोटिस वापस लेना ही काफी नहीं है।

विजयपुर जिले में किसानों के नाम पर बने पट्टे को बदल कर वक्फ के नाम पर कर दिया गया है। जमीर के भाषण और हाव-भाव पर गौर करें तो यह हम सभी को एक साथ खत्म कर जमीन पर गिरा देने जैसा है। उन्होंने उन सभी की आलोचना की जो तथाकथित वक्फ संपत्ति को शैतान की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। यह कहते हुए कि इस सरकार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का निर्देश और समर्थन प्राप्त है, उन्होंने आपत्ति जताई कि जमीर बहुसंख्यकों और किसानों के खिलाफ वक्फ के नाम पर जमीनें हड़प रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा सरकार सीधे तौर पर गारंटी वापस लेने के बजाय गरीबों के बीपीएल कार्ड वापस ले रही है। उन्होंने आलोचना की कि यह सरकार लोगों को लाभ से वंचित कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने जहां शक्ति योजना वापस लेने की बात कही है, वहीं एआईसीसी अध्यक्ष ने इसके खिलाफ बोला है। उन्होंने आपत्ति जताई कि सरकार में इस तरह भ्रम की स्थिति है। इससे पहले उन्होंने कन्नड़ राज्योत्सव के अवसर पर पार्टी कार्यालय में ध्वजारोहण किया। अश्वथनारायण ने कहा कि यह हमारी संस्कृति, हमारी भाषा और हमारी पहचान को ताकत देने वाला दिन है।

राज्य के कई क्षेत्रों को अलग-अलग राज्यों में बाँट दिया गया। हमारा राज्य देश की एकता के रूप में एक विशाल कर्नाटक के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने विश्लेषण किया कि राज्योत्सव का सार्थक आयोजन एकीकरण के माध्यम से संभव है। गोकक आंदोलन, कन्नड़ आंदोलन आदि के माध्यम से देश की भूमि और जल की रक्षा के लिए काम किया गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस देश की संस्कृति, धर्म, संस्कार और भाषा को पहली प्राथमिकता दी है। इस अवसर पर मुख्य प्रवक्ता अश्वथनारायण, प्रदेश प्रवक्ता प्रकाश शेषाचार्य, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष हरीश, मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, नगर निगम के पूर्व सदस्य मंजूनाथ और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भाजपा नेता आर. अशोक का दावा

मंदिर को भी वक्फ संपत्ति के रूप में किया जा रहा चिह्नित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक में कृषि भूमि के साथ-साथ हिंदू मंदिरों को भी वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है। कर्नाटक के विपक्ष के नेता (एलओपी) आर अशोक ने कहा कि किसानों की जमीन और मंदिर की संपत्तियों पर अतिक्रमण करने के लिए वक्फ बोर्ड और राज्य सरकार के खिलाफ 4 नवंबर को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। अशोक ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा विजयपुरा के बाद कोलार में मंदिर की संपत्तियों को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया जा रहा है। इसी तरह, नागमंगला, चन्नपट्टना और बेलगावी जैसी जगहों पर किसानों की जमीन को जब्त करने के लिए

वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज किया गया है। उन्होंने दावा किया कि यह सिर्फ जमीन हड़पने वाले नहीं हैं, बल्कि सरकार खुद आधिकारिक तौर पर इन जमीनों पर कब्जा कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान संगठनों को इसका कड़ा विरोध करना चाहिए। उन्होंने दावा किया टीपू सुल्तान ने कोडागु में लोगों का जबरन धर्म परिवर्तन कराया था और अब इसी तरह की जमीन हड़पने की घटनाएं हो रही हैं। ऐसे लोगों को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का समर्थन प्राप्त है। सिद्धरामैया की इस टिप्पणी के जवाब में कि भाजपा किसी भी मुद्दे को तार्किक निष्कर्ष तक नहीं ले जाती, अशोक ने कहा हमने विरोध किया, और इसलिए मुख्यमंत्री के खिलाफ मामले दर्ज किए गए।

लोकायुक्त और ईडी जांच कर रहे हैं, यहां तक कि उनके समर्थकों की भी जांच की जा रही है। यह लड़ाई अपने तार्किक निष्कर्ष पर पहुंच गई है, और अब हम इसे कानूनी रूप से आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि किसान वक्फ बोर्ड के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और भाजपा ने उनका समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री में उन अधिकारियों को जेल भेजने का साहस नहीं है, जिन्होंने किसानों को ये नोटिस दिए हैं। उन्होंने कहा यह सरकार हंसी का पात्र है, जो तुगलक युग की तरह काम कर रही है। उनकी दो गारंटी योजनाएं फ्लॉप साबित हुईं। शिवकुमार का दावा है कि महिलाएं उन्हें फोन कर कह रही हैं कि उन्हें इस योजना की जरूरत नहीं है।

वह इस योजना को खत्म करने के बहाने के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राशन कार्ड रद्द करने के लिए कई शर्तें भी रख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे काम कर रही है, जैसे सत्ता में आने के बाद वह कुछ भी कर सकती है। उन्होंने कहा हमने भविष्यवाणी की थी कि लोकसभा चुनाव के बाद गारंटी खत्म हो जाएगी और अब सरकार ने अपना पहला कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग वित्तीय घाटे में है और सरकार पर करोड़ों का कर्ज है।

अक्टूबर में राज्य में सामान्य से 41 फीसदी ज्यादा बारिश हुई दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में लगातार हो रही बारिश के चलते अक्टूबर महीने में सामान्य से 41 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र की जानकारी के अनुसार, 1 से 31 अक्टूबर के बीच एक महीने की अवधि में सामान्य वर्षा 131 मिमी है।

इस दौरान 184.8 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 41 फीसदी ज्यादा है। दक्षिणी भीतरी इलाकों में 157.7 सामान्य वर्षा की तुलना में 220.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से 60 प्रतिशत अधिक है। हालांकि उत्तरी कर्नाटक में बारिश कम हुई है, लेकिन सामान्य से ज्यादा बारिश हुई। इसी प्रकार पहाड़ों में 159.3 7 मिमी सामान्य वर्षा की तुलना में 240.6 7 मि.मी. बारिश हुई है, जो सामान्य से 51 फीसदी ज्यादा है। तटीय किनारे पर 187.87 मिमी सामान्य वर्षा के मुकाबले 261.3 प्रतिशत बारिश दर्ज की गई जो सामान्य से काफी ज्यादा है। 1 जून से 30 सितंबर तक मानसून अवधि के दौरान भी राज्य में सामान्य से अधिक बारिश हुई। इससे सभी प्रमुख जलाशय भरने में सक्षम हो गए। इस अवधि में राज्य की सामान्य वर्षा 852 मिमी है। लेकिन 978 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 15 प्रतिशत अधिक थी। दक्षिणी भीतरी इलाकों में 11 प्रतिशत, उत्तरी भीतरी इलाकों में 12 प्रतिशत, पहाड़ी भाग में 13 प्रतिशत और तटीय भाग में सामान्य से 20 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। साथ ही 1 जून से अक्टूबर अंत के बीच सामान्य से 20 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। अक्टूबर के मध्य से मानसूनी बारिश भी तेज हो गई है और राज्य में हल्की से मध्यम बारिश जारी है। यह सर्दी की फसलों के लिए फायदेमंद है। हालाँकि, कटाई के लिए आई मानसूनी फसलों के लिए एक समस्या है।

कार में सवार लोगों पर हमला करने के आरोप में एक गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के कोट्टायमपाल्य में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनूप जॉर्जिना और उनके परिवार पर उस वक्त हमला किया गया, जब वे कार से कहीं जा रहे थे। हमले में अनूप के 5 वर्षीय बेटे के सिर में चोट आई है। यह घटना बुधवार रात 9.30 बजे कासवनहल्ली के पास चुदासंद्रा में हुई। अनूप और उनका परिवार दिवाली की खरीदारी से लौट रहा था, तभी परिवार की कार पर हमला हुआ।

कार में उनकी पत्नी जीस और बच्चे सेलेस्टे (11) और स्टीव (5) सवार थे। जब कार चुदासंद्रा पहुंची, तो बाइक सवार 2 लोगों ने कार रोकी और उनसे शीशा नीचे करने को कहा। लेकिन खतरे के कारण अनूप शीशा नीचे करने या बाहर जाने को तैयार नहीं हुए। जैसे ही कार आगे बढ़ने लगी, क्योंकि बाईं ओर जगह कम थी, हमलावरों में से एक ने अपने हाथ में लिया हुआ पत्थर पीछे की खिड़की पर फेंका। इससे स्टीव का सिर फट गया। इसके बाद अनूप और उनकी पत्नी कार से बाहर निकले।

लेकिन इस बार हमलावर बाइक लेकर भाग गए। बेटे को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। घायल बच्चे के सिर पर 3 टांके लगे हैं।

इसके बाद अनूप ने पुलिस को टैग किया और सोशल मीडिया के जरिए हिंसा का दृश्य साझा किया। परप्पना अग्रहारा पुलिस ने अनूप की शिकायत पर मामला दर्ज किया। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए परप्पना अग्रहारा के मूल निवासी मूर्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा कि वे अभी भी एक अन्य संदिग्ध की तलाश कर रहे हैं। गिरफ्तार व्यक्ति का बयान है कि कार ने बाइक को टक्कर मार दी और जब वह नहीं रुका तो उस पर हमला किया गया। अनूप ने बताया कि जब वह अस्पताल पहुंचा तो 2 लोग उसके पीछे आए और उससे समझौता करने को कहा, लेकिन कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया गया।

अन्नभाग्य योजना के तहत अब तक 8,433 करोड़ का वितरण: खाद्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री और बेंगलूरु ग्रामीण जिले के प्रभारी मंत्री केएच मुनियप्पा ने कहा कि अन्नभाग्य योजना के तहत जुलाई 2023 से अब तक 51.39 करोड़ लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से 8,433 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। उन्होंने देवनहल्ली टाउन स्टेडियम में बेंगलूरु ग्रामीण जिला प्रशासन द्वारा आयोजित 69वें कन्नड़ राज्योत्सव कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने कहा बेंगलूरु ग्रामीण जिले में 2,09,491 पात्र लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से 12,19,610 रुपये हस्तांतरित किए गए हैं। जैसा कि वर्तमान बजट में घोषणा की गई है, अन्न सुविधा योजना लागू की गई है और वरिष्ठ नागरिकों के घर तक

खाद्यान्न पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना राज्य में 7,743 लाभार्थियों और बेंगलूरु ग्रामीण जिले में 107 राशन कार्ड धारकों के लिए सफलतापूर्वक लागू की गई है। बेंगलूरु ग्रामीण जिले के सरकारी स्कूलों को सीएसआर फंड के तहत अपग्रेड करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेरे स्कूल ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए मेरा दान कार्यक्रम शुरू किया है और इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि एट्टिनाहोल परियोजना के तहत बेंगलूरु ग्रामीण जिले की 66 छोटी झीलों को भरने का इरादा है।

पुष्पावती योजना के तहत 1,081 करोड़ और एचएन वैली योजना के तहत 243 एमएलडी उपचारित पानी मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव के इस अवसर पर हमारे बुजुर्गों ने एक सुंदर नये कल के निर्माण का जो सपना देखा था, उसमें और अधिक सहयोग करना चाहिए। घर पहली पाठशाला है और बच्चों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे घर से ही मातृभाषा सीखें और भाषा का ज्ञान विकसित करें। उन्होंने बच्चों को अपने राष्ट्र और भाषा पर गर्व करना सीखने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कन्नड़ सीखने के लिए मजबूर करने के बजाय कन्नड़ भाषा और मातृभाषा का संरक्षण और पोषण करना हमारी जिम्मेदारी है। बेंगलूरु ग्रामीण जिला कलेक्टर डॉ. शिवशंकर.एन, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. अनुराधा.के.एन., जिला पुलिस एसपी सीके बाबा, जिला कन्नड़ साहित्य परिषद के अध्यक्ष कृष्णप्पा सहित जिला और तालुक स्तर के अधिकारी, पुलिसकर्मी, स्कूली छात्र और जनता उपस्थित थे।

अवैध रूप से आवंटित मुडा साइटों को लिया जाएगा वापस: महादेवप्पा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री एच सी महादेवप्पा ने कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में 50:50 अनुपात योजना के तहत साइटों के आवंटन में अनियमितताओं की जांच की जा रही है और अवैध रूप से आवंटित की गई साइटों को वापस लिया जाएगा। कन्नड़ राज्योत्सव समारोह के बाद शुक्रवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, महादेवप्पा ने कहा कि 50:50 योजना के तहत मुडा साइटों के अवैध आवंटन को वापस किया जाना चाहिए। वे 50:50 योजना के तहत मुडा साइटों के सभी अवैध आवंटन के आदेशों को रद्द करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को विधायक टी एस श्रीवत्स द्वारा लिखे गए पत्र पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उल्लेखनीय है कि सीएम ने आगे की कार्रवाई के लिए शहरी विकास सचिव को पत्र भेज दिया है। महादेवप्पा ने कहा यदि आवंटन अवैध हैं, तो कानूनी रूप से कार्रवाई की जाएगी। एक सवाल के जवाब में महादेवप्पा ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की पांच गारंटी योजनाओं को रोकने या उनकी समीक्षा करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि वे बिजली बिल का भुगतान करने या केएसआरटीसी बस टिकट खरीदने में सक्षम हैं। यह उनकी इच्छा और पसंद है। लेकिन, हमने सभी पात्र नागरिकों को गारंटी दी है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटका रक्षण वैदिके द्वारा कर्नाटका राज्योत्सव के उपलक्ष में डॉ. राजकुमार रोड राजाजीनगर में आयोजित कार्यक्रम में वैदिके के राज्य अध्यक्ष नारायण गौड़ा ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर ध्वजारोहण किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा हमें कर्नाटक की भाषा एवं संस्कृति का सम्मान करना चाहिए एवं उसके संवर्धन का प्रयास करना चाहिए। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

शक्ति योजना संशोधन टिप्पणी पर खड़गे की फटकार के बाद बदले सुर

कर्नाटक सरकार की गारंटी मॉडल पर है गर्व: उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को शक्ति योजना पर पुनर्विचार करने के उनके बयानों पर फटकार लगाने के एक दिन बाद, जिसमें राज्य में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी जाती है, उपमुख्यमंत्री ने अपना सुर बदल लिया है।

यहां शुक्रवार को पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कर्नाटक गारंटी मॉडल पूरे देश के लिए एक मॉडल है। भाजपा और अन्य दल भी इसे अपना रहे हैं और हमें गर्व है कि हम इसे लागू कर पाए और इसे पूरा कर पाए। कर्नाटक और देश के लोग हमारे मॉडल से बहुत खुश हैं।

इससे पहले गुरुवार को कांग्रेस के एक कार्यक्रम में खड़गे ने कहा था कि कर्नाटक की गारंटी के आधार पर, उन्होंने महाराष्ट्र में भी इसी तरह की गारंटी दी थी। उन्होंने उपमुख्यमंत्री को उनके बयानों के लिए फटकार लगाते हुए कहा था कि इससे विपक्ष को उनकी आलोचना करने का मौका मिल गया, जबकि सिद्धरामैया ने अपने नंबर दो के लिए बल्लेबाजी करने की कोशिश की।

शिवकुमार ने पहले कहा था कि इस योजना पर फिर से विचार किया जाएगा, क्योंकि कई महिला यात्री भुगतान करना चाहती हैं, लेकिन सीएम सिद्धरामैया ने इसके विपरीत स्पष्टीकरण जारी किया। शक्ति योजना कर्नाटक में सत्ता में आने के बाद कांग्रेस द्वारा शुरू की गई पहली गारंटी थी।

कर्नाटक सरकार ने पर्यटन नीति 2024-29 को दी मंजूरी: मंत्री हेब्बालकर

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक सरकार ने पर्यटन नीति 2024-29 को मंजूरी दे दी है, जिसमें आवश्यक बुनियादी ढांचे को विकसित करने और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 1,349 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यहां कर्नाटक राज्योत्सव समारोह में बोलते हुए, महिला और बाल कल्याण मंत्री, जो उडुपी जिले की प्रभारी भी हैं, ने बढ़ी हुई सेवाओं और सुविधाओं के माध्यम से कर्नाटक को वैश्विक पर्यटन केंद्र में बदलने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। कर्नाटक की निवेश अपील पर प्रकाश डालते हुए, हेब्बालकर ने कहा कि निवेश प्रवाह में बेंगलूरु देश का नेतृत्व करना जारी रखता है, यह उपलब्धि सरकार के रणनीतिक प्रयासों का श्रेय है। उन्होंने कहा कि युवा कौशल विकास कार्यक्रमों ने स्थानीय प्रतिभाओं को विभिन्न उद्योगों में प्रभावी रूप से योगदान करने के लिए तैयार किया है, जिससे आर्थिक विकास और निवेशकों का विश्वास और बढ़ा है। कन्नड़ भाषा को बढ़ावा देने के लिए सरकार के समर्पण की पुष्टि करते हुए, हेब्बालकर ने जनता से कन्नड़

साहित्य और संस्कृति के साथ और अधिक गहराई से जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा हम कन्नड़ को प्राथमिक प्रशासनिक भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमने कई कदम उठाए हैं। साहित्य, लोक कला और पर्यावरण तथा सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाले कार्यक्रम हमारे मिशन का केंद्र हैं। हेब्बालकर ने सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार के व्यापक दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा हमारी पांच गारंटी योजनाएं लोगों को सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में अधिक स्वायत्तता देने के लिए बनाई गई हैं। शैक्षिक पहलों को संबोधित करते हुए, उन्होंने ओधु कर्नाटक (कर्नाटक पढ़ें) कार्यक्रम के तहत 14.2 करोड़ रुपये के अनुदान की घोषणा की, जिसका उद्देश्य कक्षा 4 और 5 में सरकारी स्कूल के छात्रों के बीच साक्षरता में सुधार करना है। योजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अध्ययन सामग्री और शिक्षक प्रशिक्षण लागू किया गया है। उडुपी जिले में सिंचाई विकास की ओर मुड़ते हुए, हेब्बालकर ने इस वित्तीय वर्ष में पश्चिम वाहिनी परियोजना के तहत 1.88 करोड़ रुपये की लागत से वेंटेड बांध बनाने की योजना का खुलासा किया। उन्होंने बताया इन बांधों से 33 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई होगी। इसके अलावा, कृषि भूमि को बाढ़ से बचाने के लिए 6.15 करोड़ रुपये की लागत से 151 किलोमीटर नदी के किनारों पर तटबंध बनाए जाएंगे।

भारतीय संस्कृति गीता, गंगा, गौ-माता और गोविंद के बगैर नहीं चल सकती: यादव

आगर मालवा, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति गीता, गंगा, गौ-माता और गोविंद के बगैर नहीं चल सकती है। धरा पर गाय और गंगा ही हैं, जो ईश्वर को अत्यंत प्रिय हैं, इनके बिना भारतवर्ष के उत्कर्ष की कल्पना नहीं की जा सकती। डॉ. यादव शुक्रवार को कामधेनु गौ-अभ्यारण्य सालरिया जिला आगर-मालवा में एक वर्षीय वेदलक्षणा गौ-आराधना महोत्सव अन्तर्गत गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री द्वारा शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं में लाभान्वित हितग्राहियों को मंच से हितलाभ का वितरण भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ-वंश सम्पूर्ण मानव जाति के लिए पूज्यनीय है। यह पर्व भारतीय जनमानस को अपनी जड़ों से जोड़े रखता है और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना को प्रदर्शित करता है। यह हमारी संस्कृति और परंपरा के संवर्धन का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भारतीय संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन कर जन-कल्याण का कार्य कर रही है। डॉ यादव ने विधि-विधान, मंत्रोच्चार के साथ गोवर्धन पर्वत एवं गौ-माता का पूजन कर भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाया। मुख्यमंत्री ने आगर-मालवा जिले के लिये 49 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यो का लोकार्पण तथा भूमि-पूजन किया। उन्होंने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की सभी को बधाई भी दी। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलन कर एवं कन्या-पूजन कर किया। इस अवसर पर पशु-पालन मंत्री लखनसिंह पटेल, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम टेटवाल, सांसद सुसनेर रोडमल नागर, विधायक मधु गेहलोत, श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा के पूज्य परमहंस प्रज्ञानानंद जी महाराज,जिला पंचायत अध्यक्ष मुन्नाबाई चौहान मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ-मूत्र से कैंसर जैसी बीमारी का उपचार पूरे संसार ने देखा है, गौ-माता के दूध से संसार के 200 से अधिक देशों में पूर्ति होती है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार भी गौ-सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है, त्यौहारों को लेकर शासकीय स्तर पर लगातार आयोजन हो रहे हैं। अब हम गौ-माता की पूजा कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए गौ-शाला में गाय के आहार के लिए निर्धारित अनुदान को भी बढ़ाकर दोगुना कर दिया है। सभी गौ-शालाओं को संरक्षण देंगे। डॉ यादव ने कहा कि जो व्यक्ति 10 से अधिक गौ-माता का पालन करेगा, उसे भी सरकार अनुदान देकर घर-घर गौसेवा के संकल्प को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि जो गाय पाले वे सभी गोपाल, जिनके घर में गाय का कुल उनके घर गोकुल, हमें घर-घर गोकुल बनाना है, सरकार ने हर घर में गौ-वंश बढ़ाने का निर्णय लिया है। गौ-माता में हमारे 33 करोड़ देवी-देवता भी विराजमान है। शासकीय स्तर पर गौ-शालाएं खुलेगी, जिनमें बुढ़ी, निराश्रित, अशक्त गौ-वंशों को पालने की जवाबदारी सरकार की होगी और इस संकल्प को संत समाज के सहयोग से पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में दुग्ध उत्पादन की लगभग 9 प्रतिशत आपूर्ति मध्यप्रदेश द्वारा की जाती है। सरकार का निर्णय है कि अगले पांच साल के अंदर नेशनल डेयरी डेवलेपमेंट बोर्ड के माध्यम से गौवंश की नस्ल सुधार कर दूध उत्पादन को बढ़ाकर देश में अग्रणी बनाना है।

उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में ऐसी व्यवस्था करना चाहते है कि गायों को पालने वाले गौ-पालक बिना दूध देने वाली गौ-माता को गौ-शालाओं में छोड़ जाए। उन्होंने कहा कि आज वे गौ-अभयारण्य में चल रहे इतने वृहद स्तर पर पवित्र कार्य मे गौ-अभयारण्य में गौ-संवर्धन वर्ष को चरितार्थ किया है। शासन ने गुड़ी पडवा पर गौ-संवर्धन वर्ष मनाने की घोषणा की उसे सालरिया में चरितार्थ किया है। अभयारण्य में मालवी नस्ल की गायों को इतने अच्छे से पालने पर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि गौ-माता के लिए जल का प्रबंध जहाँ भी आवश्यक है, वहा करेंगे। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा के अवसर पर हम सभी मिलकर पर्यावरण-संरक्षण का संकल्प लें। वर्षा के लिए प्राकृतिक संतुलन का होना बेहद आवश्यक है, प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग करते हुए, अपने आसपास की हरियाली को बढ़ाने का प्रयास करें।

जनता से असंभव वादे करना उनके साथ भयानक धोखा: मोदी

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरोप पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि चुनाव जीतने के लिए जनता से असंभव वादे करना आम लोगों के साथ भयानक धोखा है। श्री मोदी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, कांग्रेस पार्टी इस बात को भली-भांति समझ रही है कि झूठे वादे करना तो आसान है लेकिन उन्हें सही ढंग से लागू करना कठिन या असंभव है।

अभियान दर अभियान वे लोगों से ऐसे वादे करते हैं, जिन्हें वे भी जानते हैं कि वे कभी पूरा नहीं कर पाएंगे। अब, वे लोगों के सामने बुरी तरह बेनकाब हो गये हैं।

उन्होंने कहा, किसी भी राज्य को देख लें जहाँ आज कांग्रेस की सरकारें हैं- हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना। इन राज्यों में विकास गतिविधियां और सरकारी कोष की हालत बद से बदतर होती जा रही है।

उनकी तथाकथित गारंटी अधूरी पड़ी है, जो इन राज्यों के लोगों के साथ एक भयानक धोखा है। ऐसी राजनीति के शिकार गरीब, युवा, किसान और महिलाएं होते हैं, जिन्हें न केवल इन वादों के लाभ से वंचित किया जाता है, बल्कि उनके लिए पहले से चलायी जा रहीं योजनाएं भी कमजोर पड़ जाती हैं।

मांडविया ने युवाओं से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार के लिए आवेदन करने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने युवा भारतीयों से भारत के विकास और सामाजिक प्रगति में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देते हुये प्रतिष्ठित राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (एनवाईए) 2022-23 के लिये आवेदन करने का आग्रह किया है।

पत्र सूचना कार्यालय की विज्ञप्ति में बताया गया है कि राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (2022-23) के लिये एक से 15 नवंबर, 2024 तक आवेदन दिये जा सकते हैं।

विज्ञप्ति में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने युवा भारतीयों से भारत के विकास और सामाजिक प्रगति में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देते हुये प्रतिष्ठित राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (एनवाईए) 2022-23 के लिए आवेदन करने का आग्रह किया है।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि सभी क्षेत्रों में, चाहे वह खेल हो, समाज सेवा हो, विज्ञान हो या अनुसंधान हो, भारत के युवाओं की अद्वितीय भावना को उजागर करते हुये डॉ. मांडविया ने कहा कि ये पुरस्कार केवल एक सम्मान ही नहीं, बल्कि एक प्रगतिशील और समावेशी भारत को बढ़ावा देने में युवा नेतृत्व का उत्सव हैं। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत युवा मामले विभाग, स्वास्थ्य, मानवाधिकारों को बढ़ावा देने, सक्रिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा आदि विकास और सामाजिक सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य और योगदान के लिये व्यक्तियों (15-29 वर्ष की आयु के बीच) और संगठनों को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (एनवाईए) प्रदान करता है।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि पुरस्कारों का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रीय विकास और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना, युवाओं को समुदाय के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने और इस प्रकार अच्छे नागरिक के रूप में अपनी व्यक्तिगत क्षमता में सुधार करने के लिये प्रोत्साहित करना और समाज सेवा सहित राष्ट्रीय विकास के लिये युवाओं के साथ काम करने वाले स्वैच्छिक संगठनों द्वारा किए गये उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देना है।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (2022-23) के लिये एक नवंबर से 15 नवंबर, 2024 तक गृह मंत्रालय के सामान्य पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। पुरस्कार पोर्टल का लिंक एचटीटीपीएस://अवार्डस.जीओ भी.इन/ है। व्यक्तिगत पुरस्कार में एक पदक, एक प्रमाण पत्र और 1,00,000 रुपये तथा संस्था को 3,00,000 रुपये की नकद राशि प्रदान की जायेगी।

डॉ मांडविया ने एक्स पर लिखा, नमस्कार मेरे युवा साथियों, राष्ट्र निर्माण में आपके अनमोल योगदान को सम्मानित करने के लिये राष्ट्रीय युवा पुरस्कार - 2022-23 के लिये आवेदन की तारीख एक नवंबर से 15 नवंबर जारी हो चुकी है। आप सभी से आग्रह है कि इस अवसर का लाभ उठाये और अपने योगदान को राष्ट्र के सामने प्रस्तुत करें।

झूठी गारंटियों के लिए देश से माफी मांगें खड़गे और राहुल: रविशंकर

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधा और चुनावी वादे वाले पाठ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पढ़ाने एवं देश से माफी मांगने की मांग की।

श्री प्रसाद ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, श्री खरगे को इस उम्र में जो ज्ञान आया है, हम उसका स्वागत करते हैं, लेकिन यह ज्ञान उनका थोड़ा पहले आ जाना चाहिए था। अच्छी बात ये है कि भले ही देर से आया, लेकिन आखिरकार ये ज्ञान उनको आया, तो जरूर कि झूठी गारंटियों के कारण कर्नाटक सहित सभी कांग्रेस शासित राज्य आर्थिक दिवालियेपन की कगार पर हैं। गौरतलब है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा महिलाओं की फ्री बस सेवा वाली गारंटी पर पुनर्विचार करने की बात पर कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने नेताओं को नसीहत देते हुए कहा है कि घोषणा पत्र में उसी गारंटी की घोषणा कीजिए, जिसके लिए बजट हो या जिसके लिए वित्त प्रबंधन हो। हमें वो वादे करने चाहिए, जो पूरे किए जा सके। नहीं तो आने वाली पीढ़ी के पास बदनामी के अलावा कुछ नहीं बचेगा।

उन्होंने श्री खरगे पर निशाना साधते हुए कहा, खरगे जी, आपने जो स्वीकारोक्ति की है, इसका पहला पाठ श्री राहुल गाँधी को पढ़ाइये कि उतना ही ही वादा करें जो बजट के अनुरूप हो, नहीं तो झूठी गारंटियां बांटना बंद करें। श्री प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पांच झूठी गारंटियों की घोषणा की थी। इसमें एक भी गारंटी सही से जमीन पर उतरी नहीं है। इसके बावजूद हालत ये हो गई है कि कांग्रेस महिलाओं की फ्री बस सेवा देने वाली गारंटी को वापस लेने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा,एक ओर कांग्रेस ऐसे वादे करती है जो पूरा करना तो दूर, चुनाव के बाद वादे से ही पलट जाती है और अपनी गारंटी वापस लेने लग जाती है, वहीं मोदी जी के नेतृत्व में जो भी गारंटी होती है, वह जमीन पर उतरती है और पूरी तरह से उतरती है। इसलिए जनता जानती है कि मोदी जी और भाजपा जो कहती है, करके दिखाती है। भाजपा ने किसान सम्मान निधि के तहत देश के 11 करोड़ किसानों को हर साल छह-छह हजार रुपए देने का वादा किया, तो उस वादे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जमीन पर उतारा और हर साल बिना किसी बिलंब के किसानों के खाते में पहुंचाया।

भाजपा नेता ने कहा कि जिस तरह से इंडिया गठबंधन के नेता महाराष्ट्र और झारखंड में घोषणाओं के अम्बार लगा रहे हैं, ऐसा प्रतीत होता है कि वे वहां भी जनता की आंखों में धूल झोंक रहे हैं। महाराष्ट्र एवं झारखंडकी जनता को भी यह समझना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष नेखुद अपनी पार्टी द्वारा घोषणाओं को पूरा नहीं करने की बात कही है।कांग्रेस पार्टी कोई घोषणा करे तो जनता को पूछना चाहिए कि इस घोषणा का आधार क्या है? ये घोषणाएं पूरी होंगी या नहीं?इस घोषणा को पूरा करोगे या नहीं करोगे? नहीं तो उन घोषणाओं का भी वही हाल होगा, जो हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में हो रहा है। उन्होंने कहा, हिमाचल प्रदेश, तेलंगना और कर्नाटक की जनता के आंखों में धूल झोंकने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी और पार्टी नेता राहुल गांधी को जनता से माफी मांगनी चाहिए। हरियाणा चुनाव में राहुल गाँधी द्वारा जलेबी की मैनुफ्क्चरिंग की बात कही गयी कि फैक्टरी में जलेबी बनेगी। हरियाणा की जनता कांग्रेस की झूठी गारंटियों को समझ गयीऔर कांग्रेस को नकार दिया।

श्री प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक के विजयपुरा में किसानों की जमीन के रिकार्ड में रातोंरात वक्फ बोर्ड का नाम दर्ज कर दिया गया।तीन सप्ताह में किसानों के भूमि अभिलेख में किसानों के नाम काटकर वक्फ बोर्ड का नाम चढ़ा दिया गया। मीडिया को डॉक्यूमेंट दिखाते हुए उन्होंने कहा कि जब किसानों को इस बात की जानकारी मिली तो किसानों ने इस मामले को उठाया और विरोध प्रदर्शन किया।

श्री प्रसाद ने सवाल किया कि क्या राज्य सरकार का गजट (अधिसूचना) ऐसे ही बनता है? गजेट की त्रुटि की जानकारी कांग्रेस सरकार ने नहीं दी, बल्कि सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई। उस कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की चोरी पकड़ी गयी। यह सिर्फ विजयपुरा में नहीं हुआ है, बल्कि कर्नाटक के कई और इलाकों से भी ऐसी ही ख़बरें हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह में कर्नाटक में 433 किसानों को नोटिस दिया गया कि जमीन के बारे में एक सप्ताह में जवाब दो।

जब यह विवाद बढ़ने लगा तब कर्नाटक सरकार ने अपने गजट की त्रुटि के बारे में बताया और नोटिस को रद्द किया।

भाजपा ने कहा कि कर्नाटक में हावेरी के एक गांव के हिंदुओं को डर सता रहा है कि उनके एक हिन्दू मंदिर को वक्फ की संपत्ति बना दिया जाएगा।देशमें वक्फ बोर्ड को लेकर जब नया कानून आ रहा है, तो उसके पहले जहां भी संभव है, वहां वक्फ बोर्ड जमीन पर कब्जा करने में लग गया है। भारतीय जनता पार्टी जमीन पर कब्जा करने की प्रवृत्ति की कड़ी भर्त्सना करती है।गरीब किसानों की संपत्ति को अगर वक्फ के नाम जबरन चढ़ाने की कोशिश की जाएगी तो भारतीय जनता पार्टी खुलकर उसका विरोध करेगी।कांग्रेस पार्टी अगर हिंदुओं के मंदिर और उसकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बनाने का षडयंत्र रचेगी तो भारतीय जनता पार्टी उसका खुलकर विरोध करेगी। कांग्रेस पार्टी वोटबैंक के नाम पर कुछ भी कर सकती है।

धामी ने नेपाल सीमा से सटे बनबसा में सैनिकों के संग मनाई दीपावली

चंपावत/नैनीताल, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नेपाल सीमा से सटे बनबसा में वीर सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों से मुलाकात की और दीपोत्सव मनाया। उन्होंने शहीद वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि भी दी।

दीपावली मिलन समारोह में प्रतिभाग करते हुए श्री धामी ने कहा कि सरहदों पर सेना के सुरक्षा कवच के चलते ही देश में दीपावली के दिये रोशन होते हैं। सैनिक घर से दूर रहकर देश की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। ऐसे में उनके बीच आकर दीपावली का त्योहार मनाना सौभाग्य की बात है। इस दौरान उन्होंने एसएसबी के

जवानों, सीआईएसएफ के जवानों, पूर्व सैनिकों से भी भेंट की। मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि दीपावली के शुभ अवसर पर आप सबके बीच में आकर मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। कहा जाता है कि पर्व वहीं होता है, जहाँ परिवार होता है। सब मिलकर उत्सव मनाते हैं। पर्व के दिन अपने परिवार से दूर रहना अपने आप में कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा है। यदि पूरे देश के लोग दीपावली मना रहे हैं वह निश्चित तौर पर सुरक्षित हैं, तो हमारे जवानों की बदौलत हैं, जो 24 घंटे देश की सीमा पर तैनात हैं। इस महत्वपूर्ण पर्व पर अपने परिवार से दूर रहने के बावजूद आपके उत्साह में कोई कमी नहीं है। मुझे जवानों की बीच रहकर अपार खुशी हो रही है। आप सभी का उत्साह देखकर मेरे अंदर भी नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के बलिदानी सैनिकों के परिजनों को मिलने वाली 10 लाख रुपए की धनराशि को बढ़ाकर 50 लाख रुपए करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बार की दीपावली बहुत विशेष है, क्योंकि 500 वर्षों के बाद भगवान राम अपने घर बिराजे हैं। श्री धामी ने कहा कि पहले के समय में हम बड़ी संख्या में विदेश से हथियार खरीदते थे, लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर बन रहा है और आज 200 से भी अधिक सैन्य उपकरण हमारे ही देश में बनकर तैयार हो रहे हैं। जिसका इस्तेमाल भारत की सेना द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर जिलाधिकारी नवनीत पाण्डे, एसएसबी के डीआईजी एके शर्मा, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति एसएसबी, सीआईएसएफ के अधिकारी और जवान, पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

भारतीय सैन्य टुकड़ी वज्र प्रहार में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका रवाना

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय सेना की टुकड़ी अमेरिकी सेना के साथ संयुक्त विशेष बल अभ्यास वज्र प्रहार के 15वें संस्करण में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को अमेरिका रवाना हुई।

यह अभ्यास 2 से 22 नवंबर तक अमेरिका के इडाहो में ऑर्चर्ड कॉम्बैट ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित किया जा रहा है। इसी अभ्यास का पिछला संस्करण पिछले वर्ष दिसंबर में मेघालय के उमरोई में हुआ था। यह भारत और अमेरिकी सेना के बीच इस साल दूसरा अभ्यास होगा, इससे पहले सितंबर में राजस्थान में युद्ध अभ्यास 2024 हुआ था। संयुक्त अभ्यास में भाग लेने वाले दोनों देशों की टुकड़ियों में 45-45 कर्मी शामिल होंगे। भारतीय सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व विशेष बल इकाइयों द्वारा किया जाएगा और अमेरिकी सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व अमेरिका के ग्रीन बेरेट्स द्वारा किया जाएगा। अभ्यास वज्र प्रहार का उद्देश्य अंतर-संचालन, संयुक्तता और विशेष संचालन रणनीति के आपसी आदान-प्रदान को बढ़ाकर भारत और अमेरिका के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना है। यह अभ्यास रेगिस्तानी, अर्ध-रेगिस्तानी स्थिति में संयुक्त विशेष बल अभियानों को अंजाम देने में संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाएगा। यह उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना और संयुक्त सामरिक अभ्यास पर केंद्रित होगा।

अभ्यास के दौरान संयुक्त टीम मिशन, टोही मिशन की योजना बनाना, मानव रहित हवाई प्रणालियों का उपयोग, विशेष अभियानों का निष्पादन, संयुक्त टर्मिनल अटैक कंट्रोलर की कार्रवाइयां और विशेष अभियानों में मनोवैज्ञानिक युद्ध शामिल होंगे।

दिवाली पर मुस्लिम महिलाओं ने उतारी भगवान राम की आरती

वाराणसी, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

दीपावली पर्व पर लमही स्थित सुभाष भवन में मुस्लिम महिलाओं ने भगवान राम की आरती उतारी। अपने हाथों से रंगोली भी बनाई। मुस्लिम महिला फाउंडेशन एवं विशाल भारत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जुटी मुस्लिम महिलाओं ने दीपावली के नाम पर नफरत फैलाने वालों को बड़ा संदेश भी दिया।

मुस्लिम महिलाओं ने भगवान श्रीराम की प्रतिमा को पुष्पों से सजाया और उर्दू में लिखी राम आरती का गायन करते हुए भगवान की आरती उतारी। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पातालपुरी मठ के महंत बालक दास ने कहा कि भगवान राम ने सबको हृदय से लगाया और सबको स्वीकार किया। इसलिए प्रत्येक देश को अपने यहां राम के महान आदर्शों को अपना कर शांति स्थापित करें और नैतिक बल पर मानवता की रक्षा करें। मुस्लिम महिलाओं का यह प्रयास दिलों को जोड़ने वाला है।

मुस्लिम महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नाज़नीन अंसारी ने कहा कि शांति स्थापना के लिये अनिवार्य शर्त भगवान श्रीराम के आदर्श और रामराज्य हैं। रामराज्य की परिकल्पना लोगों को भेदभाव

से मुक्त कर सकती है और सबको गले से लगाकर स्वीकार कर सकती है। इजराइल और फिलिस्तीन दोनों को भगवान श्रीराम के रास्ते पर चलना चाहिए। यदि भारत का मुसलमान सबके बीच में प्रिय होना चाहता है तो अपने घरों में राम के चरित्र की शिक्षा दे। मजहब केवल अलग है लेकिन भारत का हर मुसलमान पूर्वजों, परम्पराओं और संस्कृति से एक ही है। भगवान राम ही पूरी दुनिया के पूर्वज हैं। उनके रास्ते पर चलकर ही दिलों में प्रेम और भावना विकसित होगी।

विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव ने कहा कि हिंदू और मुसलमानों के दिलों के बीच प्रेम और सद्भावना का रामसेतु बनाना होगा। प्रभु श्रीराम को लेकर दुनिया के लोग विचार कर रहे हैं।

अपने परिवार और देश को बचाने के लिए राम नाम का ही सहारा है। प्रेम, शांति और रिश्तों को मजबूत करने के लिये बचपन से राम के चरित्र की शिक्षा दे ताकि बच्चे भी अपने माता-पिता और बुजुर्गों की सेवा को अपना कर्तव्य समझें। राम के सिवा दुनिया के पास अब कोई रास्ता नहीं बचा है। हिंदू मुस्लिम संवाद केंद्र की चेयरपर्सन डॉ नजमा परवीन ने कहा कि नफरत को खत्म करने वाली संस्कृति सिर्फ भारत की संस्कृति है क्योंकि यहां की आत्मा में राम बसते हैं। जो देश या व्यक्ति राम से दूर होगा उसकी दुर्गति निश्चित है। कार्यक्रम में डॉ. अर्चना भारतवंशी, डॉ. मृदुला जायसवाल, आभा भारतवंशी, खुर्शीदा बानो, रौशन जहां, नूरजहां, हफिजुन्निशा, अजीजुन्निशा, सायना, नरगिस, रुकैया बीबी, जुलेखा बीबी आदि ने भागीदारी की।

मुस्लिम महिलाओं ने कहा, दीपावली का पर्व किसी एक धर्म तक सीमित नहीं है और अंधेरे पर रौशनी की जीत तो हर कोई मनाता है। मुस्लिम महिलाओं ने वाराणसी में इसका अनूठा उदाहरण पेश किया। मुस्लिम महिलाओं ने पूरी श्रद्धा के साथ प्रभु श्रीराम की आरती उतारी, उनके नाम के दीप प्रज्वलित किए। वाराणसी के लमही में मुस्लिम महिला फाउंडेशन पिछले कई साल से इसी तरह दिवाली का त्यौहार मनाता आ रहा है।

इस कार्यक्रम की जो तस्वीरें सामने आई हैं, जो वीडियो हुए हैं, उनमें मुस्लिम महिलाओं ने अपने हाथों पर खूबसूरत रंगोली भी लगा रखी हैं, उनकी तरफ से उर्दू में ही भगवान की राम की आरती की जा रही है। उन महिलाओं ने पूरी दुनिया को शांति का संदेश दिया है, राम के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया है। इस समय क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है, इजरायल और हमास में भी जंग छिड़ी है, ऐसे में इन मुस्लिम महिलाओं ने उन सभी देशों से भगवान राम के संदेश को समझने की अपील की है। उनका मानना है कि अगर राम का रास्ता समझ लिया गया तो युद्ध रुक जाएगा। मुस्लिम महिलाओं का यहां तक मानना है कि रामराज्य की जो परिकल्पना की गई है, वो सभी लोगों को भेदभाव से मुक्त करती है, सभी को गले लगाने की बात करती है। ऐसे में इजरायल और फिलिस्तीन जैसे देशों को भी उन्हीं के रास्ते पर चल देना चाहिए। वैसे इस समय इन मुस्लिम महिलाओं की राम आरती भी चर्चा का विषय बन गई है। उनकी उस आरती ने साबित कर दिया है कि भगवान राम कोई एक धर्म तक सीमित नहीं हैं।

छोटे मदरसों में अवैध फंडिंग की एटीएस ने शुरू की जांच

उत्तर प्रदेश के 473 मकतब कानून के घेरे में

लखनऊ, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर और कैराना में मकतबों (छोटे मदरसे) में हो रही अवैध फंडिंग की जांच शुरू कर दी है। एटीएस मकतबों की कुल सम्पत्ति और उनकी फंडिंग समेत कुल आठ बिंदुओं पर पूछताछ कर रही है।

प्रदेश के 473 मकतबों की जांच की जा रही है। इनमें से अधिकांश मकतब बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं।

कुछ दिन पहले ही मुख्यालय ने सहारनपुर मंडल के 473 मकतबों की जांच के आदेश दिए थे। इसके साथ ही अब शामली और मुजफ्फरनगर के मकतब भी जांच के दायरे में हैं। इसकी जिम्मेदारी एटीएस देवबंद को दी गई है। जो मकतब जांच के घेरे में हैं उनमें शामली के 190, मुजफ्फरनगर के 165 और सहारनपुर के 118 मकतब शामिल हैं। जांच के लिए जिला अल्पसंख्यक अधिकारियों से रिकॉर्ड मांगे गए हैं।

एटीएस देवबंद की टीम ने सहारनपुर शहर के कई मकतबों पर जाकर जांच की। एटीएस की

एक टीम शामली के कैराना भी गई और वहां के मकतबों में जांत पड़ताल की। पानीपत मार्ग पर स्थित मदरसा फलाहुल मुबीन और मदरसा फैज मसीहुल उम्मत में जाकर उसके संचालकों से एटीएस ने जानकारी हासिल की। टीम ने मदरसा संचालकों से इन मदरसों में पंजीकृत छात्र एवं छात्राओं की संख्या, इंफ्रास्ट्रक्चर, उनकी आय के स्रोत आदि के बारे में जानकारी हासिल की और जरूरी रिकॉर्ड खंगाले। इसके अलावा, एटीएस की टीम ने कस्बे के अलग-अलग मोहल्लों में स्थित करीब आधा दर्जन मकतब (छोटे मदरसों) की लगभग 6 घंटे तक गहन जांच-पड़ताल की।

शुरुआती जांच में कई मकतबों में खामियां पाई गई हैं, साथ ही उनके वित्तीय लेन-देन में भी संदेहजनक गतिविधियां देखी गई हैं। इस संबंध में राज्य सरकार को रिपोर्ट भेज दी गई है। इससे पहले, उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य में मदरसों का व्यापक सर्वेक्षण कराया था, जिसके तहत कई गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों को बंद कर दिया गया था। सहारनपुर मंडल के अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश में आने वाले गोंडा जिले में भी कई मकतब चलते पाए गए हैं। यहां के अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने अपने जिले में चल रहे 20 मकतबों को बंद करने की सिफारिश शासन को भेजी है। यहां कुल 286 मकतब चलते पाए गए हैं जिसमें 19 गैर-मान्यता प्राप्त हैं। प्रदेश के हर जिले में अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों से मकतबों की जांच में सहयोग करने के लिए कहा गया है।

18 सितंबर 2022 को शासन के निर्देश पर शामली में स्थानीय प्रशासन ने गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों का भौतिक सत्यापन कराया था। टीम में अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी और एसडीएम कैराना शामिल थे। इस दौरान मदरसों में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या, इंफ्रास्ट्रक्चर, आय के साधनों समेत कुल 11 बिंदुओं पर सर्वे किया गया था, जिसकी रिपोर्ट लखनऊ भेजी गई थी।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रिंका को सरकार देगी आर्थिक मदद

सीएम योगी से मिली किक बॉक्सर रिंका सिंह चौधरी

गोरखपुर, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

गत दो माह में विश्व कप और एशियन किक बॉक्सिंग में सिल्वर मेडल जीतने वाली गोरखपुर की रिंका सिंह चौधरी को आगामी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए योगी सरकार आर्थिक मदद देगी। गोरखनाथ मंदिर में रिंका से मुलाकात करने के बाद इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय किक बॉक्सर को भरोसा दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए सरकार धन की कमी आड़े नहीं आने देगी।

गोरखपुर के खोराबार क्षेत्र स्थित गौरी मंगलपुर निवासी रिंका सिंह चौधरी ने 24 से 29 सितंबर तक उज्बेकिस्तान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय किक बॉक्सिंग विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। साथ ही उन्होंने कम्बोडिया में 6 से 13 अक्टूबर में आयोजित एशियन किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भी सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने जीते इन दोनों मेडल के साथ रिंका सिंह चौधरी ने शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने रिंका के मेडल देखकर खूब उत्साह बढ़ाया और शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

मुलाकात के दौरान इस अंतरराष्ट्रीय किक बॉक्सर ने आगामी इंटरनेशल टूर्नामेंट्स के लिए आर्थिक दिक्कत का जिक्र कर सहायता का अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन पैसे की कमी से बाधित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि रिंका की पूरी मदद की जाए। सीएम योगी ने रिंका को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए यह मंगलकामना की कि आगामी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में वह गोल्ड मेडल जीतें।

शहीदों की स्मृति में रौशनी से नहाया भीम सरोवर

एक दीया शहीदों के नाम पर प्रज्ज्वलित हुए 11000 दीप

गोरखपुर, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

दीपावली के अगले दिन शुक्रवार को शहीदों की याद में गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित भीम सरोवर रोशनी से नहा उठा। यूं लगा मानो दीपकों की लौ देश के लिए प्राणों को न्योछावर कर देने वाले बलिदानियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रही हो। मंदिर के भीम सरोवर क्षेत्र में पहला दीपक मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने प्रज्ज्वलित किया और इसके बाद मुक्ताकाशी मंच पर अमर बलिदानियों के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

अवसर था शुक्रवार देर शाम गोरखनाथ मंदिर परिसर में एक दीया शहीदों के नाम कार्यक्रम का।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भीम सरोवर के समीप दीप जलाकर और मुक्ताकाशी मंच पर शहीदों के चित्र पर पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किए जाने के साथ ही परिसर 11000 दीपों की आभा से जगमग हो उठा। भोजपुरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (भाई) की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रज्ज्वलित दीयों की जगमग अद्भुत लग रही थी।

दीपों के प्रज्ज्वलित होने के बाद मंदिर परिसर के मुक्ताकाशी मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष देशभक्ति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर केंद्रित गीतों, नृत्य की प्रस्तुतियों ने जोश का संचार कर दिया। डॉ. राकेश श्रीवास्तव के संयोजन में शहीदों की याद में कार्यक्रम का शुभारम्भ संदीप पांडेय की टीम ने गणेश वंदना से की।

तत्पश्चात् श्रुति कसौधन ने प्रसिद्ध गीत ऐ मेरे वतन के लोगों की प्रस्तुति से पूरे माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। सात्विका ने बहुत ही भावपूर्ण देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। सारिका राय के निर्देशन में बच्चों द्वारा उत्कृष्ट देशभक्ति समूह नृत्य की प्रस्तुति की गई। वीर सेन सूफी द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत पर सभी लोग झूम उठे।

विकास मिश्रा की भजन प्रस्तुति भी सराहनीय रही। संचालन शिवेंद्र पांडेय ने किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'भाई' के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश श्रीवास्तव, संरक्षक ध्रुव श्रीवास्तव, सुरेश श्रीवास्तव, राकेश मोहन एवं पूनम सिंह द्वारा भगवान राम की प्रतिमा भेंट की गई।

बुंदेलखंड को एग्रो उत्पाद का केंद्र बनाने की तैयारी

बरुआसागर के अदरक को मिलेगा जीआई टैग

झांसी, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

बुंदेलखंड में कृषि और बागवानी को प्रोत्साहित कर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार यहां के किसानों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की कवायद कर रही है। योगी सरकार और नाबार्ड के संयुक्त प्रयासों से झांसी के एफपीओ को कठिया गेहूं का जीआई टैग हासिल हुआ है। अब झांसी जिले के ही एक एफपीओ के माध्यम से अदरक को जीआई टैग दिलाने के लिए आवेदन दाखिल किया गया है। उम्मीद है कि आने वाले कुछ समय में जीआई टैग मिल जाने के बाद यहां के अदरक उत्पादकों को बेहतर बाजार और मूल्य मिलने के साथ ही अदरक के उत्पादन में भी बढोतरी होगी।

जीआई टैग यानी जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग किसी क्षेत्र विशेष के खास उत्पादन या उपज को मान्यता प्रदान करता है। झांसी के एफपीओ के माध्यम से नाबार्ड और उद्यान विभाग ने प्रस्ताव तैयार कराकर आवेदन दाखिल कराया है। जीआई टैग का प्रस्ताव विशेषज्ञ की मदद से तैयार किया गया है। आवेदन का परीक्षण होने के बाद इसे जीआई टैग मिल जाएगा और कठिया गेहूं की तरह अदरख की पहचान भी बुंदेलखंड क्षेत्र की एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी। उत्पादन की गुणवत्ता के मानकीकरण के कारण यहां के उत्पाद को बेहतर मूल्य हासिल होगा और इसकी डिमांड बढ़ जाएगी। बरुआसागर और आसपास के क्षेत्रों में काफी संख्या में किसान अदरख की खेती करते रहे हैं। इनकी संख्या बढ़ाने पर भी सरकार का जोर है।

नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक भूपेश पाल ने बताया कि झांसी के एक एफपीओ के माध्यम से अदरक के जीआई टैग के लिए आवेदन किया गया है। नाबार्ड और उद्यान विभाग मिलकर इस काम में मदद प्रदान कर रहा है। जीआई का प्रस्ताव तैयार करने के लिए विशेषज्ञ की मदद ली गई है। अदरक को जीआई टैगिंग दिलाने के लिए आवेदन दाखिल कर दिया गया है।

कट्टरपंथियों ने शिवलिंग और नंदी की प्रतिमा तोड़ी, इलाके में तनाव

लखनऊ, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

राजधानी लखनऊ से सटे मलिहाबाद के ढेकवा गांव में कट्टरपंथियों ने शिवलिंग और नंदी की प्रतिमा खंडित कर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

कट्टरपंथियों सौ साल पुराने मंदिर में स्थापित शिवलिंग और नंदी की मूर्ति को खंडित करके नहर में फेंक दिया। जब ग्रामीण पूजा के लिए पहुंचे तो घटना का पता चला। सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों के

बारे में पता लगा रही है। कसमंडी चौकी के अंतर्गत ग्राम ढकवा गांव में देश की आजादी के काफी पहले से बने शिव मंदिर में कट्टरपंथियों द्वारा की गई इस करतूत से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। पुलिस ने ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन दिया। छानबीन के दौरान मंदिर से कुछ दूरी पर स्थित नहर में दोनों खंडित शिवलिंग व मूर्ति पड़ी मिली। पुलिस मंदिर के निकट बने पंजाब सिंध बैंक के सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों के बारे में पता लगा रही है। कसमंडी चौकी इंचार्ज संजीव कुमार ने बताया कि त्यौहार में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई है। मूर्तियां बरामद कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है। मुकदमा दर्ज किया गया है।

संपादकीय

ब्रिक्स की सामूहिक ताकत

ब्रिक्स का 16वां शिखर सम्मेलन कई मायनों में सफल रहा। समूह के नेतृत्व और उनके मकसद भी सार्थक रहे। अब ब्रिक्स 10 सदस्य देशों का समूह हो गया है, क्योंकि ईरान, मिस्र, इथियोपिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को नई सदस्यता दी गई है। करीब 30-35 अन्य देश भी ब्रिक्स से जुड़ना चाहते हैं, जिनमें पाकिस्तान भी उतावला है, लेकिन भारत ने उसकी संभावनाओं को खारिज करवा दिया है। यदि जी-7 पश्चिमी देशों का समूह है, तो ब्रिक्स 'ग्लोबल साउथ' का प्रतिनिधित्व करता है। पश्चिम और यूरोप की वर्चस्ववादी सत्ता के समानांतर अब ब्रिक्स की ताकतवर उपस्थिति भी है, लेकिन वह 'पश्चिम-विरोधी' नहीं है। ब्रिक्स नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स 'गैर-पश्चिम' समूह है, जिसमें करीब 450 अरब डॉलर की कुल अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। दुनिया की करीब 45 फीसदी आबादी ब्रिक्स के दायरे में है, लिहाजा अब इसकी सामूहिक ताकत को समझा जा सकता है। जी-7 और ब्रिक्स के कुछ सदस्य जी-20 में भी शामिल हैं, लिहाजा ये समूह परस्पर सहयोगी हो सकते हैं, दुश्मन नहीं हो सकते। रूस में सम्पन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का बुनियादी थीम था-वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए 'बहुपक्षीयवाद' को मजबूत करना। प्रधानमंत्री मोदी ने भी यह मुद्दा बार-बार उठाया और ब्रिक्स के विस्तार का भी आग्रह किया। रूस के ही एक गणराज्य की राजधानी कजान में ब्रिक्स का सम्मेलन कामयाब रहा, यह अपने आप में महत्वपूर्ण निष्कर्ष है। रूस यूक्रेन के साथ युद्ध में संलिप्त है, फिर भी वहां कोई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करना वाकई आश्चर्यजनक है। बहरहाल कजान सम्मेलन के बाद जो साझा घोषणापत्र जारी किया गया, उसमें कुछ मुद्दे पश्चिमी देशों की 'दादागीरी' के खिलाफ हैं और उनके चरित्र को भी चुनौती देते हैं। मसलन, अमरीका ने अकेले रूस पर करीब 20,000 प्रतिबंध थोप रखे हैं। ईरान पर भी पाबंदियां हैं। ब्रिक्स ने ऐसी आर्थिक, व्यापारिक और जबरन पाबंदियों को नकारा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर, कुछ बड़े देशों के, दोहरे रवैये की भर्त्सना की है। उन्होंने किसी का भी नाम नहीं लिया, लेकिन दुनिया उन्हें जानती है। ब्रिक्स घोषणापत्र में आतंकवाद को भी शामिल किया गया है और साझी लड़ाई का आह्वान भी किया गया है, लेकिन आतंकवाद पर ही ब्रिक्स के कुछ देशों में, द्विपक्षीय स्तर पर, विरोधाभास भी हैं। सामूहिक स्तर पर उन्हें बेमानी माना गया है। संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार को भी मुख्य मुद्दा मान कर कजान घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है। ब्रिक्स शुरुआत में आर्थिक और कारोबारी समन्वय के मुद्दों तक ही विमर्श करता था, लेकिन कजान सम्मेलन के दौरान इजरायल के हमलावर व्यवहार की निंदा और गाजा-पट्टी में उसके किए गए हमलों की भर्त्सना की गई है। इजरायल से तत्काल और स्थायी संघर्ष-विराम करने की मांग भी की गई है, लेकिन अक्तूबर, 2023 में हमास ने इजरायल पर जिस तरह का कातिलाना हमला किया था, घोषणापत्र में उसका कोई उल्लेख नहीं है। माना जाता है कि भारत ने जून, 2024 में विदेश मंत्रियों की बैठक में इस मुद्दे को रखा था, लेकिन ब्रिक्स देशों के मंत्रियों में सहमति नहीं बन पाई, लिहाजा हमास का हमला घोषणापत्र से बाहर ही रहा। हम हमास के उस हमले को 'बड़ा आतंकवाद' मानते हैं। उसी के कारण आज भी गाजा और लेबनान में युद्ध के हालात बने हैं। तबाहियां और बर्बादियां हो रही हैं, लेकिन विश्व का कोई भी संगठन और समूह युद्ध-विराम कराने में अभी तक सफल नहीं हुआ है। बहरहाल जो ब्रिक्स आर्थिक विषयों तक सीमित रहता था, वह अब भू-राजनीति, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, विज्ञान-प्रौद्योगिकी सरीखे विषयों पर भी विमर्श करता है और अपने सरोकार व्यक्त करता है। पश्चिम का मानना है कि जलवायु परिवर्तन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विषय होना चाहिए, क्योंकि इससे अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और शांति पर असर पड़ सकता है, लेकिन भारत समेत अन्य विकासशील देशों का यह मानना है कि सुरक्षा परिषद की इसमें कोई भूमिका ही नहीं होनी चाहिए। ब्रिक्स की जो शुरुआती नीतियां थीं, आज तक उनमें कई बदलाव आ गए हैं। भारत अपने कारोबार, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक विस्तार के लिए पश्चिमी देशों से भी जुड़ा है।

ब्रिक्स नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स 'गैर-पश्चिम' समूह है, जिसमें करीब 450 अरब डॉलर की कुल अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। दुनिया की करीब 45 फीसदी आबादी ब्रिक्स के दायरे में है, लिहाजा अब इसकी सामूहिक ताकत को समझा जा सकता है। जी-7 और ब्रिक्स के कुछ सदस्य जी-20 में भी शामिल हैं, लिहाजा ये समूह परस्पर सहयोगी हो सकते हैं, दुश्मन नहीं हो सकते। रूस में सम्पन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का बुनियादी थीम था-वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए 'बहुपक्षीयवाद' को मजबूत करना। प्रधानमंत्री मोदी ने भी यह मुद्दा बार-बार उठाया और ब्रिक्स के विस्तार का भी आग्रह किया। रूस के ही एक गणराज्य की राजधानी कजान में ब्रिक्स का सम्मेलन कामयाब रहा, यह अपने आप में महत्वपूर्ण निष्कर्ष है।

मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं

चीन से समझौता अहम, लेकिन भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

ललित गर्ग

भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं।

गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी है। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था। लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के

निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भड़काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं? ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये, ऐसा पहले भी हो चुका है। भारत को चीन से संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ने के पहले इसकी पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं वह फिर से वैसी हरकत तो नहीं करेगा, जैसी डोकलाम, गलवन, देपसांग आदि में की है। यह ध्यान रहे कि अतीत में चीन ने अपने अति महत्वाकांक्षी एवं अतिक्रमणकारी रवैये को तभी छोड़ा है, जब भारत ने यह जताने में संकोच नहीं किया कि वह बहुपक्षीय सहयोग के ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठनों को अपेक्षित महत्व देने से इन्कार कर सकता है। अब चीन को झुकना उसकी विवशता बन गयी है, क्योंकि उसे यह आभास हुआ कि भारत का असहयोग उसके आर्थिक हितों पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। ऐसा हुआ भी है कि भारत ने चीन को अपने देश में बाजार नहीं बनने दिया, जिसका बड़ा खामियाजा उसे भुगतना पड़ा है। चीन की अर्थ-व्यवस्था में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है।

दृष्टि कोण

नायडु का बयान और भाजपा की चुप्पी

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने राज्य के लोगों से दो से अधिक बच्चे पैदा करने की मांग की है। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि इन दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों की इस मांग के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने चुप्पी साध रखी है। मुसलमानों को दो से अधिक बच्चे पैदा करने पर परोक्ष और प्रत्यक्ष तौर पर कोसने वाली भाजपा इन दो मुख्यमंत्रियों की मांग पर पूरी तरह मौन है। कारण साफ है चंद्रबाबू नायडु ने केंद्र की भाजपा सरकार को अपनी पार्टी तेलगुदेशम पार्टी के सांसदों का समर्थन दे रखा है। दूसरे शब्दों में कहें तो केंद्र की मोदी सरकार नायडु की बैसाखियों पर टिकी है। इसलिए दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने के नायडु के बयान पर भाजपा ने मौन रखना ही बेहतर समझा। इसमें भाजपा को देश के लिए वैसा खतरा नजर नहीं आया, जैसा मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को लेकर दिखाई देता है। नायडु के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लोगों को 16 बच्चे पैदा करने चाहिएं। यह बात उन्होंने सरकारी विवाह योजना के तहत 31 जोड़ों के विवाह समारोह में कही। स्टालिन का यह सुझाव नायडु द्वारा यह खुलासा किए जाने के एक दिन बाद आया है कि आंध्रप्रदेश में उनकी सरकार एक ऐसा कानून बनाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय चुनाव लडने की अनुमति होगी। जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने की कवायद 2026 में होने वाली है। इससे लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढक़र 753 हो जाएगी। दक्षिण में क्षेत्रीय दलों को डर है कि इससे अधिक आबादी वाले राज्यों में सीटों की संख्या में भारी उछाल आएगा, जबकि दक्षिण में यह वृद्धि मामूली होगी। इन दलों के नेताओं को लगता है कि पिछले कुछ दशकों में परिवार नियोजन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए दक्षिणी राज्यों को दंडित किया जा रहा है, क्योंकि जिन राज्यों में जनसंख्या का घनत्व अधिक है, उनका लोकसभा में प्रतिनिधित्व अधिक होगा। वर्ष 2026 में क्षेत्र पुनर्विभाजन हो सकता है, इस अनुमान और उस समय की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर कहा जा सकता है कि पुनर्विभाजन में जनसंख्या नियंत्रण के कदम उठाने वाले दक्षिणी राज्यों को भारी नुकसान होगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण नहीं करने वाले हिंदी भाषी राज्य बड़ा फायदा उठाएंगे। उदाहरण के लिए, वर्तमान लोकसभा में हिंदी भाषी राज्यों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है, जो विस्तारित लोकसभा में 48 प्रतिशत हो जाएगी। दक्षिण भारत के राज्यों की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो जाएगी। बाकी राज्यों की हिस्सेदारी भी 34 प्रतिशत से घटकर 32 प्रतिशत हो जाएगी। आजादी के बाद जब 1951 में पहली जनगणना हुई, तब देश की आबादी 36 करोड़ के आसपास थी। 1971 तक आबादी बढक़र 55 करोड़ पहुंच गई। लिहाजा, सरकार ने 70 के दशक में फैमिली प्लानिंग पर जोर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि दक्षिणी राज्यों ने तो इसे अपनाया और आबादी काबू में की। मगर, उत्तर के राज्यों में ऐसा नहीं हुआ और आबादी तेजी से बढ़ती गई। ऐसे में उस समय भी दक्षिणी राज्यों की ओर से सवाल उठाया गया कि उन्होंने तो फैमिली प्लानिंग लागू करके आबादी कंट्रोल की और उनके यहां ही सीटें कम हो जाएंगी। सीटें कम होने का मतलब संसद में प्रतिनिधित्व कम होना। इसलिए विवाद हुआ। अभी तमिलनाडु की अनुमानित आबादी 7.70 करोड़ है और वहां लोकसभा की 39 सीटें हैं। जबकि, मध्य प्रदेश की आबादी 8.76 करोड़ है और यहां 29 लोकसभा सीटें हैं। परिसीमन होता है तो अभी की आबादी के हिसाब से मध्य प्रदेश में 87 लोकसभा सीटें हो जाएंगी और तमिलनाडु में 77 सीटें होंगी। सीटों की यह संख्या हर 10 लाख आबादी पर एक सांसद वाले फॉर्मूले के हिसाब से है। इसी तरह केरल की अनुमानित आबादी 3.59 करोड़ है। अभी यहां 20 लोकसभा सीटें हैं, वहीं उत्तर प्रदेश की आबादी 23.80 करोड़ है और यहां 80 सांसद हैं। अगर वही 10 लाख वाला फॉर्मूला लागू किया जाए तो केरल में लोकसभा सीटों की संख्या बढक़र 35 या 36 होगी। जबकि, उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों की संख्या 235 या उससे ज्यादा भी हो सकती है। इसी वजह से दक्षिणी राज्यों को आपत्ति है। उनका यही कहना है कि हमने आबादी नियंत्रित की, केंद्र की योजनाओं को लागू किया और उनके ही यहां लोकसभा सीटें कम हो जाएंगी। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु को हर हाल में आंध्रप्रदेश में अपने वोट बैंक को मजबूत रखना है। मुख्यमंत्री नायडु को इससे फर्क नहीं पड़ता कि भाजपा उनके बारे में क्या सोचती है। नायडु से समर्थन लेने की गरज भाजपा की है, नायडु की नहीं।

कुछ अलग

अब तुका भी ग्रो लिस्ट में

इन दिनों इस बात की चर्चा काफी जोरों से है कि तुका एफएटीएफ से पाकिस्तान को ग्रो लिस्ट यानि निगरानी सूची से बाहर निकालने के लिए बड़ी गोलबंदी कर रहा है। पाकिस्तान को तो बाहर निकालने में सफल हुआ नहीं, उल्टे खुद ही एफएटीएफ की ग्रो लिस्ट में शामिल हो गया। दरअसल 2019 से तुका जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की भाषा बोल रहा है। भारत उसे कई बार संकेत दे चुका था कि वह हमारे आंतरिक मामले में हस्तक्षेप न करे। तुका भारत ही नहीं, अमेरिका, सउदी अरब और यूरोपियन देशों खासकर प्रांस से भी पंगा लिए हुए है। यहां तक कि उसकी भारत विरोधी और पाक समर्थक चीन से भी नहीं पटती। तुका के खिलाफ एफएटीएफ में वोट देने वाले देशों में चीन भी शामिल है, वहीं पाकिस्तान के खिलाफ वोट देने वालों में सउदी अरब सबसे आगे रहता है। भारत पिछले एक साल से पाकिस्तान के दोस्त तुका को सबक सिखाने के लिए संभावनाएं तलाश रहा है। भारत को अमेरिका का साथ मिलना और यूरोपियन देशों का तुका के राष्ट्रपति रजब तैयब एदरेगान से चिढ़ के कारण एफएटीएफ में आए तुका विरोधी प्रास्ताव का समर्थन भारी मतों से हुआ। तुका में भी एदरेगान लोकप्रिय नहीं हैं। उनके तमाम राजनीतिक दुश्मन बन चुके हैं। असल में तुका की जनता पूरी तरह इस्लाम धर्म मानती है किन्तु वह पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष है। वह कभी भी अपने शासक को कठमुल्ला के रूप में नहीं देखना चाहती। तुका की जनता चाहती है कि उसका शासक भी धर्मनिरपेक्ष छवि का हो। एदरेगान ने खुद को इस्लाम का संरक्षक साबित करने के मुगालते में ही भारत और प्रांस से सीधे पंगा लिया है। बहरहाल अब जबकि आतंकियों को वित्तीय मदद देने के आरोप में तुका और पाकिस्तान दोनों एफएटीएफ की निगरानी सूची में शामिल हो चुके हैं तो दुनिया के लिए यह जरूरी है कि समय रहते आतंकवाद की परिभाषा तय कर ली जाए। तुका और पाकिस्तान दोनों ही लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रों के लिए सिरदर्द बन चुके हैं। पाकिस्तान से एफएटीएफ ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि या तो वह दाउद इब्राहिम, हाफिज सईद, जकी उर रहमान लखवी और मसूद अजहर को सजा दिलवाए अथवा उसे भारत को सौंप दे। पाकिस्तान ग्रो लिस्ट में शामिल है इसीलिए उसे आईएमएफ ने और कर्ज देने से मना कर दिया है। पाकिस्तान को छह अरब डालर की विस्तारित कर्ज सुविधा की बहाली के लिए वित्त सचिव यूसुफ खान और इमरान खान के सलाहकार शौकत तारिन को आईएमएफ ने टका-सा जवाब दे दिया। असल में इससे पहले आईएमएफ से जो वित्तीय सहायता मिली थी वह सशर्त मिली थी। उसमें दो बातें महत्वपूर्ण थीं—पहली यह कि उन पैसों का इस्तेमाल चीन का कर्ज वापस करने के लिए न हो और दूसरी—किसी तरह की सब्सिडी न दे। हालत यह हुई कि पाकिस्तान में आजकल 14 प्रातिशत मुद्रास्फीति दर पहुंच गई है। इस बीच पाकिस्तान के लिए एक मुसीबत और आ गई है। 14 जुलाई को पाकिस्तान में चीन के नौ इंजीनियरों की हत्या टीटीपी ने कर दी थी। अब चीन अपने मारे गए इंजीनियरों की मौत पर क्षतिपूर्ति के लिए 3.8 अरब डालर यानि 385 करोड़ रुपए का मुआवजा पाकिस्तान से मांग रहा है। असल में दासु पनबिजली परियोजना पर कम चल रहा था और आतंकियों ने 13 लोगों की हत्या कर दी। इनमें नौ इंजीनियर चीन के थे जो विस्फोट में मारे गए थे।

देश दुनिया से

कोठारी आयोग से पीएम श्री तक शिक्षा की 'परख'

बगैर पूर्वाग्रह के कहा जाए तो किसी शिक्षा नीति में कोई खराबी नहीं रही, परंतु ग्राउंड जीरो पर कार्यान्वित करते हुए वो वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया और शिक्षा लडखड़ाती रही, हिचकोले खाती रही। ऐसा क्यों हुआ? जवाब में सभी संबंधित हितधारकों के अपने-अपने दावे और दलीलें हैं, अपनी-अपनी शिकायतें और हिकायतें हैं। 1968 में कोठारी आयोग की रिपोर्ट पर आधारित देश की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति से चलते हुए हम शिक्षा नीति 2020 पर आ गए हैं। इस बीच कई कमेटियां बनीं, कई अभियान व परियोजनाएं चलाई गईं। 1986 में 10 जमा 2 शिक्षा पद्धति को लागू किया गया। फिर सर्व शिक्षा अभियान आया और शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हुआ। पहली से आठवीं तक 'कोई फेल नहीं' नीति लागू हुई।

यदि एक बच्चे को एक बढिया किताब, एक बढिया कलम, एक बढिया विद्यालय और एक बेहतरीन शिक्षक मिल जाए, तो वह दुनिया को बदलने का माद्दा रखता है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश और प्रदेश की सरकारों ने शिक्षा की बेहतरी के लिए नीति बनाने में कोई कसर छोड़ी है। यह अलग बात है कि कोरे-कोरे कागजों पर सुनहरे भविष्य की रौशनी दिखाते शिक्षा के बल्व ग्राउंड जीरो पर मद्धम पड़ जाते हैं या फ्यूज हो जाते हैं। बगैर पूर्वाग्रह के कहा जाए तो किसी शिक्षा नीति में कोई खराबी नहीं रही, परंतु ग्राउंड जीरो पर कार्यान्वित करते हुए वो वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया और शिक्षा लडख़ड़ाती रही, हिचकोले खाती रही। ऐसा क्यों हुआ? जवाब में सभी संबंधित हितधारकों के अपने-अपने दावे और दलीलें हैं, अपनी-अपनी शिकायतें और हिकायतें हैं। 1968 में कोठारी आयोग की रिपोर्ट पर आधारित देश की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति से चलते हुए हम शिक्षा नीति 2020 पर आ गए हैं। इस बीच कई कमेटियां बनीं, कई अभियान व परियोजनाएं चलाई गईं। 1986 में 10 जमा 2 शिक्षा पद्धति को लागू किया गया। फिर सर्व शिक्षा अभियान आया और शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हुआ। पहली से आठवीं तक 'कोई फेल नहीं' नीति लागू हुई। इसके पीछे भली मंशा यह थी कि बच्चों के जहनों से परीक्षा का डर खत्म किया जाए, परंतु इस भली मंशा में यह सिद्ध बात नजरअंदाज हो गई कि डर केवल तनाव नहीं देता, बल्कि हमें जागरूक व चौकस भी रखता है। लिहाजा बच्चे परीक्षा के प्रति उदासीन हो गए और इसके महत्व को नहीं जान पाए। देखा-देखी कई योग्य बच्चों की परीक्षा में बेहतर करने की ललक भी गुल हो गई। 'सब पास' के चलते कई माता-पिता भी अपने बच्चों की पढ़ाई से गाफिल हो गए। उधर बहुत से अध्यापक भी चिंतामुक्त हो गए क्योंकि हम उस व्यवस्था के मारे हैं, जहां बिना डर के पत्ता हिलाना मुश्किल जान पड़ता है। रहीम जी की यह बात चरितार्थ हो गई- चाह गई चिंता मिटी, मनुआ बेपरवाह। मस्ती की पाठशाला में सब मस्त हो गए। कहने वाले कहते रहे- ऑल इज वैल। परंतु जब बच्चे छठी व नवीं कक्षा में पहुंचने लगे और विभिन्न सर्वेक्षणों के नतीजे आने लगे, तो ढोल की पोल खुलने लगी। तब शिक्षा के कर्णधारों की तीसरी आंख खुलना लाजिमी थी। हालांकि गुरु को बेहतर गुरु बनने के गुर सिखाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाती रहीं. परंतु उनमें शोर ज्यादा सुनाई दिया, व्यावहारिक जोर और गंभीरता कम दिखाई दी। खेल-खेल में पढ़ाई की अवधारणा कागजों में तो आकर्षक दिखी, परंतु असल में यह हुआ कि पढ़ाई पिछली सीट पर और खेल ड्राइवर सीट पर आ गया। जाने-अनजाने खेल-खेल में शिक्षा से खेला होता रहा। मॉनिटरिंग के लिए टीमें बनीं, पर हासिल क्या हुआ? गुरुजी पर नकेल कसने के लिए उनकी हाजिरी बाइऑमीट्रिक मशीन पर दर्ज की जाने लगी। यहां भी एक यह गड़बड़ हो गई कि बाइऑमीट्रिक मशीनें सेकेंडरी स्कूलों में तो लगीं, परंतु प्राइमरी और मिडल स्कूलों में नहीं लगीं जहां शिक्षा की नींव तैयार होती है। अब कहीं-कहीं, किसी-किसी स्कूल में लगी हों, तो अलग बात है। यह सब हमारी नाक के नीचे हुआ। जब कभी किसी कर्तव्यपरायण व जमीरजीवी चिंतक ने इस बाबत चिंता जाहिर की, तो उसे ये रटा-रटाया राग सुनाया जाता रहा- ऐसा ही चलता है। वाकई शिक्षा ऐसे ही चलती रही और वैसे नहीं चली, जैसे चलनी चाहिए थी। चलते-चलते शिक्षा नीति 2020 आ गई। इसके अनुसार 10 जमा 2 की जगह अब 5 प्लस 3 प्लस 3 प्लस 3 पद्धति को अपनाया जा रहा है। अभी यह आरंभिक दौर में ही है और इसी बीच जब तीसरी, छठी व नवीं के छात्रों के शिक्षा के स्तर की 'परख' हुई तो पाया गया कि अपना प्रदेश पूरे देश में आधारभूत साक्षरता, भाषायी व गणितीय दक्षताओं में 21वें स्थान पर खिसक गया है। अब स्थिति सुधारने के लिए ऊहापोह चल रही है। चिंता का विषय है कि छठी कक्षा का बच्चा दूसरी-तीसरी कक्षा के विषय समझ व पढ़ नहीं पा रहा है और नवीं कक्षा का छात्र छठी कक्षा का ज्ञान नहीं रखता। आगामी राष्ट्रीय सर्वेक्षण परीक्षा 'परख' दिसंबर माह में होगी। इसके लिए मॉक टैस्ट पर जोर दिया जा रहा है। अतिरिक्त कक्षाएं लगवाई जा रही हैं। अगर ऐसा ही जोर समय रहते देते, तो आज इसकी जरूरत न होती। ये हमारे अध्यापन का खोखलापन व शिक्षा व्यवस्था का नकारापन ही है कि आज छात्रों के अगली कक्षा में पहुंचने के बावजूद उन्हें पिछली कक्षाओं की पढ़ाई करवाने के लिए हम मजबूर हैं, वरना अगली कक्षा में पहुंचने के बाद पिछली कक्षाओं की पढ़ाई करने-करवाने की क्या गर्ज! शिक्षा के इस सफर में सरकार ने आदर्श स्कूल बनवाए, उत्कृष्ट स्कूल बनवाए और अब पीएम श्री स्कूल चिन्हित किए गए हैं। स्कूली भवनों की कायाकल्प की जा रही है।

आप का नजरिया

कम हो रहे हैं एड्स के रोगी

आकड़ों पर गौर करें तो पाएंगे की पीड़ितों को मौत के आगोश में सुलाने वाली यह महामारी धीरे ही सही मगर अब पकड़ में आ गई है। विश्व स्तर पर चेतना और जागरुकता के कारण इस पर विजय हासिल की जा सकी। मगर इसका मतलब यह कतई नहीं है कि एड्स हमारे पूरी तरह नियंत्रण में आ गया है। भारत अभी भी विश्व के उन पांच देशों में शुमार है जहां एड्स का प्रभाव सर्वाधिक है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार 2030 तक एड्स को जड़ मूल से समाप्त कर दिया जाएगा। दुनिया के सबसे घातक बीमारियों में एक है एड्स। इस बीमारी का मुकम्मल इलाज अभी मुमकिन नहीं हो पाया है लेकिन वुछ रिसर्च हो रहे हैं। जिससे आप उम्मीद कर सकते हैं कि भविष्य में इसका एक मुकम्मल इलाज हो। विश्व एड्स दिवस हर साल एक दिसम्बर को मनाया जाता है। इस दिन इस वायरस और बीमारी से बचने के लिए कई जागरुकता अभियान चलाए जाते हैं। लेकिन उसके बावजूद आम लोगों के दिमाग में कई सवाल घूमते रहते हैं। इसी वजह से इस जानलेवा बीमारी को लेकर कई तरह के मिथक बन जाते हैं। हर कोई अपनी जानकारी के हिसाब से दूसरे व्यक्ति को सलाह देता है, लेकिन कौन-सी बात कितनी सच है इसको लेकर लोग काफी वंफ्यूजन रहता है। एचआईवी को लेकर एक चौंकाने वाला तथ्य यह भी सामने आया है कि विश्व में एचआईवी से पीड़ित होने वालों में सबसे अधिक संख्या किशोरों की है। यह संख्या 20 लाख से ऊपर है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2000 से अब तक किशोरों के एड्स से पीड़ित होने के मामलों में तीन गुना इजाफा हुआ है जो कि चिन्ता का विषय है। ये चिन्ता तब और भी बढ़ जाती है जब ये जानने को मिलता है कि एड्स से पीड़ित दस लाख से अधिक किशोर सिर्प छह देशों में रह रहे हैं और भारत उनमें एक है। एड्स हाथ मिलाने, गले लगने, छूने, छींकने से नहीं पैलता. इससे बचने के लिए जरूरी है कि लोग इस बीमारी के प्रति जागरूक हों। अगर एचआईवी पॉजिटिव हो, तो दवा लें, और अपना और अपने साथी का खास ख्याल रखें। एड्स नामक इस भयानक बीमारी ने देश की एक बड़ी आबादी को अपने प्रभाव में जकड़ रखा है। भारत में 15 से 49 वर्ष की उम्र के बीच के लगभग 25 लाख लोग एड्स से प्रभावित हैं। यह आंकड़ा विश्व में एड्स प्रभावित लोगों की सूची में तीसरे स्थान पर आता है। एचआईवी आकलन 2012 के अनुसार भारतीय युवाओं में वार्षिक आधार पर एड्स के नए मामलों में 57 प्रतिशत की कमी आई है। जो एक सुखद स्थिति है। यूनिसेफ ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अब तक 37.9 मिलियन लोग एड्स के शिकार हुए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार रोजाना 980 बच्चे एचआईवी के शिकार होते हैं जिनमें से 320 की मृत्यु हो जाती है। विश्व एड्स दिवस 1988 से हर साल एक दिसंबर को मनाया जाता है। इसे मनाए जाने का मुख्य मकसद लोगों को एचआईवी संव्रामण से होने वाली बीमारी एड्स के बारे में जागरूक करना है।

क्या आप जानते हैं?

धरती पर अनगिनत चीजें मौजूद हैं, इसलिए इनके बारे में जानने को कितना कुछ है। आप एक फल या जानवर के बारे में पता करने जाएंगे और आपको उसके बारे में ढेरों तथ्य मिल जाएंगे।

पेड़ पौधों और फल-फूल से हमारा रोज़ का ही वास्ता पड़ता है। इनके बारे में सब कुछ तो नहीं पर कुछ-कुछ तो आप जानते ही होंगे। धरती पर अनगिनत चीजें मौजूद हैं, इसलिए इनके बारे में जानने को कितना कुछ है। आप एक फल या जानवर के बारे में पता करने जाएंगे और आपको उसके बारे में ढेरों तथ्य मिल जाएंगे। जैसे, उल्लुओं के समूह को 'पार्लियामेंट' कहते हैं। शुतुरमुर्ग की आंख उसके दिमाग से भी बड़ी होती है। जिराफ अपने कान अपनी 21 इंच लम्बी जीभ से साफ करता है। ऐसे ही और भी कई मजेदार तथ्य आपके लिए लेकर आए हैं हम। इन तथ्यों को आप भी जेहन में रखें और अपने दोस्तों को भी बताइए।

● विश्व का सबसे पुराना पेड़ स्वीडन में स्थित है, वह 9,550 वर्षों से मौजूद है।

● स्ट्रॉबैरी इकलौता ऐसा फल है, जिसके बीज उसके फल के बाहर लगे होते हैं। इसके एक फल से 200 से ज्यादा बीज प्राप्त किए जा सकते हैं।

● पत्ता गोभी में 91 प्रतिशत, सेब में 84 प्रतिशत और ककड़ी में 96 प्रतिशत पानी होता है।

● सेब को पानी में डालने पर क्या होता है?...वह तैरने लगता हैं न। पानी पर इसके तैरने की वजह है इसमें 25 प्रतिशत हवा जो भरी होती है।

● टमाटर और आलू विश्व में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली सब्जियां हैं, जबकि प्याज का प्रयोग भोज्य

पदार्थों को बनाने में सबसे ज्यादा किया जाता है।

● गाजर का वास्तविक रंग जामुनी होता है। इसमें 'विटामिन ए' प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता और आंखों की रोशनी को बढ़ाता है। साथ ही आपकी स्किन को भी चमकदार बनाता है।

● अफ्रीका में पाई जाने वाली एलींफेंटा घास की लम्बाई इतनी होती है कि इसमें एक हाथी खुद को आसानी से छुपा सकता है। पते की बात तो यह है कि इसी वजह से इनका नाम एलीफेंटा घास पड़ा।

● यूं तो पानी आपके घर में भी जमा किया जाता ही होगा और पानी जमीन के भीतर भी रहता है। पर क्या आप जानते हैं, एक पेड़ ऐसा भी है जो अपने भीतर पानी एकत्रित कर सकता है। उसका नाम है 'बाओब ट्री'। यह अफ्रीका में पाया जाता है और 10,000-12,000 लीटर तक पानी संचित कर सकता है।

● पहले डीजल इंजन के बारे में तो सबको पता है, पर क्या आप जानते हैं कि इस इंजन में मूंगफली का तेल बतौर ईंधन इस्तेमाल किया गया था?

● पेड़-पौधे 90 प्रतिशत पोषण वातावरण से प्राप्त करते हैं, जबकि 10 प्रतिशत ही वे ामीन से ग्रहण करते हैं।

● एक पेड़ से औसतन 1,70,000 पेन्सिलें बनाई जा सकती हैं।

● विश्व का सबसे लम्बा पेड़ सेकुआ (कैलीफोर्निया रेडवुड) है। इसकी लम्बाई तकरीबन 360 फीट होती है।

● एक पेड़ वर्ष भर में इतनी ऑक्सीजन छोड़ता है कि उससे एक परिवार वर्षभर सांस ले सकता है।

● केला बहुत ही पोषक और सुपाच्य फल होता है, इसलिए बच्चे के प्रथम आहार में इसे शामिल किया जाता है।

● ककड़ी फल है, सब्जी नहीं। ऐसा इसलिए क्योंकि इसके बीज फल के बीच में होते हैं।

● यदि आप थोड़े तनाव में हैं तो एक केला खा लीजिए, आप अच्छा महसूस करेंगे। केले में ऐसे रासायनिक तत्व पाए जाते हैं, जिन्हें खाने से आप तनावमुक्त और खुशी महसूस करते हैं।

● जापान और चीन में तरबूज मेजबान के यहां ले जाना अच्छा उपहार माना जाता है।

● दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला पौधा है बर्मा का जाइंट बैम्बू।

कविता

खट्टे हैं अंगूर!

एक लोमड़ी भूखी प्यासी,
चली ढूंढ़ने खाना।
दिनभर घूमी इधर-उधर पर,
मिला न उसको दाना।
एक बाग में चलते-चलते,
निकल गई वह दूर।
देखा उसने लटक रहे हैं,
बड़े-बड़े अंगूर।
पके-पके अंगूर देखकर,
मुंह में आया पानी।
उछलकूद कर पकड़ने लगी,
उन्हें लोमड़ी रानी।
मगर बड़ी ऊंचाई पर थे,
अंगूरों के गुच्छे।
आखिर उनको पकड़ न पाई,
हो गई थक कर चूर।
जाते-जाते बोली,
कितने खट्टे हैं अंगूर।

(आज सोनू ने मोनू को एक लोमड़ी की व्यथा सुनाई। अंगूर कैसे हो गया था खट्टा यह भी बताया।)

बिंदु से बिंदु मिलाओ

बच्चो, इस चित्र में अंक यूं ही नहीं दिए गए। अगर अंकों के साथ वाले बिंदुओं को आपस में मिलाओगे तो यहां पर खूबसूरत चित्र बन जाएगा। तो उठाइए पेसिंल...

रंग भरो

बच्चो, यह गोलू अपने रंग घर मे भूल आया है। क्या आप अपने रंगों से इसे सजा सकते हैं तो उठाइए अपने रंग और हो जाइए शुरू...

ये हुई न बात

इस बार बरसात आई तो लोगों के मन भीगे हुए थे। हर बार उन्हें बारिशं मुसीबत लगती थी। दीपक की एक कोशिश ने सबके मन जीत लिए। पहले तो कोई उसके साथ खड़ा नहीं हुआ। क्या किया था दीपक ने ऐसा, पढ़िए यह कहानी...

दीपक आज खुशी-खुशी घर लौट रहा था, क्योंकि गर्मी की छुट्टियां हो गई थीं। वह रोज गांव से तीन मील दूर एक हाई स्कूल में पढ़ने जाया करता था। उसके साथ गांव के कुछ और भी बच्चे पढ़ने जाया करते थे। एक छोटी सी पगडंडी से होकर गुजरना पड़ता था, जिसमें छोटे-छोटे गड्ढे थे। इसलिए वह रास्ता काफी उबड़-खाबड़ था। अचानक एक दिन दीपक को ध्यान आया कि बरसात के दिनों में उन गड्ढों में पानी भर जाता है। रास्ता, तालाब बन जाता है। मेंढक टर्राने लगते हैं। मच्छर भिनभिनाने लगते हैं। पिछले साल गांव के चौधरी चाचा का पांव फिसल गया था और उन्हें कूल्हे में चोट भी लग गई थी। छह महीने तक बिस्तर पर ही रहे।

वहीं रामसिंह दूध वाले दद्दा की भैंस इधर आई, तो रास्ते में हुए इस कीचड़ वाले तालाब में फंस गई। काफी मुश्किल से उसे निकाला गया। एक बार तो बरसात के बाद तो गांव में हैजा ही फैल गया था।

दीपक ने सोचा क्यों न इन गर्मियों में इन गड्ढों को ही पाट दिया जाए। मन की बात उसने दोस्तों को बताई। उसके दोस्तों ने उसकी बात सुनते ही हंसी में उड़ा दी। कुछ ने तो दीपक का मजाक भी उड़ाया। एक ने उसके कंधे पर हाथ रखते हुए कहा 'अरे भई! क्या हम गांव वालों के नौकर हैं। एक तो साल भर कस के पढ़ाई की, अब बारी है आराम करने की, तो तू फावड़े चलवाएगा। हम तो मस्त सोएंगे और खेलेंगे। जा तू ही कर गांव की सेवा।'

ऐसे उत्तर और व्यवहार से दीपक का उत्साह ठंडा हो गया। पर उसने हार न मानी। उसको रवींद्रनाथ टैगोर की पंक्तियां याद आईं, 'तुम्हारी पुकार सुनकर कोई आए न आए, पर तुम अकेले ही अपनी राह पर चलते चलो।' उसने गांव के बड़ों को अपनी मंशा के बारे में बताया। कुछ लोगों का व्यवहार उसके दोस्तों की ही तरह था, तो कुछ ने उसका उत्साह बढ़ाया और उसके इस नेक काम में उसका साथ देने भी चल दिए।

अचानक दो से चार और चार से दस और दस से बीस लोगों की टोली बन गई। जिन लोगों ने दीपक की बात सुनकर उसका खिल्ली उड़ाई थी, अब वे भी धीरे-धीरे उसका हाथ बंटाने आ गए।

बरसात आने से पहले रास्ते के सारे गड्ढे पाट दिए गए। अबकी बरसात आई तो सब इसका आनंद उठा रहे थे। इस बार गांव के लोगों को न किसी बीमारी का भय न था और न ही उन्हें कोई असुविधा हुई। गांव वालों ने दीपक की सूझबूझ को सराहा और उसे सम्मानित भी किया। मुखिया जी उसे आशीर्वाद देते हुए बोले, 'दीपक, तूने गांव की बहुत बड़ी समस्या हल कर दी। तूने अपना नाम सार्थक कर दिया।'

सोशल मीडिया

करियर के नए विकल्प

टेक्नोलॉजी के बढ़ते दायरे ने न सिर्फ लोगों की जीवन शैली में भारी बदलाव किया है, बल्कि इसी से जुड़े ऐसे करियर ऑप्शंस भी सामने रखे हैं, जिनके बारे में आज से कुछ साल पहले शायद ही किसी ने सोचा होगा। युवाओं की पहुंच में हर वक्त रहने वाला सोशल मीडिया हो या फिर इन सोशल मीडिया को अपना बनाने वाले नए-नए एप्स। यही कारण है कि करियर के नए विकल्प तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं।

मोबाइल एप्लिकेशन मैनेजर

एप्लिकेशंस बाजार प्रतिदिन तेज रफ्तार के साथ बढ़ रहा है। एप्लिकेशंस की लोकप्रियता और उत्पाद बढ़ने तथा ज्यादा से ज्यादा टैबलेट एवं स्मार्टफोन का इस्तेमाल होने से एप्लिकेशंस को खरीदने का काम भी बढ़ रहा है। इस कारण इस सेक्टर में रोजगार की संभावनाएं बढ़ रही हैं। वर्तमान स्थिति को देखें तो आने वाले दो साल के दौरान एप्लिकेशन बाजार देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रोग्रामिंग कुशलताओं वाले आईटी प्रोफेशनलों के लिए इन ताजा संभावनाओं ने करियर को नया आयाम दे दिया है। मांग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अकेले एप्पल ने जहां साल 2010 में 1.78 अरब डॉलर की एप्लिकेशंस बेचीं, वहीं अगले वर्ष ही ग्लोबल मोबाइल एप्लिकेशंस बिक्री का आंकड़ा 4 अरब डॉलर तक दर्ज किया गया।

एक वेबसाइट के मुताबिक, बीते दो साल में अगर नजर दौड़ाए तो पाएंगे कि शुरू के वर्ष की ही पहली तिमाही में 4,500 मोबाइल डेवलपर्स के पद अस्तित्व में आए, जो कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 101 फीसदी से अधिक है। नौकरियों के लिए वेबसाइट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या में इस अवधि के दौरान 52 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है, जो इस ओर इशारा करता है कि कुल रोजगार बाजार में मोबाइल एप्लिकेशंस डेवलपमेंट सेग्मेंट की वृद्धि दोगुनी है। मोबाइल उद्योग में एप्लिकेशंस का डिजाइन और डेवलपमेंट एक क्रांति के समान रहा है, इसीलिए मोबाइल फोन और एप्लिकेशंस डिजाइन एवं डेवलपमेंट क्षेत्र में कारोबार व रोजगार दोनों के बढ़ने की संभावनाएं मौजूद हैं। आईओएस, एंड्रॉयड व अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाली एप्लिकेशंस की बढ़ती मांग ने स्मार्ट फोन तथा अन्य स्मार्ट उपकरणों को अगली पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिसकी वजह से अचानक कंपनियों में एक्सपर्ट्स की कमी हो गयी है।

सोशल मीडिया मैनेजर

सोशल मीडिया मैनेजर का काम कम शब्दों में प्रभावी ढंग से किसी ब्रांड को प्रस्तुत कर इंटरनेट यूजर को ब्रांड वैल्यू के प्रति आकर्षित करना है। बात इतने पर ही खत्म नहीं हो जाती। सोशल मीडिया मैनेजर ब्रांड के क्राइसिस सॉल्यूशन को भी बेहतर ढंग से सुलझाने में मददगार है यानी सोशल मीडिया मैनेजर का काम कस्टमर एवं क्लाइंट के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करना है। फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का नाम हर किसी के जेहन में रहता है। इसके अलावा लिंक्डइन को व्यावसायिक दृष्टि से बेहतर माना जाता है। आप इनमें से किसी भी साइट पर जाएंगे तो अधिकांश ब्रांड दिख जाएंगे। सोशल साइट्स पर कंपनियां एवं ब्रांड्स इन ब्रांड्स का प्रभावी एवं औपचारिक तरीकों से जिस तरह प्रमोशन कर रही हैं, उनके पीछे सोशल मीडिया मैनेजर का ही सबसे अहम रोल होता है।

एक सोशल मीडिया मैनेजर टू वे कम्युनिकेशन का काम करता है। वह इसके लिए सही चैनल तलाशता है, फिर अपने प्रोडक्ट को अर्थपूर्ण योजना के साथ लोगों के सामने पेश करता है। सोशल मीडिया मैनेजर न्यू मीडिया के तहत आता है। यह वेब जर्नलिज्म से ही जुड़ा है। सोशल मीडिया मैनेजर की मांग को देखते हुए कई संस्थानों ने इसके लिए बाकायदा अलग कोर्स भी शुरू किए हैं। हाल में इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने वैट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिल कर इंडिया का पहला सोशल मीडिया कोर्स शुरू किया है। किसी भी सोशल नेटवर्किंग साइट पर किसी ब्रांड की प्रस्तुति सोशल मीडिया यूजर के दिमाग पर पॉजिटिव एवं निगेटिव दोनों ही प्रभाव छोड़ सकती है। ऐसे में किसी ब्रांड के पॉजिटिव प्रभाव के लिए सही प्रस्तुति अहम होती है, जिसे सही तरीके से उस साइट पर एक निपुण व अनुभवी सोशल मीडिया मैनेजर ही प्रस्तुत कर सकता है।

> सोशल मीडिया का इस्तेमाल जिस तेजी से बढ़ा है, उसी तेजी से इसके विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ रही है। कई ऐसे नए करियर विकसित हो गए हैं, जिनसे बड़े स्तर पर लोग अभी भी अनजान हैं। सोशल मीडिया में विशेषज्ञता रखने वाले कर्मियों के लिए गूगल, फेसबुक, लिंक्डइन व ट्विटर के अलावा विभिन्न मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों और आईटी क्षेत्र में काम करने के अच्छे मौके हैं।

आज विश्व की कुल जनसंख्या के लगभग 50 प्रतिशत लोग 30 साल से कम उम्र के हैं, जिनमें से अधिकांश प्रतिदिन अपना कीमती वक्त सोशल नेटवर्किंग पर बिताते हैं। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ताजा रिपोर्ट पर यकीन करें तो भारत में कुल इंटरनेट यूजर्स में से लगभग ढाई करोड़ युवा सोशल मीडिया साइट्स पर सक्रिय रहते हैं। किसी भी ब्रांड के प्रमोशन के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट्स सबसे ज्यादा लोकप्रिय माध्यम बन गई हैं।

सोशल मीडिया ऑप्टिमाइजर

सोशल मीडिया ऑप्टिमाइजर आज हर बड़े संस्थान की बड़ी जरूरत बन चुके हैं। इनका काम होता है कि आप ने जो भी कार्य शुरू किया है, वह अधिक से अधिक ऐसे लोग तक पहुंचे, जो आपके संभावित ग्राहक हो सकते हैं।

कभी कंपनी का पेज बना कर तो कभी किसी प्रोडक्ट से लोगों को जोड़ कर एसएमओ अपना उद्देश्य पूरा कर ही लेते हैं। एसएमओ के प्रमुख कार्य में सबसे महत्वपूर्ण होता है कि दुनिया भर में मौजूद सोशल मीडिया साइट्स के जरिए किसी खास वेबसाइट व पोर्टल के लिए ट्रैफिक जुटाना यानी सोशल मीडिया के जरिए क्लाइंट वेबसाइट के लिए हिट्स बढ़वा कर रैंकिंग में सुधार करना। यह काम निजी तौर पर किया जा सकता है तो किसी कंपनी से जुड़ कर भी।

निजी तौर पर जुड़ने से फायदा यह होता है कि आप कई क्लाइंट लेकर अधिक पैसा कमा सकते हैं। कंपनी से जुड़े तमाम अपडेट्स को दुनियाभर में फैले उनके टारगेट ऑडियंस तक पहुंचाना ही एएएमओ का काम होता है। इन्हीं के बूते किसी भी पेज के लाइक करने वालों की संख्या लाखों-करोड़ों तक पहुंचती है।

दूध से महंगा हुआ पानी

बनाएं जल प्रबंधन में कॅरियर

दुनिया के लगभग हर महानगर में पानी दूध से महंगा बिक रहा है। यही वजह है कि मंगल और दूसरे ग्रहों पर पानी खोजने की कोशिशें जारी हैं। साथ ही आशंका जतायी जा रही है कि अगला विश्व युद्ध पानी को लेकर हो सकता है। बुद्धिजीवियों द्वारा की गई इस तरह की भविष्यवाणी के गहरे निहितार्थ होते हैं। आने वाले समय में मनुष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौती पानी की होगी। कर्नाटक, तमिलनाडु, हरियाणा, दिल्ली, उड़ीसा, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में पानी को लेकर लम्बे समय से तनातनी चल रही है। पानी की गहराती समस्या से निपटने के लिए देश की नदियों को आपस में जोड़ने की बात सरकार बड़ी गंभीरता से कर रही है। जल ही जीवन है, इसलिए इसके एक-एक बूंद की सुरक्षा के उपाय खोजे जा रहे हैं। इन चुनौतियों ने जन्म दिया है एक नए रोजगार जल प्रबंधन का।

जल प्रबंधन का मतलब है पानी का संचयन। इसमें सामान्य पानी, मीठा पानी, भारी पानी, खारा पानी, नदी, नाले, पोखर और तालाब के पानी की सुरक्षा संरक्षण शामिल है। ताकि मानव, पशु-पक्षियों और कल कारखानों के साथ-साथ सिंचाई आदि में पानी का इस्तेमाल किया जा सके। जल प्रबंधन के तहत कल कारखानों और प्रदूषित नदियों के पानी को पीने योग्य बनाने या फिर दोबारा उपयोग में लाने की बात के अलावा राजस्थान जैसे सूखाग्रस्त और रेतीले क्षेत्र में पानी की खोज और प्रबंधन, पानी के संग्रह या वर्षा जल के संचयन के लिए बड़े-बड़े हौज और टैंकों का निर्माण, जल संभरण तकनीकविदों की जिम्मेदारी में शामिल है। अब तो नदियों को आपस में जोड़ने की बात की जा रही है। बांध बनाए जा रहे हैं। हाइड्रोकोलिक वाटर का इस्तेमाल बढ़ रहा है और इसके साथ बढ़ रहा है जल प्रबंधन। इस प्रकार जल प्रबंधकों की मांगें बढ़ रही हैं।

अगर आपने 12वीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित के साथ पास की है तो जल प्रबंधन के क्षेत्र में कॅरियर बना सकते हैं। बीएससी के बाद जलस्रोत से जुड़े पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया जा सकता है। चयन लिखित परीक्षा के आधार पर होता है। दो वर्षीय एमटेक डिग्री के बाद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, केन्द्रीय जल विभाग, सिंचाई विभाग, मौसम विभाग, पर्यावरण विभाग, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेश वाटर आदि संस्थानों में बतौर वैज्ञानिक नौकरी मिल जाती है। इसके अलावा जल प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रही स्वयंसेवी संस्थाओं और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान शालाओं आदि में भी रोजगार उपलब्ध हैं। जल प्रबंधन का पाठ्यक्रम इन विश्वविद्यालयों में उपलब्ध है-

- रूड़की विश्वविद्यालय, रूड़की।
- एमबीएम, इंजीनियरिंग कॉलेज, जोधपुर।
- रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई।
- तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कोयम्बटूर।

फुटवेयर टेक्नोलॉजी

युवाओं में बना हॉट करियर

अगर आप किसी के फैशन सेंस को सिर्फ उसके ड्रेसिंग स्टाइल से जज करते हैं, तो आपको अपना नजरिया बदलने की जरूरत है क्योंकि एक्सेसरीज के बिना स्टाइलिंग पूरी नहीं होती। अब तो फुटवियर भी सिर्फ आराम के लिए ही नहीं, बल्कि फैशन एक्सेसरीज के तौर पर इस्तेमाल किए जाते हैं। इससे इंडस्ट्री में नई कंपनियों के लिए जगह तैयार हुई है। साथ ही युवाओं को भी नए अवसर मिलने की संभावना बनने लगी है। आप भी फुटवियर टेक्नोलॉजी में करियर बनाकर हर दिन कुछ नया करने का मौका तलाश सकते हैं।

हाईटेक डिजाइनिंग

फुटवियर टेक्नोलॉजी में मार्केट की डिमांड और पॉपुलर डिजाइन्स को ध्यान में रखते हुए फुटवियर की नई डिजाइंस तैयार की जाती हैं। कई इंडस्ट्रीज अपने क्लाइंट्स के लिए फुटवियर कलेक्शंस भी तैयार करती हैं। यह

काम कम्प्यूटर एडेड डिजाइन द्वारा किया जाता है। डिजाइनर्स हाईटेक लैबोरेट्रीज और मशीन्स की मदद से यह काम करते हैं।

जरूरी कोर्स

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स या बायोलॉजी सब्जेक्ट्स होने जरूरी हैं। इसके बाद आप लेदर डिजाइन में बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन फुटवियर डिजाइनिंग एंड प्रोडक्शन, बीटेक इन फुटवियर टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन फुटवियर टेक्नोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन शू डिजाइनिंग एंड पैटर्न कटिंग, सर्टिफिकेट कोर्स इन फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन, डिप्लोमा इन लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन जैसे कोर्स कर सकते हैं।बैचलर्स करने के बाद आप मास्टर्स इन फुटवियर टेक्नोलॉजी भी कर सकते हैं।

भविष्य की संभावनाएं

ज्यादातर ग्रेजुएट्स डिजाइन असिस्टेंट्स के तौर पर इस फील्ड में प्रवेश करते हैं। आप किसी भी बड़ी कंपनी के साथ इंटर्नशिप करके अपना करियर शुरू कर सकते हैं। अनुभव प्राप्त होने के बाद आप चाहें तो फ्रीलांसिंग भी करके अपने क्लाइंट्स के लिए डिजाइन तैयार कर सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

इस फील्ड के प्रोफेशनल्स को रिसर्च एंड डेवलपमेंट, डिजाइन, मेन्यूफैक्चरिंग ऑपरेशंस, सेल्स एंड मार्केटिंग, रिटेल एंड होलसेल, क्वॉलिटी कंट्रोल और मैनेजमेंट जैसे डिपार्टमेंट्स में काम करना होता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट से जुड़े प्रोफेशनल्स अलग-अलग तरह के फुटवियर की डिजाइंस पर रिसर्च करते हैं और उनकी रिसर्च के आधार पर ही डिजाइनर्स डिजाइन तैयार करते हैं। इसके फाइनल होने के बाद प्रोडक्शन का काम शुरू होता है, जिसके बाद क्वॉलिटी चेकिंग होती है। इस तरह हर स्तर के लिए एक ट्रेंड और स्किल्ड प्रोफेशनल से काम लिया जाता है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी
- फुटवेयर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट
- सेंट्रल फुटवेयर ट्रेनिंग सेंटर
- इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंट लेदर वर्किंग स्कूल, मुंबई
- मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

चाहिए ये स्किल्स

एक फुटवियर डिजाइनर में आने वाले ट्रैंड को पहचानने की क्षमता और फैशन की समझ होनी चाहिए। उसके अंदर

अपने आइडियाज को पेपर पर ड्रॉ करने की क्षमता भी होनी चाहिए। साथ ही यह भी अपेक्षित होता है कि उसमें सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता और बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स मौजूद हों।

सैलरी कितनी?

इस फील्ड में शुरुआत में आपको 15-20 हजार रुपए की सैलरी मिलेगी, जो अनुभव के साथ बढ़ेगी। एक अनुभवी प्रोफेशनल को 10-12 लाख या उससे अधिक का भी पैकेज मिल सकता है। फ्रीलांस प्रोफेशनल्स की आय उनकी क्षमता पर निर्भर करती है।

कार्यक्षेत्र में दर्शाएं आत्मविश्वास

ऑफिस में आपको कई ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो अपनी कार्यशैली, क्षमता और प्लानिंग की बदौलत हर काम आसानी से और समय रहते पूरा कर लेते हैं। उनकी बातचीत की शैली और हाव-भाव में गजब का उत्साह दिखता है। ऐसे लोग सहकर्मियों के बीच में लोकप्रिय तो होते ही हैं, बॉस की नजर में भी उनकी छवि एक आत्मविश्वासी और ऊर्जावान प्रोफेशनल्स की बनती है। इस आत्मविश्वास की मजबूती के चलते वे बड़े से बड़ा टास्क लेने से भी नहीं घबराते।

दरअसल आत्मविश्वास भीतर से आता है। अब्राहम लिंकन कई बार चुनाव हारने के बावजूद अमेरिका के राष्ट्रपति बने, यह उनके मजबूत आत्मविश्वास का ही परिणाम था। ऑफिस में काम के दौरान आपका आत्मविश्वास तभी झलकेगा, जब आपकी सोच सकारात्मक रहेगी और काम के प्रति आपका नजरिया स्पष्ट रहेगा। कई ऐसे तरीके हैं, जिनके जरिए ऑफिस में आत्मविश्वास प्रदर्शित कर सकते हैं।

जो भी कहें, यकीन के साथ कहें

ऑफिस में मीटिंग या किसी जरूरी प्रोजेक्ट पर डिस्कशन के दौरान अकसर सभी लोगों की राय ली जाती है। आपको यदि कुछ बोलने का मौका मिले तो अपनी बात पूरे यकीन के साथ कहें। यह तभी संभव है जब आपका विजन स्पष्ट होगा या संबंधित जानकारी से पूरी तरह से लैस रहेंगे। कई शब्द मसलन 'मैं सोच रहा हूं कि... ' या ' मैं पूरी तरह से श्योर तो नहीं हूं पर...' आपकी कमजोरी दर्शाते हैं।

खुद पर भरोसा बढ़ाएंगे ये 7 टिप्स

- बातचीत के दौरान आई कॉन्टेक्ट बनाए रखें।
- कपड़े व बातचीत का तरीका ठीक रखें।
- समय के साथ खुद को अपडेट करते रहें।
- किसी भी काम की पहले स्ट्रेटजी बनाएं।
- अपनी क्षमताओं का आकलन करें।
- नकारात्मक लोगों से दूरी बनाकर रखें।
- अपना काम समय पर पूरा करने की कोशिश करें।

गलतियों से डरें नहीं, सीखें

आप काम करेंगे तो जाहिर सी बात है कि आपसे गलतियां भी होंगी। प्रजेंटेशन के दौरान भी कई बार शब्दों का उच्चारण गलत हो जाता है या बातचीत बीच में ही अटक जाती है। इससे घबराने की जरूरत नहीं है। भविष्य में इस तरह की गलतियां न हों, इसके लिए भी जरूरी चीजें सीखने का प्रयास करें।

बोलने से ज्यादा लोगों की सुनें

आपको कुछ बोलने या प्रजेंटेशन का मौका मिला है तो सिर्फ खुद ही बोलने में न लग जाएं, बल्कि औरों को बोलने का मौका दें या उनकी भी बात सुनें। हो सकता है कि उनके कुछ सुझावों से आपका काम आसान बन जाए या आपके काम को और मजबूती मिले। यदि आप उनको बोलने का मौका ही नहीं देंगे तो वे भी आपकी बात को गंभीरता से नहीं लेंगे।

रिस्क उठाने से न डरें

यदि आगे बढ़ना है तो रिस्क उठाने से पीछे न हटें। आप यह कदम तभी उठा सकेंगे, जब आप आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कई ऐसे अवसर आते हैं, जब आपसे आगे बढ़कर किसी कठिन काम की जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद की जाती है। ऐसे अवसरों का लाभ उठाएं और उत्साहपूर्वक काम करें।

भारत पहली पारी में 86 पर चार विकेट गंवाकर संकट में

मुम्बई, 01 नवंबर (एजेंसियां)। रवींद्र जडेजा (पांच विकेट) और वॉशिंगटन सुंदर (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत शुक्रवार को तीसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को 235 के स्कोर पर समेटने के बाद 86 रन पर रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज और विराट कोहली के विकेट गंवाकर संकट में दिखाई दे रहा है।बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सातवें ही ओवर में कप्तान रोहित शर्मा (18) का विकेट गवां दिया। इसके बाद एजाज पटेल ने यशस्वी जायसवाल (30) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। नाईट वॉचमैन मोहम्मद सिराज आते ही शून्य पर पगबाधा हो कर लौट गये। इसके बाद अखिरी ओवर में विराट कोहली (4) गैरजिम्मेदाराना तरीके से रनआउट हुए। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ने चार विकेट पर 86 रन बना लिये थे और शुभमन गिल (नाबाद 31) और ऋषभ पंत (नाबाद एक) क्रीज पर थे।

न्यूजीलैंड की ओर से एजाज पटेल ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। वहीं मैट हेनरी को एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां वानखेड़े स्टेडियम में

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। न्यूजीलैंड ने सुबह के सत्र में भोजनकाल तक तीन विकेट पर 92 बनाये थे। भोजनकाल के बाद शतक की ओर बढ़ रहे विल यंग (71) को 43वें ओवर में जडेजा ने आउट कर न्यूजीलैंड को चौथा झटका दिया। विल यंग और डेरिल मिचेल के बीच चौथे विकेट के लिये 87 रनों की साझेदारी हुई। इसी ओवर में जडेजा ने टॉम ब्लंडल (शून्य) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। 53वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स (17) को अपना शिकार बनाया। पहले सत्र में न्यूजीलैंड ने 92 पर तीन विकेट गवां थे। वहीं दूसरे सत्र में 100 रन पर तीन विकेट खोये। दूसरे सत्र में दो बल्लेबाजों ने अपने अर्धशतक पूरे किये। तीसरे सत्र की शुरुआत में न्यूजीलैंड ने 43 रन जोड़कर चार विकेट गवांये।

चायकाल के बाद जडेजा ने ईश सोढ़ी (सात) को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद उन्होंने मैट हेनरी (शून्य) को बोल्ड कर दिया। 66वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने डैरिल मिचेल (82) को आउट कर न्यूजीलैंड को बड़ा झटका दिया। इसी ओवर में एजाज पटेल (सात) वॉशिंगटन का चौथे शिकार बने। इसी के साथ न्यूजीलैंड की पहली पारी 65.4 ओवर में 235 पर सिमट गई।

सुबह पहले सत्र में चौथे ओवर में आकश दीप ने डेवने कॉन्वे (चार) को पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विल यंग ने कप्तान टॉम लेथम के साथ दूसरे विकेट के लिये 44 रन जोड़े।

16वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने कप्तान टॉम लेथम (28) को बोल्ड कर भारत की झोली में दूसरा विकेट डाला। इसके बाद रचिन रवींद्र (पांच) को भी वॉशिंगटन ने 20 ओवर में बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने पांच विकेट लिये, वॉशिंगटन सुंदर को चार विकेट मिले। आकाश दीप ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पैराग्लाइडिंग करते समय गिरने से विदेशी पायलट की मौत

शिमला, 01 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की पर्यटन नगरी मनाली के प्रमुख पर्यटन स्थल मढ़ी में पैराग्लाइडिंग करते हुए गिरने से विदेशी महिला की मौत हो गई है। देर से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक यह हादसा गत बुधवार को पेश आया। पुलिस ने मामला दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार चेक गणराज्य की नागरिक मिसुर्सवा डिटा केसका मढ़ी में पैराग्लाडिंग कर रही थीं।

मिसुर्सवा खुद ही पैराग्लाइडर को उड़ा रही थीं। अचानक उसका ग्लाइडर क्रेश हो गया। चोट लगने के कारण महिला को मिशन अस्पताल में लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मनाली के पुलिस उपाधीक्षक केडी शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक महिला के परिजनों को दूतावास के माध्यम से सूचना भेजी गई है।

हादसे की वजह का पता नहीं चल पाया है। वहीं, कुल्लू जिला मुख्यालय के साथ लगती लगघाटी के भुट्टी में एक पैराग्लाइडर ने आपात लैंडिंग की है। विदेशी पायलट ने मनाली से उड़ान भरी थी, लेकिन मौसम अनुकूल न होने के चलते उसे आपात लैंडिंग ही करनी पड़ी। गनीमत यह रही कि इस दौरान कोई हादसा पेश नहीं आया। आपात लैंडिंग करने वाला पायलट रूस का नागरिक है। इसका एक सोशल मीडिया भी वीडियो वायरल हो रहा है।

मालविका बंसोड़ और आयुष शेट्टी हाइलो ओपन के सेमीफाइनल में

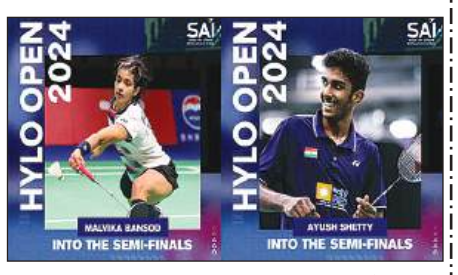

सारब्रुकन (जर्मनी), 01 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड़ और आयुष शेट्टी ने शुक्रवार को हाइलो ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए महिला और पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली। आज यहां बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में छठी वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड़ ने महिला एकल क्वार्टरफाइनल मैच में चौथी वरीयता प्राप्त वियतनाम की गुयेन थ्यू लिन्ह को 21-15, 21-17 से हराया।

23 वर्षीय मालविका बंसोड़ ने पहले गेम की शुरुआत में शानदार खेल का मुजाहिरा किया और 10-2 बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद बैडमिंटन रैंकिंग में मालविका से तीन पायदान ऊपर विश्व नंबर 31 पर काबिज गुयेन थ्यू लिन्ह ने बढ़त को 18-15 से कम कर दिया। हालांकि, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने इसके बाद तीन लगातार अंक हासिल करते हुए पहला गेम 21-15 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारतीय शटलर ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। दूसरे गेम में मालविका 9-3 से लीड कर रही थीं लेकिन गुयेन थ्यू लिन्ह ने इसके बाद कुछ बेहतरीन शॉट्स खेले और स्कोर 17-17 से बराबरी पर ला दिया। भारतीय शटलर ने अंतिम चार अंक हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में बंसोड़ का मुकाबला डेनमार्क की जूली डावल जैकबसेन से होगा। जैकबसेन ने भारत की 17 वर्षीय रक्षिता श्री संतोष रामराज को 21-12, 21-17 से हराया है।

मालविका बंसोड़ का इस साल यह तीसरा सेमीफाइनल होगा। उन्होंने फरवरी में अजरबैजान इंटरनेशनल जीता और जून में वह यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंची। उन्होंने चाइना ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचकर पेरिस 2024 की कांस्य पदक विजेता इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग को हराया था।

वहीं पुरुष एकल वर्ग मे 19 वर्षीय आयुष शेट्टी ने फिनलैंड के काले कोलजोनेन को 21-18, 21-18 से हराया। फाइनल में जगह बनाने के लिए आयुष शेट्टी का मुकाबला फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से होगा। क्रिस्टो पोपोव को भारत के सातवीं वरीयता प्राप्त सतीश कुमार करुणाकरण से वॉकओवर मिला है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

2050 तक मुस्लिम ....

बिगड़ने वाले हैं। शोध के अनुसार 2010 में अफगानिस्तान में 0.4 फीसदी हिंदू थे जो जल्द ही गिरकर 0.3 फीसदी होने वाले हैं।

शोध में यह भी दावा किया गया है कि वर्ष 2050 तक ईसाई और इस्लाम के बाद हिंदू धर्म दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा धर्म बन जाएगा। 31.4 प्रतिशत ईसाई और 29.7 प्रतिशत मुस्लिमों के बाद 14.9 फीसदी हिंदुओं की कुल संख्या हो सकती है। लेकिन हिंदू बहुल देश कहे जाने वाले भारत में इस्लाम को मानने वालों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक होगी।

तिरुपति मंदिर ...

और पारदर्शिता के साथ निभाएंगे। बीआर नायडू जाने माने सामाजिक व्यक्ति हैं। वह भक्ति

चैनल के साथ-साथ तेलुगु टीवी चैनल भी चलाते हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश की एनडीए सरकार ने बुधवार 30 अक्टूबर को टीटीडी के लिए 24 सदस्यों वाला एक नया बोर्ड गठित किया। सरकार ने बीआर नायडू को नवगठित टीटीडी बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया है। भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड की सह-संस्थापक और एमडी सुचित्रा एला को बोर्ड में सदस्य बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही तिरुपति मंदिर के प्रसाद में गाय एवं सुअर का मांस और मछली का तेल पाए जाने पर विवाद बढ़ गया था। इसकी जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। इसके बाद जगन मोहन रेड्डी के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान तिरुपति मंदिर का प्रशासन करने वाले तिरुपति देवस्थानम बोर्ड से जुड़े लोगों पर सवाल उठाया गया था। रेड्डी सरकार ने तिरुपति देवस्थानम बोर्ड को ईसाई और मुस्लिमों के हाथ में सौंप दिया था। जिसके परिणामस्वरूप पूरे देवस्थान अपवित्र कर दिया गया।

इसी साल फरवरी में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने कहा था कि वह मुस्लिम भक्तों के तिरुपति की सेवा करने का रास्ता तलाशेगा। ऐसा मुस्लिम भक्तों के अनुरोध पर करने की बात कही गई थी। बोर्ड ने दावा किया था कि कुछ मुस्लिम भक्तों ने भगवान् वेंकटेश्वर की सेवा करने की मांग बोर्ड से की है। इसे श्रीवरी सेवा के नाम से जाना जाता है। यह एक प्रकार की कारसेवा होती है, इसमें बोर्ड हिंदू श्रद्धालुओं को मंदिर से जुड़े कामों में लगाता है। हिंदू भक्त इसे अपनी श्रद्धानुसार कर सकते हैं, इसके लिए रजिस्ट्रेशन करवाना होता है। इसकी शुरुआत टीटीडी ने वर्ष 2000 में की थी। इस सेवा के तहत मंदिर प्रशासन ऐसे श्रद्धालुओं को 60 से अधिक क्षेत्रों, जैसे कि ट्रांसपोर्ट, साफ सफाई जैसे अन्य कार्यों में लगाता है।

देश में रहेगा...

सीआरपीएफ के महिला और पुरुष बाइकर द्वारा साहसी प्रदर्शन, बीएसएफ द्वारा भारतीय मार्शल आर्ट के संयोजन पर एक शो, स्कूली बच्चों द्वारा पाइप बैंड शो, भारतीय वायु सेना द्वारा सूर्य किरण फ्लाईपास्ट आदि शामिल रहा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास और विश्वास की एकता ही एक भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण को गति देती है। हमारी हर योजना, नीति और नीयत में एकता प्राण शक्ति है। इसे देखकर सरदार साहब की भी आत्मा जहां होगी हमें अवश्य आशीर्वाद दे रही होगी। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भी उद्धृत किया। उन्होंने कहा कि वह कहते थे कि विविधता में एक होकर रहने की हमारी क्षमता की लगातार परीक्षा होती रहेगी जिसे हमें हर परिस्थिति में पास करना आवश्यक है। खुशी है कि पिछले 10 साल में सरकार ने विविधता में एकता को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्ष का कालखंड भारत की एकता और अखंडता के लिए अभूतपूर्व उपलब्धियों से भरा रहा है। आज सरकार के हर काम हर मिशन में राष्ट्रीय एकता की प्रतिबद्धता दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि आज सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष की शुरुआत हो गई है। अगले दो सालों में देश उनकी उपलब्धियां को उत्सव मनाएगा। इस कालखंड में सरकार की हर पहल और मिशन के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की दिशा में किए गए प्रयासों और उपलब्धियां को सम्मान की दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज को भी याद किया। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज हमारी प्रेरणा हैं। उन्होंने आक्रांताओं को खदेड़ने के लिए सबको एक किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 149वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि जब भारत को आजादी मिली थी, तब दुनिया में कुछ लोग थे जो भारत के बिखरने का आकलन कर रहे थे। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि सैकड़ों रियासतों को जोड़कर एक भारत का निर्माण हो पाएगा, लेकिन सरदार पटेल ने ये करके दिखा दिया। पीएम ने कहा कि ये इसलिए संभव हुआ क्योंकि पटेल व्यवहार में यथार्थवादी, संकल्प में सत्यवादी, कार्य में मानवतावादी और ध्येय में राष्ट्रवादी थे।

प्रधानमंत्री ने कहा, एक सच्चे भारतीय होने के नाते, हम सभी का कर्तव्य है कि हम देश की एकता के हर प्रयास को उत्सव और उमंग से भर दें। ऊर्जा, आत्मविश्वास, हर पल नए संकल्प, नई उम्मीद, नई उमंग यही तो उत्सव है। पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर मे अनुच्छेद 370 खत्म करने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, अनुच्छेद-370 को हमेशा-हमेशा के लिए जमीन में गाड़ दिया गया है। पहली बार वहां विधानसभा चुनाव में बिना भेदभाव के मतदान किया गया। पहली बार वहां के मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान की शपथ ली है। यह दृश्य भारत के संविधान निर्माताओं को अत्यंत संतोष देता होगा, उनकी आत्माओं को शांति मिलती होगी और ये संविधान निर्माताओं को हमारी विनम्र श्रद्धांजलि है।

उन्होंने आगे कहा, आज पूरे देश को खुशी है कि आजादी के सात दशक बाद देश में एक देश और एक संविधान का संकल्प भी पूरा हुआ है। सरदार साहब को मेरी ये सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। 70 साल तक बाबा साहेब अंबेडकर का संविधान पूरे देश में लागू नहीं हुआ था। संविधान की माला जपने वालों ने संविधान का ऐसा घोर अपमान किया था। कारण था, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद-370 की दीवार।

कच्चे तेल...

लाख बैरल हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिफाइनरियों ने उच्च गुणवत्ता वाले पेट्रोल-डीजल व अन्य रिफाइंड उत्पादों की आपूर्ति में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की है। इससे उन्हें सऊदी अरब को पीछे छोड़ने का मौका मिला। भारत की यह स्थिति आने वाले समय में और मजबूत हो सकती है।

भारत वित्त वर्ष 2023 में मॉस्को के लिए एक प्रमुख बाजार के रूप में उभरा, क्योंकि पश्चिमी प्रतिबंधों और यूरोप में शिपमेंट पर प्रतिबंध के मद्देनजर रूस ने कच्चे तेल पर भारी छूट दी। पश्चिमी आलोचना के बावजूद, भारत ने अपनी ऊर्जा मांग को रूसी तेल के माध्यम से पूरा करना जारी रखा है। यदि ऐसा नहीं किया गया होता, तो बढ़ती तेल कीमतों के कारण आयातित मुद्रास्फीति के परिणामस्वरूप भारत को गंभीर आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ता।

रूस अपने मूल्य के आधार पर भारत के लिए कच्चे तेल के प्रमुख निर्यातक के रूप में उभरा। रूस से कच्चे तेल का आयात 3.35 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, इसके बाद सऊदी अरब 2.30 बिलियन अमेरिकी डॉलर और इराक से 2.03 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। पश्चिम द्वारा लगाया गया 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल का मूल्य सीमा रूसी तेल राजस्व को सीमित करने और वैश्विक मूल्य विकार से बचने के लिए तेल के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए था।

हर भारतीय ....

का भी आदान-प्रदान हुआ। शुक्रवार को दोनों देशों ने सीमाई समझौते का पालन करते हुए गश्त भी शुरू कर दी है। बताया गया है कि अभी दोनो देशों की सेनाओं ने इस गश्त को डेमचोक सेक्टर में शुरू किया है। हालांकि, आने वाले दिनों में देपसांग सेक्टर में भी भारतीय और चीनी सैनिकों की गश्त शुरू हो सकती है।

अरुणाचल सीमा पर सैनिकों के साथ दिवाली मनाते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सीमा पर बुनियादी ढांचे को देखने के बाद अब हर कोई भारत के सीमा विकास पर गर्व महसूस करेगा। रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश के बुमला में सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाई। इससे पहले उन्होंने तवांग में आर्मी हैलीपेड पर जवानों के साथ दिवाली मनाई। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने चीनी सैनिकों से पूछा कि इतनी ऊंचाई पर सांस लेने में कोई दिक्कत महसूस तो नहीं होती है। इस पर चीनी सैनिकों ने जवाब दिया कि नहीं। फिर केंद्रीय मंत्री बोले ऐसी दिक्कत के लिए ऑक्सीजन सिलिंडर तो रहता होगा। इस पर चीन के जवानों ने हामी भरी। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने भारतीय सेना के जवानों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि 15 हजार फीट की ऊंचाई पर रहकर देश की सेवा करना गर्व की बात है। उन्होंने जवानों को मिठाई का वितरण किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस बार कच्छ में सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाई। पीएम नरेंद्र मोदी ने जवानों का जोश बढ़ाया था। उन्होंने कहा कि जवानों के साथ दिवाली का त्यौहार मनाने का मौका मिलना सबसे बड़ी खुशी है। मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि देश में एक ऐसी सरकार है, जो भारत की एक इंच जमीन के साथ समझौता नहीं कर सकती।

खराब मौसम...

संबोधन की शुरुआत एलएसी के साथ कुछ क्षेत्रों में जमीनी स्थिति को बहाल करने के लिए भारत और चीन द्वारा हासिल की गई व्यापक सहमति का जिक्र करते हुए की। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास इस मामले को अग्रिम मोर्चों पर तैनानी खत्म करने से आगे ले जाने का है लेकिन इसके लिए हमें थोड़ा और इंतज़ार करना होगा। राजनाथ सिंह ने भारत के लौह पुरुष सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रक्षा मंत्री ने मेजर बॉब खथिंग को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। एक असाधारण व्यक्ति खथिंग ने पूर्वोत्तर क्षेत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा में अमूल्य योगदान दिया है। राजनाथ ने कहा कि मेजर खथिंग ने न केवल भारत में तवांग के शांतिपूर्ण एकीकरण का नेतृत्व किया, बल्कि सशस्त्र सीमा बल, नगालैंड सशस्त्र पुलिस और नगा रेजिमेंट सहित आवश्यक सैन्य और सुरक्षा ढांचे की स्थापना भी की। शौर्य संग्रहालय अब उनकी बहादुरी और दूरदर्शिता को श्रद्धांजलि के रूप में खड़ा है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता है।

रक्षा मंत्री ने क्षेत्र की प्रगति में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने असम और तवांग को जोड़ने वाली सेला सुरंग का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अरुणाचल फ्रंटियर हाइवे प्रोजेक्ट पूरे नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र, खासकर सीमावर्ती इलाकों को जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाएगा। दो हजार किलोमीटर लंबा यह राजमार्ग इस क्षेत्र के साथ-साथ पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक और आर्थिक सम्पत्ति साबित होगा।

अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) केटी परनायक, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन और मेजर बॉब खथिंग का परिवार उद्घाटन स्थल पर उपस्थित था। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (पूर्वी कमान) लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी, जीओसी 4 कोर लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह और अन्य वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारी रक्षा मंत्री के साथ इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए।

लेह में भारत...

शुरू किया है, वह अपने आप में बड़ा प्रयोग है। दरअसल, अंतरिक्ष की भाषा में एनालॉग मिशन किसी असली मिशन की नकल की तरह है। इसके तहत वैज्ञानिक कुछ ऐसी जगह चुनते हैं, जो कि अंतरिक्ष या किसी आकाशीय पिंड के वातावरण और माहौल जैसा ही हो। इन जगहों को बाद में तय मानकों के अनुसार तैयार किया जाता है, ताकि ऐसी ही जगहों पर अंतरिक्ष यात्रियों या अन्य आकाशीय पिंडों पर जाने वालो की ट्रेनिंग कराई जा सके।

गौरतलब है कि भारत आने वाले दिनों में कई अहम मिशन की तैयारी कर रहा है। इनमें सबसे अहम है गगनयान मिशन, जिसके तहत भारत पहली बार अंतरिक्ष में यात्री को भेजने वाला है। ऐसे में लेह में इस तरह एनालॉग मिशन की तैयारी अहम है। आने वाले समय में अलग-अलग आकाशीय पिंडों पर मिशन के लिए भी यह एनालॉग मिशन अहम साबित होंगे, जिनके जरिए अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षण मिलेगा।

लद्दाख अपनी भूवैज्ञानिक विशेषताओं के लिए अहम है। यहां की स्थितियां कुछ हद तक चांद और मंगल ग्रह की स्थितियों से मेल खाती हैं। यहां का ठंडा और शुष्क वातावरण, ऊंचाई वाला क्षेत्र अलग-अलग तकनीकों और लंबी अवधि के अंतरिक्ष के मिशनों के लिए तैयारियों को परखने के लिए उपयुक्त माना जाता है।

दंगा पीड़ितों...

विधायक ने दिल्ली वक्फ बोर्ड से मंजूरी लिए बिना ही दिल्ली वक्फ बोर्ड राहत समिति का गठन किया। प्रवर्तन निदेशालय ने यह भी कहा कि एजेंसी ने अमानतुल्ला पर अपने चुनावी हलफनामे में आश्रितों के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी थी। मरियम सिद्दीकी की शादी अमानतुल्ला खान से हुई थी और वह अमानतुल्ला खान की पूरी तरह से आश्रित हैं। हलफनामे में यह बताना चाहिए था कि उसके पास आय का कोई ज्ञात स्रोत नहीं है और उसने कोई आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया है।

जांच में यह भी पाया गया है कि अमानतुल्ला खान ने साल 2020 में अपनी दूसरी बीवी मरियम सिद्दीकी के नाम पर 19 लाख रुपए की अचल सम्पत्ति खरीदी थी। उसने इस सम्पत्ति का भुगतान आंशिक रूप से नकद और आंशिक रूप से अपने करीबी सहयोगी जीशान हैदर से ली गई राशि से किया गया था। जिस सम्पत्ति को उसने खरीदा वह सम्पत्ति जावेद इमाम सिद्दीकी की थी।एजेंसी का दावा है कि दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में विधायक के रूप में गलत तरीके से कमाए गए अमानतुल्ला के पैसों का सारा प्रबंधन हैदर और दाऊद नासिर कर रहे थे। इसका इस्तेमाल उसने कौसर इमाम सिद्दीकी के माध्यम से ओखला क्षेत्र में 275-276, टीटीआई तिकोना पार्क में एक सम्पत्ति खरीदने के लिए नकद भुगतान करने के लिए किया। ईडी ने दावा किया है कि कौसर इमाम सिद्दीकी द्वारा हस्तलिखित सफेद डायरी को जब्त करने के बाद उससे पता चला है कि तिकोना पार्क में इस सम्पत्ति की खरीद के लिए अमानतुल्ला के करीबी सहयोगियों द्वारा 27 करोड़ रुपए का नकद भुगतान किया गया था। ईडी ने कहा कि विक्रेता जावेद इमाम सिद्दीकी और उसकी बीवी के बैंक खातों में बड़ी मात्रा में संदिग्ध नकदी जमा मिली है।

इस मामले में अमानतुल्ला खान, हैदर, दाऊद नासिर, कौसर इमाम सिद्दीकी और जावेद इमाम सिद्दीकी को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ये सभी फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। इस मामले में अमानतुल्ला खान को छोड़कर सभी आरोपियों के खिलाफ पहली चार्जशीट ईडी ने इस साल जनवरी में ही दाखिल कर दी थी। अमानतुल्ला खान के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के दो मामले है दर्ज हैं। एक वक्फ बोर्ड में कथित अनियमितताओं के संबंध में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का मामला और दूसरी दिल्ली पुलिस की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई द्वारा दर्ज कथित आय से अधिक सम्पत्ति का मामला है। इनमें मनी लॉन्ड्रिंग की जांच ईडी कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली का हिंदू विरोधी दंगा फरवरी 2020 में हुआ था। हालांकि, इसकी तैयारी महीनों पहले से की जा रही थी। इसमें हिंदुओं को निशाना बनाया था। हालांकि, दिल्ली की सरकार ने मुस्लिमों के लिए कई तरह राहत कार्य उपलब्ध कराए थे। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने मुस्लिमों के लिए 800 महिलाओं और 700 पुरुषों वाला बिस्तर एक शिविर स्थापित किया था। दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में अमानतुल्ला खान ने जिन मुस्लिमों के घर एवं दुकान बर्बाद हुए थे, उन्हें बनवाने एवं उनकी मरम्मत के लिए 50 लाख रुपए आवंटित किए थे। मार्च 2020 में अमानतुल्लाह खान ने कहा था कि जिन मुस्लिमों के घरों-दुकानों को नुकसान पहुंचा है, उनकी मरम्मत कराने में दिल्ली वक्फ बोर्ड मदद करेगा। इसके लिए कंस्ट्रक्शन समिति का भी गठन किया था।

इसी दौरान वक्फ बोर्ड ने कथित तौर पर क्षतिग्रस्त हुई 19 मस्जिदों की मरम्मत का काम भी शुरू किया था। अमानतुल्ला खान ने कहा था, मरम्मत का काम अशोक नगर की जामा मस्जिद से शुरू हुआ है। इसके लिए वक्फ बोर्ड ने 5 लाख रुपए की अग्रिम राशि जारी कर दी है। बोर्ड ने बोर्ड ने मुस्तफाबाद में भी मुस्लिमों के लिए एक राहत शिविर भी स्थापित किया था।

दुनियाभर में...

बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हमला किया जा रहा है और लूटपाट की जा रही है, जो पूरी तरह से अराजकता की स्थिति में है। मेरे कार्यकाल में ऐसा कभी नहीं हुआ होता। कमला और जो बाइडेन ने दुनिया भर में और अमेरिका में हिंदुओं की अनदेखी की है। वे इज़राइल से लेकर यूक्रेन और हमारी अपनी दक्षिणी सीमा तक तबाही मचा चुके हैं, लेकिन हम अमेरिका को फिर से मजबूत बनाएंगे और ताकत के जरिए शांति वापस लाएंगे। मेरे प्रशासन के तहत, हम भारत और मेरे अच्छे मित्र प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी महान साझेदारी को भी मजबूत करेंगे। साथ ही, सभी को दिवाली की शुभकामनाएं। मुझे उम्मीद है कि रौशनी का यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत की ओर ले जाएगा।

ट्रंप के इस बयान पर भारतीय-अमेरिकियों ने ट्रंप की तारीफ की है। हिंदूज फॉर अमेरिका के संस्थापक और अध्यक्ष उत्सव संदुजा ने कहा कि वह ट्रंप के इस बयान के शुक्रगुजार हैं। उन्होंने कहा कि कमला हैरिस ने अब तक इस मुद्दे पर कुछ नहीं कहा है और लगता है कि इस चुनाव में बड़ा बदलाव आने वाला है। हिंदू एक्शन संस्थान ने भी ट्रंप के बयान के लिए उनका शुक्रिया जताया। संस्थान ने कहा, जैसा कि उन्होंने (ट्रंप ने) सही जिक्र किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति बदतर है। आपका शुक्रिया कि आपने नैतिक स्पष्टता दिखाई और बांग्लादेश में हिंदू विरोधी हिंसा की निंदा की।

जानिए क्यों मनाया जाता है भाई दूज यह है इसकी कहानी और महत्व

भाई दूज का पर्व दीपावली के तीसरे दिन आता है। यह रक्षा बंधन के बाद महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह दिन भाइयों और बहनों के बंधन को मनाता है और मजबूत करता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र, समृद्धि और खुशहाली की कामना करती हैं। इसके अलावा, वे तब तक उपवास रखती हैं, जब तक वे अपने भाई के माथे पर तिलक नहीं लगातीं।

यह दिन हिंदू कार्तिक महीने में शुक्ल पक्ष के दूसरे चंद्र दिवस पर पड़ता है। देश के दक्षिणी भाग में इस दिन को यम द्वितीया के रूप में मनाया जाता है। कायस्थ समुदाय में, दो भाई दूज मनाए जाते हैं। सबसे ज्यादा मशहूर दीवाली के बाद दूसरे दिन आता है। लेकिन कम प्रसिद्ध दीवाली के एक या दो दिन बाद मनाया जाता है। साथ ही इस दिन वे भगवान चित्रगुप्त की पूजा करते हैं और कलम दावत पूजा करते हैं।

भाई दूज –यह दिन दिवाली महोत्सव के पांचवें दिन मनाया जाता है। इस साल यह 2 नवंबर 2024 यानी शनिवार को मनाया जाएगा।

कथा और इतिहास

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, राक्षस नरकासुर को मारने के बाद, भगवान कृष्ण अपनी बहन सुभद्रा से मिलने गए, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने भगवान कृष्ण के माथे पर तिलक भी लगाया और तब से यह दिन भाई दूज के रूप में मनाया जाता है। एक और कहानी मृत्यु के देवता यम के इर्द-गिर्द घूमती है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, मृत्यु के देवता यम ने इस दिन अपनी प्यारी बहन यमुना से मुलाकात की थी। अपनी बहन से स्वागत करने के बाद, यम ने घोषणा की कि जो कोई भी इस दिन अपनी बहन से तिलक प्राप्त करेगा, उसे लंबी आयु और समृद्धि प्रदान की जाएगी।

हिंदू ग्रंथों के अनुसार, यम द्वितीया पर अपनी प्यारी बहन यमुना से मिलने गए थे। देवी यमुना ने अपने भाई का तिलक और माला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने लंबे समय के बाद एक साथ भोजन किया और उपहारों का आदान-प्रदान किया। अपनी बहन से गर्मजोशी से स्वागत करने के बाद, यम ने घोषणा की कि जो कोई भी इस दिन अपनी बहन से तिलक प्राप्त करेगा, उसे लंबी आयु और समृद्धि प्रदान की जाएगी।

ऐसे करें भाई दूज पर तिलक रखें इन बातों का ध्यान

सनातन धर्म में भाई दूज का पर्व बेहद खास माना गया है। यह हर साल कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। आमतौर पर यह दिन दीपावली के दो दिन बाद और गोवर्धन पूजा के एक दिन बाद आता है। यह पर्व भाई-बहन के बीच प्यार और पवित्र बंधन का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस शुभ दिन पर बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाती हैं और उनके लिए स्वादिष्ट भोजन बनाती हैं, जबकि भाई उन्हें उपहार देते हैं और उनकी सदैव रक्षा करने का अमिट वादा करते हैं।

बता दें, इसे भैया दूज, भाऊ बीज, भात्र द्वितीया, भाई द्वितीया और भातृ द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है, तो चलिए इस दिन से जुड़ी प्रमुख बातों को जानते हैं।

इन चीजों से करें भाई का तिलक

भाई दूज पर कुमकुम, केसर, हल्दी, चंदन आदि चीजों का तिलक करना उत्तम माना जाता है। ऐसे में आप इनमें से किसी भी चीज से तिलक कर सकते हैं, जिनका अपना-अपना महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इन चीजों के तिलक से भाई को सुरक्षा, सफलता, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। वहीं, तिलक के दौरान कुछ चीजों का भी ध्यान रखना चाहिए, तभी तिलक पूर्ण होता है।

तिलक के दौरान इन बातों का रखें ध्यान

भाई दूज के शुभ अवसर पर भाई के माथे पर तिलक करते समय इस बात का ध्यान रखें कि भाई का मुख उत्तर या उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए। वहीं, बहन का मुख उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

* तिलक के दौरान भाई को लकड़ी की चौकी पर बिठाएं, किसी कुर्सी या फिर खड़े होने के दौरान तिलक न करें।
* टीका करने के बाद भाई की कलाई पर मौली धागा जरूर बांधें और आरती करें।
* भाई दूज के दौरान शुभ मुहूर्त पर ही तिलक की रस्म पूर्ण करें।
* तिलक करने से पहले अपने भाईयों से बहनें उपहार न लें।
* इस दिन भाई और बहन सात्विक भोजन ही करें।
* इस मौके पर मांसाहार से बचें।

अंतिम लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस दिन भाई-बहन आपस में लड़ाई-झगड़ा न करें, क्योंकि यह बहुत ही शुभ दिन होता है।

गोवर्धन पूजा के दिन श्रीकृष्ण को लगाएं 56 भोग, करें इस चालीसा का पाठ

सनातन धर्म में गोवर्धन पूजा का खास महत्व है। यह पांच दिवसीय दीपोत्सव या रोशनी के त्योहार में से एक है, जो दीवाली के बाद आता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल गोवर्धन पूजा 2 नवंबर, 2024 दिन शनिवार को मनाई जाएगी। ऐसी मान्यता है कि जो लोग इस दिन भगवान कृष्ण की पूजा करते हैं, उन्हें सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी प्रकार की समस्याओं से मुक्ति मिलती है, तो आइए इस दिन से जुड़ी कुछ महत्व-पूर्ण बातों को जानते हैं।

कान्हा जी को अर्पित करें ये छप्पन भोग

56 भोग की लिस्ट में पंजीरी, माखन-मिश्री, खीर, रसगुल्ला, जलेबी, रबड़ी, जीरा-लड्डू, मालपुआ, मोहनभोग, मूंग दाल हलवा, घेवर, पेड़ा, काजू-बादाम बर्फी, पिस्ता बर्फी, पंचामृत, गोघृत, शक्कर पारा, मठरी, चटनी, मुरब्बा, आम, केला, अंगूर, सेब, आलूबुखारा, किशमिश, पकौड़े, साग, दही, चावल, कढ़ी, चीला, पापड़, खिचड़ी, बैंगन की सब्जी,

दूधी की सब्जी, पूड़ी, टिक्की, दलिया, देसी घी, शहद, सफेद-मक्खन, ताजी क्रीम, कचौरी, रोटी, नारियल पानी, बादाम का दूध, छाछ, शिकंजी, चना, मीठे चावल, भुजिया, सुपारी, सौंफ, पान और मेवा आदि चीजें शामिल हैं। भगवान कृष्ण को इन्हें अर्पित करके आप उनकी पूर्ण कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

।।श्री गिरिराज चालीसा।।

बंदहु वीणा वादिनी, धर गणपति कौ ध्यान ।
महाशक्ति राधा सहित, कृष्ण करौ कल्याण ।
सुमिरन कर सब देवगण, गुरु-पितु बारम्बार ।
वरणों श्री गिरिराज यश, निज मति के अनुसार
जय हो जग बंदित गिरिराजा ।
ब्रज मण्डल के श्री महाराजा ।।
विष्णु रूप तुम हो अवतारी ।
सुन्दरता पर जग बलिहारी ।।
स्वर्ण शिखर अति शोभा पावें ।
सुर-मुनिगण दरशन कुं आवें ।।
शांत कंदरा स्वर्ग समाना ।
जहां तपस्वी धरते ध्याना ।।
द्रोणागिरि के तुम युवराजा ।
भक्तन के साधौ हौ काजा ।।
मुनि पुलस्त्य जी के मन भाये ।
जोर विनय कर तुम कूं लाये ।।
मुनिवर संग जब ब्रज में आये ।
लखि ब्रजभूमि यहां ठहराये ।।
बिष्णु-धाम गौलोक सुहावन ।
यमुना गोवर्धन वृन्दावन ।।
देव देखि मन में ललचाये ।
बास करन बहु रूप बनाये ।।
कोउ वानर कोंउ मृग के रूपा ।
कोउ वृक्ष कोउ लता स्वरूपा ।।
आनंद लें गोलोक धाम के ।
परम उपासक रूप नाम के ।।
द्वापर अंत भये अवतारी ।
कृष्णचन्द्र आनंद मुरारी ।।
महिमा तुम्हरी कृष्ण बखानी ।
पूजा करिबे की मन ठानी ।।
ब्रजवासी सब लिये बुलाई ।
गोवर्धन पूजा करवाई ।।
पूजन कूं व्यंजन बनवाये ।
ब्रज-वासी घर घर तें लाये ।।
ग्वाल-बाल मिलि पूजा कीनी ।
सहस्त्र भुजा तुमने कर लीनी ।।
स्वयं प्रकट हो कृष्ण पुजावें ।
माँग-माँग के भोजन पावें ।।
लखि नर-नारी मन हरषावें ।
जै जै जै गिरवर गुण गावें ।।
देवराज मन में रिसियाए ।
नष्ट करन ब्रज मेघ बुलाए ।।
छाया कर ब्रज लियौ बचाई ।
एकऊ बूँद न नीचे आई ।।
सात दिवस भई बरखा भारी ।
थके मेघ भारी जल-धारी ।।
कृष्णचन्द्र ने नख पै धारे ।
नमो नमो ब्रज के रखवारे ।।
कर अभिमान थके सुरराई ।
क्षमा मांग पुनि अस्तुति गाई ।।
त्राहिमाम मैं शरण तिहारी ।
क्षमा करौ प्रभु चूक हमारी ।।
बार-बार बिनती अति कीनी ।
सात कोस परिकम्मा दीनी ।।
सँग सुरभी ऐरावत लाये ।
हाथ जोड़ कर भेंट गहाये ।।
अभयदान पा इन्द्र सिहाये ।
करि प्रणाम निज लोक सिधाये ।।
जो यह कथा सुनें, चित लावें ।
अन्त समय सुरपति पद पावें ।।
गोवर्धन है नाम तिहारौ ।
करते भक्तन कौ निस्तारौ ।।
जो नर तुम्हरे दर्शन पावें ।
तिनके दुःख दूर ह्वै जावें ।।
कुण्डन में जो करें आचमन ।
धन्य-धन्य वह मानव जीवन ।।
मानसी गंगा में जो नहावें ।
सीधे स्वर्ग लोक कूं जावें ।।
दूध चढ़ा जो भोग लगावें ।
आधि व्याधि तेहि पास न आवें ।।
जल, फल, तुलसी-पत्र चढ़ावें ।
मनवांछित फल निश्चय पावें ।।
जो नर देत दूध की धारा ।
भरौ रहै ताकौ भंडारा ।।
करें जागरण जो नर कोई ।
दुःख-दारिद्रय-भय ताहि न होई ।।
श्याम शिलामय निज जन त्राता ।
भुक्ति-मुक्ति सरबस के दाता ।।
पुत्रहीन जो तुमकूं ध्यावै ।
ताकूं पुत्र-प्राप्ति ह्वै जावै ।।
दंडौती परिकम्मा करहीं ।
ते सहजही भवसागर तरहीं ।।
कलि में तुम सम देव न दूजा ।
सुर नर मुनि सब करते पूजा ।।
।।दोहा।।
जो यह चालीसा पढ़े, सुनें शुद्ध चित्त लाय ।
सत्य सत्य यह सत्य है, गिरवर करें सहाय ।
क्षमा करहुँ अपराध मम, त्राहिमाम गिरिराज ।
देवकीनन्दन शरण में, गोवर्धन महाराज ।।
।। श्री गिरिराज चालीसा सम्पूर्ण ।।

गोवर्धन पूजा पर जरूरी है इस कथा का पाठ, इसके बिना अधूरा है व्रत

गोवर्धन पूजा का हिंदू धर्म में बड़ा ही धार्मिक महत्व है। इस पर्व को अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। यह शुभ दिन भगवान कृष्ण की पूजा के लिए बहुत उत्तम माना जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, श्री कृष्ण को समर्पित यह पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। इस साल गोवर्धन पूजा 2 नवंबर 2024 को मनाई जाएगी।

जिसका लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो आइए इस शुभ दिन को और भी खास बनाने के लिए गोवर्धन कथा का पाठ करते हैं, जिससे कृष्ण जी की कृपा प्राप्त हो सके।

गोवर्धन पूजा, तिथि और पूजन समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 01 नवंबर को शाम 06 बजकर 16 मिनट से होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 02 नवंबर को रात 08 बजकर 21 मिनट पर होगा। ऐसे में गोवर्धन पूजा का पर्व 02 को मनाया जाएगा। इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 34 मिनट से 08 बजकर 46 मिनट तक रहेगा।

गोवर्धन पूजा की कथा

सनातन धर्म में गोवर्धन पूजा का खास महत्व है। इस दिन भगवान कृष्ण की पूजा होती है। इस शुभ दिन को लेकर कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। हिंदू धर्मग्रंथ, भागवत पुराण के अनुसार, एक समय की बात जब गोकुलवासी इंद्र देव की पूजा करते थे, लेकिन एक दिन भगवान कृष्ण ने उन्हें भगवान इंद्र की पूजा न करने और गोवर्धन पहाड़ी की पूजा करने के लिए कहा।सभी लोगों ने कृष्ण की बात मानकर अन्नकूट की पूजा प्रारंभ कर दी। इस बात से भगवान इंद्र अति क्रोधित हो गए और उन्होंने मूसलाधार बारिश करना शुरू कर दिया, जिससे गोकुल में कोहराम मच गया। तब भगवान कृष्ण ने गोकुलवासियों को भगवान इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए पूरे गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठा लिया था। श्रीकृष्ण की दिव्य शक्तियों को पहचानकर इंद्र देव शांत हो गए और उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ, जिसके लिए उन्होंने क्षमा मांगी और बारिश बंद कर। तभी से गोवर्धन पर्वत की पूजा की शुरुआत हुई।

गोवर्धन पूजा क्यों की जाती है? क्या है अन्नकूट का संबंध जानें श्रीकृष्ण और वृंदावनवासियों के बीच का संबंध

हिंदू धर्म में हर त्योहार का अपना महत्व माना गया है। दिवाली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की परंपरा सदियों से चली आ रही है। हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा की जाती है। इस दौरान घर के बाहर गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाया जाता है और उसकी पूजा की जाती है। गोवर्धन पूजा में गायों की पूजा का भी विशेष महत्व है। इस दिन भगवान कृष्ण ने वृंदावन के लोगों को वर्षा देवता इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए एक दिव्य कार्य किया था।

क्यों मनाया जाता है गोवर्धन पूजा का पर्व?

गोवर्धन पूजा का उत्सव भागवत पुराण में बताई गई पौराणिक कथाओं पर आधारित है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान कृष्ण ने वृंदावन के लोगों से कहा कि वर्षा के देवता इंद्रदेव को प्रसाद चढ़ाने के बजाय गोवर्धन पर्वत की पूजा की जाए। जब इंद्रदेव को इस बारे में पता चला तो वे क्रोधित हो गए और उन्होंने वृंदावन पर मूसलाधार बारिश करनी शुरू कर दी। इस बारिश ने जल्द ही भयावह रूप ले लिया। इस बारिश से वृंदावन वासियों को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया, जिससे लोगों और जानवरों की इस भारी आपदा से रक्षा कर सकें।

7 दिनों के बाद नीचे रखा पर्वत : गोवर्धन पर्वत के नीचे 7 दिन तक सभी वृंदावन के वासी बारिश से बचने के लिए उसकी छाया में रहे। इसके बाद ब्रह्माजी ने इंद्रदेव को बताया कि पृथ्वी पर भगवान विष्णु ने ही श्रीकृष्ण के रूप में जन्म लिया है। ऐसे में उनसे बैर लेना उचित नहीं। ये जानकर इंद्रदेव ने भगवान श्रीकृष्ण से माफी मांगी। फिर भगवान श्रीकृष्ण ने 7वें दिन गोवर्धन पर्वत को नीचे रखा। फिर श्रीकृष्ण ने हर साल गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी। तब से लेकर अब तक गोवर्धन पूजा का उत्सव अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा।

इन गुणों के चलते मां लक्ष्मी श्रीहरि को मान बैठी थीं पति, बेहद रोचक है वजह

हिंदू धर्म में भगवान विष्णु और लक्ष्मी माता की पूजा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो साधक श्रीहरि विष्णु की पूजा भक्तिपूर्ण करते हैं, उन्हें वे प्रसन्न होकर मनचाहा वर प्रदान करते हैं। साथ ही उन जातकों के ऊपर माता लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। वहीं, आज हम भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के विवाह को लेकर कुछ ऐसी रोचक बातें साझा करेंगे, जिसे जानकर आपको हैरानी होगी, तो आइए जानते हैं कि आखिर किन गुणों को देखकर धन की देवी मां लक्ष्मी ने श्रीहरि को अपना पति मान लिया था।

इन गुणों की वजह से मां लक्ष्मी ने किया था नारायण से विवाह

श्रीमद्भागवत पुराण के अष्टम स्कंध में लक्ष्मी माता के श्रीहरि के साथ विवाह को लेकर एक कथा है। इस पुराण में बताया गया है कि माता लक्ष्मी यह चाहती थीं कि किसी ऐसे उत्तम गुणों से युक्त पुरुष से उनका विवाह हो, जिनमें कोई कमी न हो, लेकिन इस पूर्ण जगत में उन्हें ऐसा कोई नहीं मिला, जो उन्हें पसंद आए।

हालांकि बहुत इंतजार और तलाश के पश्चात लक्ष्मी जी को वे सभी गुण जगत के पालनहार भगवान विष्णु में दिखाई दिए। इसलिए उन्होंने वर के रूप में विष्णु जी को चुन लिया। भगवान विष्णु में धर्म, प्रेम, त्याग और ऐश्वर्य आदि के गुण हैं। वे अनासक्त हैं। उन्होंने क्रोध और काम पर विजय प्राप्त कर ली है। उनके पास धर्म और प्रेम दोनों है।उनका ऐश्वर्य दूसरों पर आश्रित नहीं है। उनका मन सरल है। वे सृष्टि का पालन-पोषण करने वाले उदारमना हैं। यही वजह है कि धन की स्वामिनी ने उन्हें अपने स्वामी के रूप में स्वीकार कर लिया था।

देवी लक्ष्मी की कृपा हेतु करें ये कार्य

अगर आप मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको उनकी श्रीहरि के साथ आराधना करनी चाहिए, क्योंकि मां वहां पर सदैव के लिए विराजमान होती हैं, जहां पर उनके साथ विष्णु जी की पूजा होती है। इसके साथ ही पूजा-पाठ और दान-पुण्य से जुड़े रहना चाहिए, क्योंकि यही वह चीजें हैं, जिससे आप देवी की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

इसके अलावा हरिप्रिया के इस मंत्र ''ॐ भूरिदा भूरि देहिनो, मा दक्षं भूर्या भर भूरि घेदिन्द्र दित्ससि । ॐ भूरिदा त्यसि श्रुतः पुरुत्रा शूर वृत्रहन् । आ नो भजस्व राधसि ।।'' का जाप करना चाहिए। इससे धन में वृद्धि होती है।

एडवांस बुकिंग में सिंघम अगेन पर भारी पड़ रही भूल भुलैया 3

बॉलीवुड की दो बड़ी फ्रेंचाइजी की फिल्में सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 इस दिवाली पर एक साथ रिलीज होने जा रही है। सिंघम अगेन रोहित शेट्टी की मल्टी स्टारर फिल्म है जिसमें अजय देवगन लीड रोल में हैं वहीं भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन लीड रोल में हैं। दोनों ही फिल्में 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दोनों फिल्मों की कुछ सिनेमाघरों में एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। आइए जानते हैं कितनी है दोनों फिल्मों की प्रीसेल।दोनों फिल्मों के लिए एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है, लेकिन ये सीक्वेंस वाइज होगी और शुरुआत में केवल चुनिंदा पीवीआर-आईएनअ-ेएक्स में ही होगी। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार भूल भुलैया 3 की प्री सेल सिंघम अगेन से एक दिन पहले शुरू हुई थी इसने 29 अक्टूबर को सुबह 3 बजे तक 34289 टिकटें बेच दी हैं, जिससे कुल 88।02 लाख रुपये की कमाई हुई है। इस बीच सिंघम अगेन की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई जिसने कुछ घंटों के अंदर ही 18।46 लाख रुपये की 4901 टिकट बेचे हैं। ये शुरुआती आंकड़े ब्लॉक सीटों और ट्रैक किए गए शो को दर्शाते हैं।स्क्रीन स्पेस की लड़ाई में दोनों फिल्मों के बीच होड़ देखने को मिली और इसके परिणामस्वरूप, प्रीसेल सामान्य से देर से शुरू हुई। सिंघम अगेन को अलग-अलग जगहों पर टोटल शोकेसिंग का 56त्न हिस्सा मिलेगा, जबकि भूल भुलैया 3 को 46% हिस्सा मिलेगा, यह एक ऐसा विभाजन है जो आने वाले दिनों में सिनेमाघरों द्वारा धीरे-धीरे ज्यादा प्रीमियम और इंडिपेंडेंट स्क्रीन खोलने के साथ विकसित हो सकता है।

सिंघम अगेन को रोहित शेट्टी ने डायरेक्ट किया है इसमें अजय देवगन ने लीड रोल प्ले किया है। वहीं अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, करीना कपूर, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोणस, अर्जुन कपूर जैसे कलाकार इसमें अहम रोल प्ले कर रहे हैं। वहीं भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन लीड रोल में हैं वहीं विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, तृप्ति डीमरी, विजयराज जैसे कलाकार अहम रोल प्ले कर रहे हैं। दोनों फिल्में दिवाली के मौके पर 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जबरदस्त एक्शन और सस्पेंस से भरपूर सिटाडेल हनी बनी

वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु का दिखा धांसू अवतार

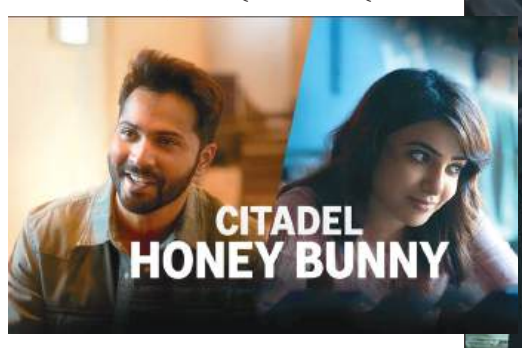

पिछले लंबे समय से वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु अपनी आने वाली वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी को लेकर चर्चा में हैं।यह प्रियंका चोपड़ा की अमेरिकी ड्रामा वेब सीरीज सिटाडेल का भारतीय संस्करण है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।अब निर्माताओं ने सिटाडेल हनी बनी का नया ट्रेलर जारी कर दिया है, जो जबरदस्त एक्शन और सस्पेंस से भरपूर है।ट्रेलर में वरुण और सामंथा जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं।सीरीज के ट्रेलर की शुरुआत सामंथा द्वारा हमलावरों से अपनी बेटी को बचाने की जद्दोजहद के साथ होती है। अभिनेत्री बेटी के कानों में हेडफोन लगाने और उसे सुरक्षित रखने के लिए एक ट्रंक में छिपाती हैं।इसके बाद ट्रेलर में पता चलता है कि सामंथा को वरुण ने जासूस बनने की ट्रेनिंग दी थी, जो एक स्टंट आर्टिस्ट है। एक दिन वरुण, सामंथा के घर जाता है। किसी बात पर उनके बीच लड़ाई हो जाती है और इसके बाद सामंथा उसे बताती है कि वह उसकी बेटी का पिता है और उससे मिलवाती है।सिटाडेल: हनी बनीढ़ सीरीज का निर्देशन राज एंड डीके (राज निदिमोरु और कृष्णा डीके) ने किया है और इसे सीता आर मेनन ने राज एंड डीके के साथ मिलकर लिखा है। इस सीरीज में वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु के साथ केके मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार और काशवी मजूमदार भी अहम रोल में हैं।सिटाडेल: हनी बनी हॉलीवुड में बनी सीरीज सिटाडेल की कॉपी है। सिटाडेल में प्रियंका चोपड़ा जोनस और रिचर्ड मैडेन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सामंथा रुथ प्रभु ने कहा था कि यह सीरीज दिखावटी नहीं है और हाई-टेक गैजेट्स और तकनीक से भरपूर है।उन्होंने कहा कि सीरीज के हर एक कैरेक्टर वास्तव में भरोसेमंद हैं, जो कि असाधारण परिस्थितियों में रखे गए सामान्य लोग हैं।अभिनेत्री ने आगे कहा सिटाडेल ने मुझे बहुत आकर्षित किया। मेरा यह भी मानना है कि शो को नब्बे के दशक में सेट करना एक शानदार कदम था।वरुण और सामंथा के अलावा वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी में केके मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार और काशवी मजमुंदर जैसे सितारों ने भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है।इस सीरीज का प्रीमियर 7 नवंबर, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है।इसके निर्देशक की कमान राज और डीके ने संभाली है, वहीं सीरीज की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।

नाना पाटेकर की वनवास 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

पिछले लंबे समय से दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अपनी आगामी फिल्म वनवास को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान गदर और गदर 2 के निर्देशक अनिल शर्मा ने संभाली है।इस फिल्म में अनिल के बेटे और अभिनेता उत्कर्ष शर्मा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।अब वनवास का टीजर रिलीज हो गया है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी एक पिता और बेटे के रिश्ते पर आधारित है।वनवास इस साल क्रिसमस के खास मौके पर यानी 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना वरुण धवन और एटली की फिल्म बेबी जॉन से होगा, जो इस साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।वनवास में नाना पाटेकर और उत्कर्ष के अलावा खुशबू सुंदर, राजपाल यादव, सिमरत कौर रंधावा, मनीष वाधवा और अश्विनी कालसेकर समेत कई और कलाकार भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।फिल्म में नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा का अभिनय एक बार फिर से दर्शकों को मनोरंजन देने का वादा करता है। टीजर से सामने आया फिल्म का हर संवाद दिल को छू जाता है।अनिल शर्मा की बेहतरीन कहानी और दमदार कलाकारों की टीम वनवास को शानदार तरीके से दर्शकों के सामने पेश करती है।

पिता और बेटे के रिश्ते पर आधारित है कहानी

अनिल शर्मा 2023 में आई अपनी ब्लॉकबस्टर गदर 2 के साथ वापस लौटे हैं। सनी देओल और उत्कर्ष शर्मा की गदर 2 ने दुनिया भर में धूम मचा दी और बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में कामयाब रही।गदर 2 हर मामले में कमाल रही। इस फिल्म ने सनी देओल के साथ अमीषा पटेल के करियर में नई जान फूंक दी। सनी देओल जल्द ही लाहौर 1947 में नजर आएंगे।

फेम के लिए मन्नारा ने लिया चोपड़ा सरनेम

आपको भी बता दे कि ये प्रियंका और परिणीति चोपड़ा की ही फ़ैमिली से आती हैं। मन्नारा- परिणीति और प्रियंका की ही कजिन सिस्टर हैं और बहनों की तरह की एक ऐक्टर भी लेकिन मनारा साउथ मूवीज की फेमस हिरोइन है। नहीं मिली बहन प्रियंका- परी जैसी सक्सेस बॉलीवुड में भी उन्होंने एंट्री ली थी लेकिन बहनों जैसे उनको सक्सेस नहीं मिल पाई। प्रियंका और परिणीति ने जहां बॉलीवुड में जगह बनाई, वहीं मनारा, साउथ इंडस्ट्री में ज्यादा फेमस रही हैं और अब वह बिग बॉस के घर में अपनी जगह बनाए हुए है हालांकि उन्हें वह ओवर एक्टिंग की क्वीन भी कहते हैं और इन दिनों तो वो अंकिता से लड़ाई करने की वजह से लाइमलाइट में है। चलिए मनारा की ज़िंदगी के कुछ षरलीी आपको बताते हैं।

मन्नारा भी पंजाब के अंबाला में ही 25 मई, 1991 को पैदा हुई हैं हालांकि मन्नारा की पढ़ाई दिल्ली से हुई हैं। मनारा का शायद आप रियल नेम नहीं जानते। मनारा का रियल नेम बार्बी हांडा है। फ़िल्मों में उन्होंने अपना नाम चेंज किया है। उन्होंने बीबीए की पढ़ाई करने के बाद फैशन डिजाइनर का कोर्स किया। मन्नारा , प्रियंका के पिता की बहन की बेटी हैं, यानी की वह प्रियंका की बुआ की बेटी लगती हैं। इस तरह से प्रियंका- परिणीति, उनकी ममेरी बहनें हुई। फिल्मों में आने से पहले मन्नारा ने मॉडलिंग से शुरुआत की थी।

और कई विज्ञापनों में भी काम किया। मनारा कत्थक डांसर भी है और इसके साथ वह हिप-हॉप, बैले और बॉलीवुड डांस भी जानती हैं। वह डाबर आमला हेयर ऑयल जैसी कई एड्स में नजर आ चुकी हैं। वह कोरियोग्राफर असिस्टेंट और फैशन डिजाइनर के तौर पर भी काम कर चुकी हैं। साल 2016 में उन्होंने इंडिया इंटरनेशनल जैज़ इवेंट को होस्ट किया था और रैंप पर बतौर शोस्टॉपर वॉक भी कर चुकी हैं।

बॉलीवुड में एंट्री लेते हुए साल 2014 में उन्होंने फिल्म जिद्द से डेब्यू किया था जो फ्लॉप रही, लेकिन फिल्म के गाने सुपरहिट रहे। इस फिल्म में उन्होंने काफी बोल्ड सीन दिए थे। साउथ फिल्मों में भी वो बोल्ड सीन्स के लिए फेमस रही हैं जिनसे मनारा को कोई आपत्ति नहीं रही। वह कुछ हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं, लेकिन खास तो वह तेलुगु फिल्मों में ही काम करती दिखी हैं। मनारा का किस को लेकर भी एक विवाद रहा। उन्होंने बिग बॉस 17 के ग्रैंड प्रीमियर पर सलमान खान को इस पर सफाई भी दी है। दरअसल, उनका एक वीडियो वायरल हो रहा था जिसमें डायरेक्टर बिना उनकी इजाजत गाल पर किस करते दिखे थे, इसके बाद वीडियो का वायरल हुई था। मनारा का इस वायरल वीडियो पर कहना है कि वो निर्देशक, उन्हें बेटी जैसे मानते थे और उनका अटेंशन गलत नहीं था लेकिन पब्लिक के सामने वो गलत तरीके से गया। मनारा ने हाल ही में वेब सीरीज में भी डेब्यू कर लिया है । नेटवर्थ की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक मन्नारा की नेटवर्थ 10 करोड़ रु. है अपनी बहनों के मुताबिक तो ये काफ़ी कम है लेकिन मनारा धीरे-धीरे ग्रो कर रही हैं।

भोजपुरी अदाकारा आकांक्षा पुरी ने ब्लू बिकिनी में गिराई बिजली

साउथ और टीवी इंडस्ट्री में अपनी अदाओं से राज करने वाली एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने टीवी शो मीका दी वोटी में खूब लाइमलाइट बटोरी थी। इन सबके अलावा वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। खुद से जुड़े अपडेट्स शेयर करती रहती हैं।अदाकारा आकांक्षा पुरी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक बेहद हॉट और बोल्ड वीडियो शेयर किया है, जिसने उनके फैंस को दीवाना बना दिया है। इस वीडियो में आकांक्षा ब्लू बिकिनी में स्विमिंग पूल में बेहद कातिलाना अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। उनके खुले बाल और सन ग्लासेस उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। आकांक्षा के इस वीडियो को देखकर उनके फैंस उनके लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फैंस ने कमेंट्स में आकांक्षा को बेहद खूबसूरत और हॉट बताया है। कुछ फैंस ने तो उन्हें ब्लू बिकिनी बेबी तक कह डाला है।आकांक्षा पुरी की वीडियो पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। फोटोज में उनके एब्स को देखकर नेटिजन्स काफी एक्साइटेड हो गए हैं। यहां तक कि सेलेब्स भी खूब कमेंट्स कर एब्स की तारीफ कर रहे हैं। आकांक्षा के इस फोटोशूट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है और यह तेजी से वायरल हो रहा है। 26 जुलाई, 1988 को इंदौर, मध्य प्रदेश में जन्मी आकांक्षा पुरी आज सफल एक्ट्रेस और मॉडल हैं। उन्होंने मीका सिंह के शो मीका दी वोटी से काफी सुर्खियां बटोरी थी। इस शो में मीका संग उनकी कैमिस्ट्री खूब चर्चा में रही थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज व्यापार मे व्यस्तता ज्यादा रहेगी साथ मे आमदनी मे बढोत्तरी होगी नौकरीपेशा जातकों को पदोन्नति के साथ स्थानांतरित किया जा सकता है. आप दोस्तों के साथ एक नया कारोबार शुरू कर सकते हैं और आपको उनका पूरा समर्थन मिलेगा. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे और शेयरों में कुछ निवेश भी किया जा सकता है. सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी. आज आप यात्रा में किसी व्यक्ति विशेष से मिल सकते है अपने स्वास्थ्य को हल्के मे लेना हानिकारक हो सकता हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को आज के दिन अपने व्यवहार मे कुछ बदलाव करना पडेगा जिससे काम पूरे होते हुए दिखेंगें आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. छात्रों के करियर में आज के दिन नया बदलाव आयेगा. जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. आज आप की जानपहचान किसी स्त्री विशेष होगी, जो आप को लाभ पहुंचाएगी. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. दोस्तों के साथ बेहतर दिन बीतेगा. भगवान शिव का पंचाक्षर मंत्र जप करें आप आसपास सकारात्मक वातावरण रहेगा।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज महामृत्युंजय मंत्र का जप करें शिवजी का अभिषेक करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा आप को भोजन भी अपनी शारीरिक क्षमता से ही करना चाहिए । काम के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे. आपकी योजनाएं फलीभूत हो कर आप के हक में फैसला सुनाएंगी. गृहस्थ जीवन में जीवन साथी धार्मिक रवैया अपनाएगा. घर में कोई पूजा पाठ बड़े स्तर पर हो सकती है. प्रेम विवाह करने की योजना हैं तो अपनी कार्यवाही जारी रखें नये मुकाम पर पहुंचेंगे और भविष्य मे रिश्ते में गहराई आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के साथ जरूरी यात्रा पर जा सकते हैं यात्रा का उद्देश्य पूरा होगा आप अपने कार्य स्थल पर वाहवाही लूटेंगे जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. आर्थिक सन्दर्भ में त्वरित पैसा बनाने की योजनाओं या आकर्षक प्रस्तावों से दूर रहना बेहतर है. इससे आने वाले महीनों में समस्या हो सकती है. परिवार के सदस्यों के साथ कुछ गलतफहमी घरेलू माहौल को कड़वा बना सकती हैं बच्चों को मौसमी बिमारी से बचाना होगा बच्चों के शरीर का तापमान बढ़ सकता हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन को सफलताओं से भरना हैं तो शिवजी का कच्चे दूध से अभिषेक करें आपका दिन करवट लेगा आपको कुछ काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है. परिवार के साथ डीनर का प्लान बना सकते हैं. पैसों के लेन– देन करने से आपको बचना चाहिए. अगर आप समय का सदुपयोग करेंगे, तो आपको फायदा जरूर मिलेगा. किसी तरह की पुरानी बातों पर ध्यान देने से आपको बचना चाहिए. कामकाज की स्थिति मजबूत रहेगी. आप को अपने व्यवसाय के प्रति जिम्मेदार होना होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दाम्पत्यजीवन की खुशहाली के लिए आप को दैनिक शिवपार्वती का पूजन करना चाहिए जिससे गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा । साझेदारी का कारोबारी सफलता देगा , बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा प्रेम जीवन बिता रहे लोग अपने रिश्ते के भविष्य को लेकर बहुत सोचेंगे और आज का दिन ज्यादातर सोचने में ही बिताएंगे.शरीर की तंदरुस्ती के लिए पौष्टिक आहार लेते रहें । हड्डियों का दर्द तकलीफ दे सकता हैं । गाय की सेवा करनी चाहिए ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों के लिए कुछ तकलीफें बन सकती हैं. सरकारी कर्मचारियों के साथ मेलझोल बना कर रखें लाभदायक रहेगा आपके दुश्मन आपके लिए मुसीबतें खड़ी कर सकते हैं. आपकी आय कम हो सकती है और आपके निवेश ठहराव के चरण में जा सकते हैं. इस अवधि के दौरान व्यवसाय के संबंध में यात्रा उचित फल नहीं देगी. आपको शीघ्र पैसा कमाने की योजनाओं में निवेश करने से से बचना चाहिए. दोस्त मददगार नहीं रहेंगे. इसलिए आपको कमिटमेंट करने से पहले दो बार सोचना श्रेयकर रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सुबह उठते ही हथेलियों के दर्शन करें आपका दिन बेहतरीन रहेगा. पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. थोड़ी–सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं. आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है. व्यावसायिक कार्यों के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आप हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा. ऑफिस का बढ़िया माहौल आपको खुश कर सकता है.व्यायाम करते रहे तंदूरस्ती बरकरार रहेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके लिए समय अनुकूल नही हैं। नक्षत्र थोड़ा सा कमजोर है, इसलिए शांति और समझदारी से ही दिन गुजारना सही रहेगा. खर्चों में थोड़ी तेजी आने से मानसिक चिंताएं बढ़ेंगी लेकिन यह अल्पकालीन है, इसलिए ज्यादा परेशान मत हों. काम के मामले में आपकी सोच आपके काम आएगी. व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा. सेहत उतार–चढ़ाव के बीच स्थिर रहेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोग आज के दिन को शांति से बिताएंगे और अपने प्रिय से खूब बातचीत करेंगे. गृहस्थ जीवन शांतिपूर्ण रहेगा.चींटियों को शक्कर डालें कर्ज मुक्त हो जांएगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

रोज सुबह उठते ही धरती माता को छूकर प्रणाम करें और फिर पश्चात धार्मिक कार्यों में संलग्न हो सकते है, जिसके कारण आपकी सामाजिक लोकप्रियता में बढ़ोत्तरी संभव है. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे. आप दूसरों के लिए मददगार सिद्ध होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे.कर्म को महत्व देना चाहिए आप का भाग्य आप को खुदबखुद मालामाल बन देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज दिन सफल रहेगा व्यवसायिक रुप से आप सफल भी होंगे. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आपको किस्मत का पूरा–पूरा साथ मिलेगा. साथ ही दूसरे लोग आपके कामकाज से प्रभावित भी होंगे. आपकी तरक्की के नये रास्ते खुलेंगे. परिवार में मधुरता के साथ विश्वास भी बढ़ेगा. किसी खास व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी. परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे व्यय करना चाहिए धन की शुद्धि होगी संतति भी बढेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने स्वभाव को सरल बनाए आप को मृदुभाषी होने की जरूरत हैं । जिससे आप का समय और दिन हर्षित रहेंगा. कामों में सफलता मिलेगी जिससे आपका आत्मबल बढ़ेगा. थोड़ा गुस्सा तो दिखाएंगे लेकिन जिद पकड़ना अच्छा नहीं. गृहस्थ जीवन सामान्य रहेगा और प्रेम जीवन बिता रहे लोग परिजनों के विरोध का सामना कर सकते हैं, इसलिए थोड़ी सी सावधानी रखें और मर्यादा ना लांघें.रोज सुबह चहलकदमी करते रहें शरीर निरोगी रहेगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 02 नवंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक, शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 08:24 तक
नक्षत्र : विशाखा अहोरात्र
योग : आयुष्मान प्रात: 11:17 तक
करण : किंस्तुघ्न प्रात: 07:24 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 11:23 तक
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : बलि प्रतिपदा , गुजराती नववर्ष आरंभ , गोवर्धन अन्नकूट , जैन नव संवत् आरंभ

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

इस वर्ष एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे : भजनलाल

जयपुर, 01 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि दीपावली उत्साह, उमंग और खुशी का पर्व है। श्री शर्मा ने शुक्रवार को राजस्थान में जयपुर के सांगानेर में प्रधान वाटिका में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में प्रदे-शवासियों को दीपोत्सव की शुभकामनायें देते हुए कहा कि यह त्योहार व्यक्ति के मन में उमंग, उल्लास और खुशी लेकर आता है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में रामलला का दिव्य और भव्य मन्दिर बना है, इसलिये इस वर्ष की दीपावली खास है।

श्री शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार बने 10 महीने हो चुके हैं, इस दौरान जो परिवर्तन आया है, वह सभी ने देखा है। पानी की आवश्यकता की पूर्ति के लिये पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) यमुना जल समझौता हुआ। मानसून में अच्छी वर्षा से राज्य के बांध भी भरे हैं। किसान खुशहाल है, क्योंकि फसलों का अच्छा दाम मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हम राज्य की आठ करोड़ जनता के लिये काम करते हैं। इस वर्ष जो बजट पेश किया गया, उसमें सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिये बजट दिया गया है। बजट खर्च से लेकर विकास कार्यों के लिये भूमि आवंटन के कार्य किये गये हैं। पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी एवं इस वर्ष एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे।

श्री शर्मा ने कहा कि इसका लाभ उठाने के लिये युवा तैयारी करें, क्योंकि दो वर्ष का भर्ती कलेण्डर भी निकाला गया है। कैबिनेट में 90 हजार भर्तियां निकालने का मार्ग प्रशस्त हुआ है, आने वाले समय में इनकी भी विज्ञप्तियां आयेंगी। साठ हजार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती होने से युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा। निजी क्षेत्र में भी छह लाख से अधिक नौकरियों के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि नौ से 11 दिसम्बर तक राइजिंग राजस्थान निवेशक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। विदेशों से, प्रवासी राजस्थानियों एवं उद्योगपतियों से हमें समर्थन मिल रहा है। राज्य में निवेश आकर्षित किया जा रहा है। निवेश करने वाले हर व्यक्ति की मदद के लिये सरकार तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कार्य करने की ताकत सांगानेर

दिवाली उत्साह, उमंग और खुशी का पर्व

विधानसभा क्षेत्र से मिलती है। समारोह में जयपुर ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्णावट, संत प्रकाशदास महाराज, विधानसभा संयोजक प्रकाश तिवाड़ी, मण्डल अध्यक्ष अशोक और भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद रहे। प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीता। पारंपरिक नृत्य और गीतों के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति की झलक दिखाई गई, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य भगवान विश्वकर्मा जयंती और हरियाणा दिवस की गरिमा को बढ़ाते हुए सांस्कृतिक धरोहर को संजोना था।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश में बेरोजगारी को लेकर लोगों को बहकाने का काम किया। भाजपा ने आचार संहिता लगने से पहले 25 हजार युवाओं को नौकरी देने की घोषणा की थी, लेकिन कांग्रेस ने चुनाव आयोग में अर्जी लगाकर उसे रोकने का काम किया। हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। डबल इंजन की सरकार विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का काम करेगी और संकल्प पत्र में किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि गोहाना जिला बनाने की प्रक्रिया चल रही है। अगली बार गोहाना में किसी बड़े कार्यक्रम में आएंगे तो गोहानावासियों को तोहफा दिया जाएगा। जनता स्कूल बुटाना को विश्वविद्यालय बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर गोहाना की जनता मांग करेंगी तो उस पर संज्ञान लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के उस बयान आगे सत्य की जीत होगी पर भी कटाक्ष किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की जीत क्या सत्य की जीत नहीं है क्या। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, बाबा भीम राव आंबेडकर का कभी सम्मान नहीं किया। झूठ बोलने वालों को झूठ ही दिखाई देता है। जनता जनार्दन ने भाजपा को दिल खोलकर पूर्ण बहुमत दिया है। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक व तेलंगाना में संकल्प पत्र के वादों को पूरा नहीं किया। अब महाराष्ट्र व झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत होगी।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंच से हाथ हिलाकर जनता का आभार व्यक्त किया और भाजपा के पदाधिकारियों और विधायकों के साथ जनता का अभिवादन किया। इस अवसर पर उनके साथ मंच पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा, सोनीपत विधायक निखिल मदान, खरखौदा विधायक पवन खरखौदा, गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान, भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, गोहाना नगर परिषद चेयरपर्सन रजनी विरमानी, और भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक मौजूद थे।

गोधरा कांड पर आधारित पुस्तक स्कूल पुस्तकालय से हटाई गई

जयपुर, 01 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान के स्कूलों में विवादित पुस्तकें हटाए जाने के मुद्दे ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने आरोप लगाया है कि गोधरा कांड पर आधारित अदृश्य लोग– उम्मीद और साहस की कहानियां पुस्तक में गलत तथ्यों का उल्लेख कर समाज में वैमनस्य फैलाने की कोशिश की गई थी। दिलावर ने कहा कि इस पुस्तक में गोधरा कांड के दौरान ट्रेन जलाने वालों का महिमामंडन करते हुए हिंदुओं को अपराधी की तरह प्रस्तुत किया गया है और तत्कालीन गुजरात सरकार पर भी भ्रामक जानकारी दी गई है।

मदन दिलावर ने कांग्रेस के पूर्व शिक्षा मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा पर आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में इस तरह की किताबों को जानबूझकर बच्चों के सिलेबस में शामिल किया गया था। वहीं, पूर्व मंत्री डोटासरा ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि उन्होंने इस पुस्तक का अनुमोदन

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नहीं किया था और दिलावर पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। शिक्षा मंत्री दिलावर ने बताया कि समग्र शिक्षा राजस्थान द्वारा सरकारी स्कूलों के पुस्तकालय में भेजी गई दो विवादित पुस्तकें अदृश्य लोग (लेखक हर्ष मंदर) और जीवन की बहार (लेखक माधव गाडगिल) को वर्तमान सरकार ने हटाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इन पुस्तकों का चयन पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में किया गया था और मौजूदा सरकार का इन चयन में कोई हाथ नहीं है।

वर्तमान सरकार द्वारा विद्यालय पुस्तकालयों में दो नई पुस्तकें जोड़ी गई हैं, वैक्सीन की गाथा' (लेखक सज्जन सिंह यादव) और राजस्थानी भाषा की पुस्तक चिड़ी को मोती लादीओ। दिलावर ने कहा कि वैक्सीन पर आधारित पुस्तक का उद्देश्य छात्रों को कोविड महामारी और वैक्सीन के प्रति जागरूक बनाना है, जबकि चिड़ी को मोती लादीओ का उद्देश्य राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देना है। शिक्षा मंत्री ने जानकारी दी कि अदृश्य लोग पुस्तक में प्रकाशित गोधरा कांड से संबंधित सामग्री की कानूनी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस मुद्दे पर प्रदेश में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है और सभी की निगाहें इस पर टिकी हैं कि विवादित पुस्तकों को हटाए जाने पर सरकार क्या रुख अपनाती है और आगे की कार्रवाई कैसी रहती है।

हरियाणा दिवस पर अंबाला को मिली लोकल बस सेवा की सौगात

परिवहन मंत्री बोले- विदेशों की तर्ज बनेगा बस स्टैंड व शैल्टर, इलैक्ट्रिक बस भी चलाएंगे

चंडीगढ़, 01 नवम्बर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शुक्रवार को प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की शुभकामनायें देते हुए अम्बाला छावनी और शहर के लाखों लोगों को 20 सालों के बाद हरियाणा दिवस के पावन अवसर पर लोकल बस सेवा की सौगात दी है।

इस लोकल बस सेवा की सफलता के बाद नागरिकों को इलेक्ट्रिक बस सेवा की सुविधा भी मुहैया करवाई जायेगी। इस इलेक्ट्रिक बस सेवा से प्रदूषण भी नहीं होगा। इस जिले के नागरिकों को चुनाव जीतने के बाद एस्केलेटर प्रोजेक्ट के बाद लोकल बस सेवा का दूसरा तोहफा दिया गया है। श्री विज ने अंबाला में आयोजित कार्यक्रम में अम्बाला छावनी और अम्बाला शहर के लिये विभिन्न मार्गों पर चलने वाली चार मिनी बसों को हरी झंडी दिखाकर लोकल बस सेवा का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि एक नवम्बर 1966 को पंजाब से अलग होने के बाद हरियाणा प्रदेश तरक्की की राह पर बहुत आगे निकल चुका है और अब बड़े भाई पंजाब पर तरस आने लगा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा दिवस पर शहर के लोगों को लोकल बस सेवा की सुविधा दी गयी है। यह बसें अम्बाला शहर से बोह, बब्याल वाया लघु सचिवालय अम्बाला छावनी, टांगरी बांध, बोह–बब्याल से अम्बाला शहर वाया टांगरी बांध अम्बाला छावनी और लघु सचिवालय, अम्बाला शहर से कलरहेड़ी वाया लघु सचिवालय अम्बाला छावनी, तोपखाना, डिफेन्स कॉलोनी तथा कलरहेड़ी से अम्बाला शहर वाया डिफेन्स कॉलोनी, तोपखाना, छावनी व लघु सचिवालय के रूट पर यह बस सेवा शुरू कर दी गयी हैं।

उन्होंने कहा कि इन बसों के बारे में लोगों के सुझाव भी आमंत्रित किये गये हैं। इन सुझावों के बाद बस के रूटों में और सुधार लाया जायेगा। यह बस सेवा हर घंटे के बाद लोगों को मिलेगी और 10 रुपये से लेकर 25 रुपये की राशि में लोग अपना सफर तय कर पायेंगें। इससे सालाना सफर करने वाले लोगों को करोड़ों रुपये का आर्थिक फायदा भी होगा, क्योंकि इस रूट पर अब लोगों को 60 रुपये से लेकर 80 रुपये देने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन रूटों पर विदेशों की तर्ज पर बस स्टैंड व बस शैल्टर भी बनाये जायेंगे।

परिवहन विभाग की तरफ से जनसूई हेड में छठे नए बस स्टैण्ड का निर्माण तीन करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है और 22 करोड़ रुपये की लागत से अम्बाल कार्यशाला और उपकेंद्र नारायणगढ़ में नये बस स्टैण्ड का निर्माण किया जायेगा। इतना ही नहीं अम्बाला शहर बस स्टैण्ड पर एक करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से ग्राउंड लेवल पार्किंग का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

घर में घुसकर चलाई गोली, लड़की के हाथ में लगी, माता–पिता घायल

फतेहाबाद, 01 नवम्बर (एजेंसियां)। शहर के अग्रवाल कॉलोनी में दीपावली की रात को दिन में हुए मामूली विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। झगड़े में एक गुट ने दूसरे के घर में घुसकर हमला कर दिया और हवाई फायरिंग कर दी। इस दौरान एक लड़की के हाथ पर गोली लग गई। लड़की के अलावा उसके माता–पिता भी मारपीट में घायल हो गए। जिन्हें नागरिक अस्पताल लाया गया, यहां से रेफर कर दिया गया। शहर थाना प्रभारी प्रह्लाद का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ हत्या प्रयास के आरोप में कार्यवाही की जा रही है।

अग्रवाल कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय दिनकर गुरुवार दोपहर को भट्टू रोड पर एक किरना की दुकान पर खड़ा था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान अंजलि कॉलोनी निवासी महिला के साथ किसी बात को लेकर उसका आपस में झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद दोनों अपने–अपने घर चले गए। रात को दिनकर जब अपने घर पर परिवार के साथ था तो इसी दौरान घर के बाहर कार पर कुछ लोग आए। कार में वही महिला और दो–तीन अन्य युवक सवार थे और उन्होंने आकर मारपीट शुरू कर दी। जानकारी मिली है कि कार सवार युवकों ने गोली चला दी, जो दिनकर की बेटी चंदा के हाथ पर जा लगी। इस घटना में चंदा के अलावा उसके पिता दिनकर व मां मोती को भी चोटें लगी।

दीपावली पर अंबाला में 19 व पानीपत में 23 स्थानों पर लगी आग

सोनीपत/पानीपत/हिसार, 01 नवम्बर (एजेंसियां)। दीपावली पर्व पर हरियाणा के विभिन्न जिलों में आगजनी की कई घटनाएं सामने आईं, जिनमें लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ। हालांकि, इन घटनाओं में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन संपत्ति के नुकसान ने कई व्यापारियों और घर मालिकों को आर्थिक झटका दिया।

पानीपत के संविधान चौक स्थित इंसार बाजार में एक अटैची सूटकेस के गोदाम में शुक्रवार सुबह आग लग गई, जिसमें गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। दमकल विभाग की टीम ने समय रहते पहुंचकर आग पर 20 मिनट में काबू पा लिया, जिससे आग को फैलने से रोका जा सका। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सोनीपत के सेक्टर 17 स्थित ओमेक्स सिटी में एक चलती हुई डस्टर गाड़ी अचानक आग की चपेट में आ गई। गाड़ी में आग लगने के तुरंत बाद ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचाई। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है।

पटेल नगर के एक मकान में हारमोनियम बनाने की फैक्ट्री में दिवाली की रात अचानक आग लग गई। मकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। स्थानीय निवासियों ने दमकल विभाग को सूचना दी, जिसके बाद दमकल कर्मियों ने तुरंत आग पर काबू पाया। इस घटना में भी किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हिसार के मोहल्ला सैनियान स्थित श्याम इलेक्ट्रॉनिक शोरूम की छत पर भीषण आग लग गई, जिसमें लाखों का नुकसान बताया जा रहा है। दिवाली के दिन गुरुवार को पटाखों तो कहीं शार्ट सर्केट के चलते अंबाला में करीब 19 जगह आग लगी। भीषण आग अंबाला सिटी के सेना नगर स्थित एक क्रॉकरी की चार मंजिला दुकान व सिटी के पुराना सिविल अस्पताल के पास एक मंदिर में

लोगों का करोड़ों का माल हुआ राख

बनाई गई पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी। पार्किंग में देखते ही देखते एक ऑटो सहित चार कारें धूं–धूं कर जल उठी। दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर काबू किया। वहीं क्रॉकरी की दुकान में लगी आग को कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। करीब 15 कर्मचारी और 5 गाड़ियां की मदद ली गई। उधर, उगाला गांव में भी घर में खड़ी ब्रेजा कार में आग लग गई थी व अगला हिस्सा जल गया था।

अंबाला कैंट में 10 जगह आग लगी और इसमें ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। निकलसन रोड के पास बिजली की तारों व खुड्डा गांव के पास सड़क किनारे सरकंडों व बब्याल में खाली प्लाट की झाड़ियों व कैंट एसडीएम कार्यालय के पास खाली प्लाट की झाड़ियों व रानी बाग में दो दुकानों की छत पर रखे सामान व खोजकीपुर के पास झाड़ियों आग लगी।

हिसार के मॉडल टाउन एक्सटेंशन में शुक्रवार सुबह एक घर में आग लग गई, जिसमें लाखों रुपये का कीमती सामान जलकर राख हो गया। यह घटना सेक्टर 9 और 11 के पास स्थित मकान की दूसरी मंजिल पर हुई, जहां धुआं उठने पर पड़ोसियों ने मकान मालकिन ऊषा देवी को सूचना दी। ऊषा देवी उस समय डाबड़ा चौक के पास एक निजी अस्पताल में ड्यूटी पर थीं। दमकल विभाग को सूचना मिलने पर तुरंत एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कमरे में रखा बेड, अलमारी, कपड़े और अन्य कीमती सामान पूरी तरह से जल चुका था। आग लगने से करीब एक लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। ऊषा देवी ने बताया कि दिवाली की रात उन्होंने पूजा करने के बाद माता लक्ष्मी की ज्योत जलाई थी और ड्यूटी पर चली गई थीं। घर पर उस समय कोई नहीं था। अग्निकांड की वजह से पूरा कमरा जलकर राख हो गया।

शहर में दिवाली की रात को आगजनी की छह से सात घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें यह एक प्रमुख घटना है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच कर रहे हैं। पानीपत में अलग अलग 23 जगहों पर आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। जहां दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का काम किया है। हालांकि कुछ ऐसी जगहों पर भी आग लगी जहां कम आग लगने पर लोगों ने दमकल को सूचना देने की बजाए खुद ही आग पर काबू पा लिया हो। गनीमत रही कि किसी भी घटना में किसी को जान की हानि नहीं हुई। हालांकि कहीं किसान के खेतों और पराली में आग लगी तो कहीं फैक्टरी और गोदाम में आग लगने से लोगों का करोड़ों रुपये का नुकसान जरूर हुआ है। दिवाली पर ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए दमकल विभाग ने पहले से पूरी टीम के 114 कर्मचारियों को तैनात किया था। इनमें से हर 12 घंटे 57 कर्मचारी तैनात थे। जिले में दमकल ने चारों दिशाओं में आसानी से आने जाने के लिए 14 केंद्र बनाए थे। इन केंद्रों पर 13 बड़ी फायर टेंडर गाड़ी और मशीनें, दो छोटी फायर टेंडर और दो बाइक भी बेड़े में शामिल की थी।

बिहार में बेटे और बहू की हो रही है राजनीति जातियों में उलझे हैं लोग : प्रशांत किशोर

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में बेटे और पतोह की राजनीति हो रही है। लोग जातियों में उलझे है। बेलागंज की जनता अपराध और अपराधियों से किनारा करना चाहते हैं। बिहार विधानसभा उपचुनाव चुनाव में बेलागंज के सभी लोगों की सोच है, अपराधियों की राजनीति को खत्म करना है। उक्त बातें जन सुराज पार्टी के सुत्रधार प्रशांत किशोर शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि कोई बड़े बाहुबलियों को चुनौती दे सकता है। शुरूआती प्रयास में लोगों के बीच विश्वास पैदा करने के लिए जन सुराज पार्टी ईमानदारी से प्रयास शुरू किया है और वह विश्वास लोगों के बीच लाया है। लोकतंत्र में सबसे बड़ी जनता ही ताकत है।

प्रत्याशी के चयन में जल्दबाजी के सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज में गलत आदमी को टिकट मिलने का सवाल ही नहीं है। इमामगंज विधानसभा सीट से जन सुराज पार्टी से प्रत्याशी जितेंद्र पासवान है। बिहार में रूरल प्रैक्टिनसर, ट्रेनिंग के बाद प्रैक्टिशनर है जो कर रहे है।

जब महागठबंधन की सरकार थी, उस समय राज्य के कानून मंत्री जिसको बनाया था। वह भी वैसे हीं डॉक्टर है। जो अस्पताल चला रहे है। एक एमबीबीएस, क्वालीफाई डॉक्टर और दूसरा बहुत बड़ा एक ऐसा तंत्र है, जो अपने अनुभव से प्रैक्टिस करता है। बिहार की चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह ठप है। जो कुछ भी गरीबों को चिकित्सीय सुविधा मिल रही है। गांवों में सेवा दे रहे गरीब डॉक्टरों के कंधे पर है। अगर वह गलत है तो उस पर कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन बंद कराएंगे तो ऐसे एक लाख से ज्यादा लोग है, जो ग्रामीण

प्रैक्टिशनर है। नीतिश कुमार ने वोट के लिए इन्हीं लोगों को कहा कि ट्रेनिंग और सर्टिफिकेट देंगे। वोट ले रहे हैं लेकिन न ट्रेनिंग दिया और न ही सर्टिफिकेट दे रहे हैं। अगर ऐसा नहीं करना था तो देश की सबसे बेहतर चिकित्सा बनाए।

वहीं उन्होंने कहा कि एनडीए या महागठबंधन तंत्र उतारे या यंत्र उतारे, लालू, नीतीश और भाजपा तीनों की ताकत एक तरफ है। जन सुराज अकेले खड़ा हैं। हमारे साथ वैसे लोग जुड़े है जो चाहते है बिहार में बदलाव हो। 30–35 साल में लालू नीतीश से लोग परेशान हो गए है। छठ पर्व में लोग बाथरूम, लैट्रिन में बैठकर ट्रेनों से आ रहे हैं। यह सालों साल से यह परंपरा बन गया है कि भेड़ बकरियों की तरह बैठकर बिहार वापस लोग आते है। प्रदेश में जाकर मेहनत कर 6 से 8 हजार बचाए। ताकि वह अपने परिवार भरण पोषण कर सके। हर हालत में बिहार में रोजी रोजगार सबको मिले यह जन सुराज की गारंटी है।तमिलनाडु,गुजरात,कर्नाटक, छत्तीसगढ़ में गरीबी,भ्रष्ट्राचार नहीं है। इन राज्यों के लोग मजदूरी करने क्या बिहार आते है..? गरीबी, भ्रष्ट्राचार होना एक अलग बात है लेकिन सभी राज्यों में इतनी व्यवस्था होनी चाहिए कि वह व्यवस्था बिहार में हो।

पीके ने गिरिराज सिंह के 2025 में 220 सीट पर जीतने के सवाल पर कहा कि कि लक्ष्य रखने में कोई बुराई नहीं है। बिहार में होने वाले चार सीटों में एनडीए कितना जीत रही है। उसके बाद 2025 का लक्ष्य रखा जाएगा। भाजपा वाले तो दो सीट पर लड़ रहे हैं। दुनिया का सबसे बड़ा दल बताने वाला भाजपा 30 साल से बिहार में हैं। आज तक 100 या 110 सीट से अधिक सीटों पर लड़ने का ताकत नहीं हुआ। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को 19.6% वोट आया था और खुद को राजनीतिक बाहुबली बता रहे। यह तो नीतीश के कंधे पर बैठकर बैसाखी यह है। इनकी बैसाखी नीतीश कुमार है। चार दिन पहले एनडीए की बैठक हुई है। सारे भाजपाइयों ने यह घोषणा की है हमारे नेता नीतीश कुमार है। 2025 में भी नीतीश कुमार सीएम रहेंगे। जितने लोग नीतीश को सीएम बनाना चाहते हैं। भाजपा का बटन दबा देना। जितने लोग चाहते हैं, आपकी जमीन विवाद में पड़ जाए, वह भाजपा का बटन दबा देना। एक ओर आप नीतीश से परेशान हैं और दूसरी ओर भाजपा से। जदयू को वोट देंगे तो आपसे बादा मूर्ख आदमी कौन है..? हम वोट नहीं मांग रहे सिर्फ जनता को यह बता रहे हैं कि भाजपा का डर दिखाकर लालू को और लालू का डर दिखाकर भाजपा वाले वोट लेते है। यह मुफ्तखोरी का आदत छोड़ो।

बिजली की चिंगारी से पटाखा दुकान में लगी आग

लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

पटना (एजेंसियां)।
नालंदा में दिवाली की रात पटाखा दुकान में अचानक आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा–तफरी मच गई। मामला छबीला–पुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अमीरगंज बाजार का है। स्थानीय लोगों की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

दरअसल, अमीरगंज बाजार स्थित गुड्डू मियां सब्जी की दुकान चलाता है। दीपावली को लेकर उसने दुकान के आगे पटाखे की दुकान लगा रखा था। इसी बीच गुरुवार की शाम बिजली के पोल पर शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसकी चिंगारी नीचे पटाखे से सजी दुकान पर आ गिरी और देखते ही देखते वहां पर पटाखे विस्फोट होने लगे। वहां आसपास भी पटाखे की दुकान सजी हुई थी। जैसे–तैसे करके आसपास के लोगों ने अपनी दुकानों को सुरक्षित कर लिया। वहीं, स्थानीय लोगों की मदद से दुकानदार ने आग पर काबू पा लिया। करीब आधे घंटे

तक अफरा–तफरी का माहौल बना रहा।

गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, नहीं तो किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था। तकरीबन 50 हजार से अधिक की संपत्ति का दुकानदार को नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि अवैध रूप से सब्जी दुकान के आगे पटाखे की दुकान लगाई गई थी। वहीं, इस मामले में छबीलापुर थाना अध्यक्ष मुरली मनोहर आजाद ने बताया कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है। घटना के बारे में पता लगाया जा रहा है।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी बोले–

बिहार के विकास के लिए जितनी भी राशि चाहिए वो उपलब्ध कराएंगे

मुंगेर

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर मुंगेर जिले में पहुंचे। यहां उन्होंने तारापुर शहीद चौक के पास पथ निर्माण विभाग की ओर से 61 करोड़ की लागत से बनाए जा रहे 12.3 किलोमीटर रतारापुर–खड़गपुर मुख्य पथ के चौड़ीकरण का शिलान्यास किया। इसके बाद सम्राट चौधरी ने तारापुर अनुमंडलीय अस्तपताल का निरीक्षण भी किया।

बता दें कि इस मौके पर मीडिया से बात करने के दौरान उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि तारापुर–खड़गपुर मुख्य पथ का चौड़ीकरण का शिलान्यास किया गया है, जो जल्द बनकर तैयार होगा। उन्होंने कहा, तारापुर अनुमंडल को चारो तरफ बाइपास बनाने की स्वीकृति मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में कर दी गई है, जिसका एनओसी का कार्य चल रहा है।

उन्होंने बताया कि इसके साथ तारापुर अनुमंडलीय अस्तपताल का भी निरीक्षण किया गया है, जहां 100 बेड लगे हुए थे। आगे उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर हनुमना डैम और खड़गपुर झील का डीपीआर लगभग तैयार किया जा रहा है। जल्द ही दोनों डैम का डीपीआर बनकर तैयार होगा, जिसके बाद मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृति दी जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के विकास के कार्यों को आगे ले जाना है। प्रधामंत्री का पूरी तरह दरवाजा खुला है, जितनी राशि बिहार के लिए चाहिए वह उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने बिहार में चार विधानसभा में होने वाले उपचुनाव को लेकर कहा कि कही कोई लड़ाई नहीं है। पिछली बार भी बिहार की जनता ने 75 प्रतिशत रिजल्ट हम लोगों को दिया था। 40 सीट में 30 सीट जीते थे और कुछ सीटें कुछ वोटों से हारे थे। उन्होंने कहा कि बिहार में जो चार सीट पर उपचुनाव होंगे, सभी सीटों पर हम लोग जीतेंगे।

दीपावली की रात लगी भीषण आग, डेढ़ दर्जन घर जलकर राख

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
मुजफ्फरपुर में आगलगी की भीषण घटना में डेढ़ दर्जन घर जलकर राख हो गया। घटना कटरा थाना क्षेत्र के धनौर गांव की है।

लोगों का कहना है कि इस घटना में लाखों का नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। सूचना मिलने पर अग्निशमन की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और आग को बुझाने में जुट गई। आग लगने का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

मुजफ्फरपुर में एक दूसरी घटना में खाना बनाने के दौरान घरेलू गैस का सिलेंडर लीक होने से पति, पत्नी और एक बच्ची झुलस गई। घटना सिकंदरपुर थाना क्षेत्र

के बालूघाट मुहल्ले का है। झुलसे लोगों को इलाज के लिए एसकेएमसीएच कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि घर में इस्तेमाल होने वाले घरेलू गैस सिलेंडर के पाइप में लीक होने की वजह से आग लगी है। अगलगी की इस घटना में कमलेश सहनी (45), उनकी पत्नी रजवांति देवी (40) और रिचा कुमारी (1वर्ष) झुलस गये हैं। आग लगते ही वहां अफरातफरी का माहौल हो गया। आसपास के लोग दौड़कर आग बुझाने में जुट गये, लेकिन आग की तेज लपट होने की वजह से आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा था। फिर लोगों ने अग्निशमन को फोन कर घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और आग बुझाने में जुट गई। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फिलहाल सभी का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

घटना के संबंध में राजकली देवी ने बताया कि आज दिवाली पर बेटा और बहु खाना बना रहे थे। इस दौरान उनकी छोटी बच्ची ऋचा भी साथ में थी। तभी अचानक ही गैस सिलेंडर के पाइप में लीकेज होने के कारण सिलेंडर में आग लग गई। आग लगते ही चीख–पुकार मच गई। आग की तेज लपटों को देखकर आसपास के लोग बाग़ बुझाने के लिए दौड़ पड़े सुनकर दौर पड़े। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तब आग पर काबू पाया जा सका।

जुआ खेलने के दौरान युवक पर फायरिंग, घायल अवस्था में इलाज जारी

मुंगेर

मुंगेर में गुरुवार देर रात जुआ खेलने के दौरान युवकों के बीच विवाद हो गया। जहां एक युवक को गोली मारकर घायल कर दिया गया है। घायल युवक का इलाज निजी नर्सिंग अस्पताल में चल रहा है। घायल युवक रोहित की मां अनीता देवी ने बताया कि बेटा ने गुरुवार दोपहर घोसी टोला में जुआ खेलने को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें मेरे बेटे का पैसा कुछ लोग छीनने लगे, जिसके बाद वो घर आ गया।

वहीं, शाम में फिर जुआ का खेल देखने के लिए निकला था। लेकिन रात में घर नहीं पंहुचा था। बीती देर रात जुआ खेलने के दौरान रोहित को उसके दोस्तों ने पीठ पर गोली मार दी। घटना के बाद कुछ लोगों ने घायल मेरे बेटे को सदर अस्तपताल में भर्ती कराया। गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। लेकिन उसे निजी अस्तप–ताल में भर्ती करा दिया। सुबह जब मुझे जानकारी हुई तो हम बेटे को देखने के लिए अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा, बेटे ने बताया कि जुआ खेलने के दौरान उसके दोस्त बैगन, बिक्की और गौरव ने गोली मार दी।

घटना की जानकारी मिलने के बाद कासिम बाजार थाना पुलिस ने अस्तपताल पहुंचकर घायल युवक से पूछताछ की। थानाध्यक्ष रूबी कांत कच्छप ने बताया कि घायल युवक का पुलिस द्वारा बयान लिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

सोशल मीडिया के जरिए अफवाह उड़ा माहौल खराब करने की कोशिश, पुलिस ने संभाला मोर्चा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
मुजफ्फरपुर में सोशल मीडिया अफवाह के चलते माहौल को खराब करने की कोशिश की गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए माहौल को शांतिपूर्ण बनाया। मामला मिठनपुरा थाना एरिया का है। मौके पर आधी रात को ही पहुंचे एएसपी टाउन ने कहा, शांति व्यवस्था को खराब करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे।

जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और ठठढ के जवान ने कार्रवाई करते हुए भीड़ को खदेड़ा और माहौल को शांत किया। मौके पर पुलिस बल को प्रतिनियुक्त किया गया। अफवाह फैलाने वालों को चिन्हित किया जा रहा है। बताया जा रहा है अफवाह होने की वजह से भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ गई और देखते ही देखते लोगों में

गुस्सा और नाराजगी दिखी। उसके बाद इस मामले की सूचना पर कई थाने की पुलिस बल को बुलाया गया और भीड़ को हटाया गया है। इस दौरान पुलिस भी मौके पर कैंप कर रही है।

पूरे मामले में एएसपी टाउन भानुप्रताप सिंह ने बताया कि आधी रात को डेढ़ बजे सूचना मिली थी कि दो पक्ष में तनाव की स्थिति है। उसके बाद पुलिस की टीम और फोर्स को मौके पर भेजा गया है। सोशल मीडिया के जरिए कुछ अफवाह फैलाने का काम किया था, जिसके बाद पुलिस की तत्–परता से इसको रोक दिया गया है। दिवाली पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था हर जगह पर तैनात थी। सोशल मीडिया के जरिए एक पक्ष के द्वारा प्रचारित प्रसारित किया जा रहा था, जिसके बाद लोगों की भीड़ जुटने लगी।

मामले की जानकारी वरीय अधिकारी को मिली, जिसके बाद मौके पर पहुंची और भीड़ को हटाया गया है। अभी मौके पर सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है। माहौल शांत है, सोशल मीडिया पर अफवाह को उड़ाने वाले की पहचान की गई है, कार्रवाई किया जाएगा। समाज में शांति व्यवस्था को खराब करने वाले को किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा।

जिलाधिकारी मुजफ्फरपुर सुब्रत सेन ने बताया कि कल देर रात कुछ लोगों ने एक मूर्ति स्थापित करने की कोशिश की थी। उस जगह पर पहले से एक पंचायत का फैसला हो चुका था कि उक्त जगह पर कोई नया निर्माण नहीं किया जाएगा। फिलहाल, शांति समिति के लोगों के साथ बैठक कर मामले को सुलझा लिया गया है। वहीं, पुलिस की तैनाती कर दी गई है, जो अगले कुछ समय तक कायम रहेगी।

ट्रक ने कार में मारी टक्कर, उड़ीसा के वकील समेत दो की मौत

पटना (एजेंसियां)।
नालंदा जिले में सड़क हादसे में उड़ीसा के एक वकील और उनके पुत्र की मौत हो गई। वहीं पत्नी, बेटी समेत तीन लोगों की हालत गंभीर है।

इन्हें अस्पताल में करवाया गया है। यह हादसा सोहसराय थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 20 पर श्री राम पेट्रोल पंप के पास की है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सोहसराय थानाध्यक्ष राजमणि के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों द्वारा पिता–पुत्र को मृत घोषित करने के बाद गंभीर रूप से घायल तीनों लोगों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि उड़ीसा

के पुरी जिले के वहियारपुर निवासी अधिवक्ता सत्यनारायण सत्यपति अपने परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर नालंदा आए थे। वापसी के दौरान उनकी कार की एक खड़े ट्रक से जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में सत्यनारायण सत्यपति और उनके पुत्र ओम प्रकाश सत्यपति की मौत हो गई जबकि अधिवक्ता की पत्नी राजलक्ष्मी देवी, पुत्री पायल कुमारी एवं चालक नरेंद्र साहू गम्भीर रूप से जख्मी हो गए हैं।

यातायात थानाध्यक्ष सुशील कुमार राहुल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में चालक के थकान के कारण नींद आने से हादसा होने की आशंका है। कार से बरामद सामग्री से पता चलता है कि परिवार तीर्थ यात्रा से लौट रहा था। कार में गंगाजल और प्रसाद सहित अन्य धार्मिक सामग्री मिली है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया है और उनके आने के बाद ही पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com